

सोनिया-राहुल ने हड़पी 2000 करोड़ की सम्पत्ति, 414 करोड़ का टैक्स चुराया

राष्ट्र-प्रथम बनाम धन-प्रथम

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर चल रहे मनी लॉन्ड्रिंग केस में भारत के खिलाफ षडयंत्र में लगे अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस से लिए गए धन का मामला भी जुड़ेगा। भारत विरोधी गतिविधियों के लिए अमेरिकी

कांग्रेस पार्टी को दिया था। नेशनल हेराल्ड केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के साथ ही यह विदेशी फंडिंग का मामला भी सोनिया गांधी और राहुल गांधी को कानून के शिकंजे में कसेगा। राजीव गांधी फाउंडेशन सहित कई एनज-



को भी यूएसएड से लगाता धन मिल रहा था। कांग्रेस के समर्थन से देशभर में धर्मांतरण

इवेंट्स जैकल अलायंस और वर्ल्ड विजन को भारत विरोधी गतिविधियां चलाने के लिए यूएसएड से लगातार अकूत धन मिल रहा था। इन गतिविधियों के कारण ही वर्ष 2024 में मोदी सरकार ने वर्ल्ड विजन का एफसीआर लाइसेंस निलंबित कर दिया था।

2021 में इजराइलियों ने इसकी एक ब्रांच बंद करने के लिए आवाज उठाई थी। उस समय वर्ल्ड विजन का गाजा में मैनेजर मोहम्मद अल हबीबी था, जिसने हमला को 50 मिलियन डॉलर की मदद दी थी। विदेशों से धन लेकर सुनियोजित तरीके से भारत को

नेशनल हेराल्ड अखबार में गांधी-घोटाले के कई पन्ने हैं

फंडिंग एजेंसी यूएसएड ने राजीव गांधी फाउंडेशन और अमेरिका में रह रहे ओवर-सीज कांग्रेस के अध्यक्ष एवं राहुल गांधी के सिपहसालार सैम पित्रोदा को भारी फंडिंग की थी। बांग्लादेश की तरह भारत को तोड़ने के लिए जॉर्ज सोरोस को 5000 करोड़ डॉलर मिले थे। जिसे सोरोस ने राहुल गांधी और

13ओ ने यूएसएड से पैसे लेकर देश विरोधी तत्वों को फायदा पहुंचाया। राजीव गांधी फाउंडेशन के विजय महाजन के जरिए यूएसएड से पैसे का लेनदेन हुआ। देश में जातीय जनगणना की हवा फैलाने में लगा ग्रामीण विकास ट्रस्ट भी यूएसएड से धन ले रहा था। कांग्रेस समर्थित जकात फाउंडेशन

मनी लॉन्ड्रिंग में सोरोस से लिया धन भी शामिल होगा

इसके अलावा जॉर्ज सोरोस के धन से चलने वाले एटलांटिक काउंसिल ने कांग्रेस के इशारे पर भारत के कुछ पत्रकारों और फैक्ट चेकर्स को पीएम मोदी के खिलाफ माहौल बनाने के लिए भारी धन दिया गया था। वर्ल्ड विजन संस्था आतंकी संगठन हमला को पैसे देने के कारण भी काफी बदनाम रही है। साल

खोखला करने के सारे मामले अब क्रमशः कानूनी कार्रवाई की परिधि में लाए जा रहे हैं। कांग्रेस के मुखपत्र नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पार्टी के पूर्व अध्यक्षों सोनिया गांधी और राहुल गांधी के विरुद्ध प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जो चार्जशीट दाखिल की है, ▶10

अमेरिका के टैरिफ युद्ध का भारत पर कोई असर नहीं

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका लगातार चौथे साल वर्ष 2024-25 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। इस दौरान दोनों देशों के बीच 131.84 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ। हालांकि, इस अवधि में चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 99.2 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

पिछले वित्त वर्ष में चीन को भारत का निर्यात 14.5 प्रतिशत घटकर 14.25 अरब डॉलर रह गया। 2023-24 में यह आंकड़ा 16.66 अरब डॉलर था। हालांकि, 2024-25 में भारत का चीन से आयात 11.52 प्रतिशत बढ़कर



113.45 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 101.73 अरब डॉलर था। चीन के साथ व्यापार घाटा पिछले

चीन से व्यापार घाटा बढ़कर 99.2 अरब डॉलर हुआ

वित्त वर्ष में लगभग 17 प्रतिशत बढ़कर 99.2 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो 2023-24 में यह आंकड़ा 85.07 अरब डॉलर था। चीन 2024-25 में

21 में चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। चीन से पहले, संयुक्त अरब अमीरात देश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था।

2021-22 से अमेरिका भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान, 100.5 अरब डॉलर के साथ यूएई भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा। बीते वित्त वर्ष में अमेरिका को भारत का निर्यात 11.6 प्रतिशत बढ़कर 86.51 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 77.52 अरब डॉलर था। 2024-25 में भारत का अमेरिका से आयात 7.44 प्रतिशत बढ़कर 45.33 अरब डॉलर हो गया, ▶10

सुप्रीम कोर्ट ने रवत सरकार को लगाई कड़ी फटकार घने पेड़ काटने की इतनी जल्दी क्या थी?



नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। हैदराबाद विश्वविद्यालय के पास पेड़ों की अंधाधुंध कटाई मामले में सुप्रीम कोर्ट ने रवत रेड्डी सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम पर्यावरण को हुए नुकसान से चिंतित हैं। ऐसे वीडियो देखकर हमें घोर आश्चर्य हुआ। जानवर आश्रय की तलाश में भाग रहे हैं। सरकार तय करे

अगली सुनवाई तक पेड़ों की कटाई पर रोक लगी

कि उन जंगली जानवरों की सुरक्षा कैसे होगी? सरकार को पेड़ काटने की इतनी जल्दी क्या थी? हैदराबाद विश्वविद्यालय के पास कांचा गचीबावली में पेड़ों की कटाई मामले में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाए। ▶10

दुबई में दो हिंदुओं को पाकिस्तानी ने मार डाला

तेलंगाना के रहने वाले थे मृतक, बेकरी में करते थे काम

दुबई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। कट्टरपंथी पाकिस्तानी ने दुबई की एक बेकरी में अष्टपु प्रेमसागर और श्रीनिवास की धारदार हथियार से हत्या कर दी। प्रेमसागर तेलंगाना के निर्मल जिले के निवासी थे। श्रीनिवास तेलंगाना के निजामाबाद के रहने वाले थे। पाकिस्तानी के हमले में एक भारतीय गंभीर रूप से घायल है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई में एक पाकिस्तानी ने मजहबी नारे लगाते हुए 3 भारतीय हिंदू कामगारों पर हमला कर दिया। उसने तलवार से दो भारतीयों को काट डाला, इस हमले में उनकी मौत हो गई। सागर नामक घायल भारतीय का इलाज चल रहा है। ▶10

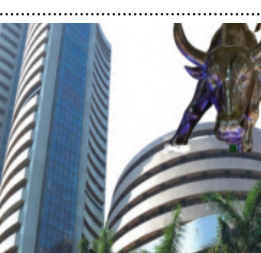
पाकिस्तान ने तालिबान पर दोहरा चरित्र अपनाया अपने ही जाल में फंस गया पाकिस्तान : जयशंकर

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के चारोतर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में संवाद सत्र के दौरान विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान दोहरा खेल खेल रहा था। वह तालिबान के साथ भी खेल रहा था और दूसरे पक्ष के साथ भी। लेकिन, जब अमेरिकी चले गए, तो दोहरा खेल जारी नहीं रह सका। पाकिस्तान ने ही आतंकवाद को बढ़ावा दिया। वही उन्हें वापस आकर नुकसान पहुंचा रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान को घेरा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपने ही धोखे के जाल में फंस गया है। उसने तालिबान और अन्य पक्षों के साथ दोहरा चरित्र अपनाया। गुजरात के चारोतर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में संवाद सत्र के दौरान



विदेश मंत्री ने कहा कि कैसे पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के साथ गलत किया और अपने ही जाल में फंस गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दोहरा खेल खेल रहा था। वह तालिबान के साथ भी खेल रहा था और दूसरे पक्ष के साथ भी। लेकिन, जब अमेरिकी चले गए, तो दोहरा खेल जारी नहीं रह सका। ▶10

शेयर मार्केट



मौसम बेंगलूर

अधिकतम : 35°
न्यूनतम : 22°

घुसपैठियों को भारतीय पासपोर्ट देने वाला सरगना गिरफ्तार

हिंदुओं पर हिंसा करने के लिए तुर्की से आया धन

कोलकाता, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) कानून के विरोध में हिंदुओं पर की गई हिंसा के लिए तुर्की एवं कुछ अन्य देशों से धन मुहैया कराया गया था। इस हिंसा में तीन लोगों की जान गई और सैकड़ों हिंदू घायल हुए। सैकड़ों हिंदू परिवारों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित ठिकाने पर भागना पड़ा। खुफिया एजेंसियों के अनुसार, यह हिंसा कोई अचानक घटना नहीं थी, बल्कि इसकी साजिश तीन महीने पहले से सुनियोजित ढंग से रची गई थी। इसके लिए तुर्की, बांग्लादेश, पाकिस्तान से कट्टरपंथियों को धन मुहैया कराया गया था। हिंसा में बांग्लादेशी और रोहिंग्या

घुसपैठियों का भरपूर इस्तेमाल किया गया। इसी सिलसिले में सुरक्षा एजेंसियों ने उस गिरोह के सरगना को पकड़ा जो घुसपैठियों को भारतीय पासपोर्ट मुहैया कराता था। खुफिया एजेंसियों का कहना है कि पश्चिम बंगाल में फैलाई गई हिंसा के पीछे विदेशी फंडिंग का हाथ है। इस हिंसा के लिए मुख्य रूप से तुर्की से फंडिंग की गई थी, और हमलावरों को लूटपाट के लिए प्रति व्यक्ति 500 रुपए दिए गए थे। जांच एजेंसियों ने पाया कि साजिशकर्ताओं का मकसद पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश जैसी अराजक स्थिति में धकेलना था। हिंसा की योजना पिछले तीन महीनों से तैयार की जा रही



खुफिया एजेंसियों ने किया सनसनीखेज खुलासा

थी। दो महीने पहले आतंकी संगठन से जुड़े दो सदस्य मुर्शिदाबाद पहुंचे थे और स्थानीय लोगों को एक बड़ी दावत की

बात कही थी। जानकारी के अनुसार इस हिंसा के लिए पहले तो रामनवमी को निशाना बनाने की योजना थी, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था के चलते इसे टाल दिया गया। लेकिन वक्फ बिल ने साजिशकर्ताओं को नया ट्रिगर पॉइंट दे दिया। हमलावरों को ट्रेनों को बाधित करने, सरकारी सम्पत्ति को नष्ट करने, हिंदुओं पर हमला करने और उनके घरों को लूटने का लक्ष्य दिया गया। साजिशकर्ताओं ने उन्मादियों को लूटपाट और नुकसान के आधार पर अधिक धन देने का लालच भी दिया था। उन्मादियों ने साजिशकर्ताओं के अनुसार 10 अप्रैल को हिंसा में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस वाहनों में आग

लगा दी, सड़कों को जाम किया और रेलवे सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने तुरंत केंद्रीय सुरक्षा बलों की पांच अतिरिक्त कंपनियां तैनात कीं। पहले से मौजूद 300 बीएसएफ जवानों के साथ मिलकर ये बल अब इलाके में कड़ा पहरा दे रहे हैं। हिंसा के बाद कई परिवार अपने घरों को लौटने लगे हैं, लेकिन डर का माहौल अभी भी बरकरार है। जांच एजेंसियां हिंसा के पीछे की साजिश को और गहराई से खंगाल रही हैं। तुर्की से फंडिंग और हमलावरों की ट्रेनिंग के सबूतों ने इस मामले को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ दिया है। ▶10

कार्टून कॉर्नर





विशेष ट्रेनों के संचालन के लिए जेडआरयूसीसी सदस्य ने मंत्री का जताया आभार

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति (जेडआरयूसीसी) के सदस्य महेन्द्र सिंधी ने केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी सोमन्ना से हुब्बल्ली आगमन पर मुलाकात कर उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों के लिए विशेष ट्रेनों के संचालन के लिए आभार जताया। साथ ही निवेदन किया कि अगर इन ट्रेनों का संचालन नियमित कर दिया जाए तो यात्रियों को यात्रा करने में आसानी होगी। मैसूर से चलकर उदयपुर की ओर प्रति गुरुवार चलने वाली ट्रेन 19668 हमसफर एक्सप्रेस जो की वाया हुब्बल्ली, पुणे, सूरत, वडोदरा, रतलाम होते हुए उदयपुर पहुंचती है। इस मार्ग में जैन धर्म के राष्ट्रीय संत राजेंद्र सूरि महाराज का मोहनखेड़ा तीर्थ



पहुंचने के लिए रेलमार्ग में मेघनगर स्टेशन आता है जो की वडोदरा से 200 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। सिंधी ने मांग रखी की अगर हमसफर एक्सप्रेस को मेघनगर स्टेशन पर 2 मिनट का

ठहराव दिया जाये तो लाखों की संख्या में दर्शनार्थी जाने वाले दर्शनार्थी बंधुओं को मोहनखेड़ा तीर्थ पहुंचने में आसानी होगी। ट्रेन संख्या 16533/16534 बेंगलूरु-जोधपुर एक्सप्रेस का

जवाई बांध और फालना रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव देने हेतु निवेदन किया और कहा कि स्थानीय यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने और कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए

जवाई बांध और फालना में ठहराव की व्यवस्था करें। ट्रेन संख्या 14805/06 बाड़मेर एक्सप्रेस जो की प्रति सोमवार यशवंतपुर से रवाना होकर वाया हुब्बल्ली पुणे के रास्ते भीलडी जालोर होते हुए बाड़मेर पहुंचती है, और वापसी में बाड़मेर से गुरुवार को रवाना होती है, यह साप्ताहिक ट्रेन हमेशा अपनी क्षमता से ज्यादा सवारी लेकर चलती है। अगर इस ट्रेन को साप्ताहिक से बढ़ाकर प्रतिदिन कर दिया जाए तो कर्नाटका से राजस्थान, गुजरात की तरफ आने जाने वाले यात्रियों को इसका फायदा मिलेगा। इसी प्रकार से उन्होंने कई अन्य मार्गों पर ट्रेनों के संचालन को नियमित करने की मांग की।

गजानन कप क्रिकेट का हुआ शुभारंभ



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के पोरवल जैन समाज के युवाओं की आपसी नेटवर्किंग बढ़ाने एवं उनकी खेल प्रतिभा को उचित अवसर देने के उद्देश्य से आयोजित गजानन कप बाक्स क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन क्रूक्स टाउन स्थित रश ऐरेना में हुआ।

श्री पोरवाल जैन संघ बेंगलूरु के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में 12 पुरुष टीम, 8 महिला टीम के साथ 4 किशोर टीम भी भाग ले रही है। लगातार

तीन रविवार को आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रायोजक गजानन ग्रुप ऑफ कंपनीज के अशोक गजानन परिवार ने किया। इस अवसर पर अशोक गजानन ने कहा कि आयोजन के माध्यम से मिलने वाले आपसी जुड़ाव एवं खेल प्रतिभा के निखार जैसे अवसरों का भरपूर लाभ उठाना चाहिये। पोरवाल युवा समिति के निर्देशन में आयोजित इस प्रतियोगिता में रोशन रायल्स, जियानी ब्लेजर्स, गजानन गरुड़ास, कजारी किंग्स,

प्रतिभास टाइटंस, साकरिया सुल्तान्स, नरेश फार्मा किंग्स, केशरी वॉरियर्स, जैन लाइफ स्पेस स्टार्स, राठौड़ ट्रेल ब्लेजर्स, चौहान ग्लेडियेटर्स एवं जियानी सुपर किंग्स हिस्सा ले रही है। प्रतियोगिता के व्यवस्था की जिम्मेदारी युवा समिति के सुनील चौहान, राजेश पोरवाल, हेमंत पोरवाल, प्रमोद पोरवाल, जितेंद्र जैन, दीपन पोरवाल, जयेश पोरवाल, चेतन पोरवाल, जिंगर जैन, हरीश पोरवाल, रितेश पोरवाल इत्यादि को सौंपी गई है।

प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल टी. दासरहल्ली द्वारा प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन साध्वी पुण्यशशाजी के सानिध्य में हुआ। जिसका विषय प्रेक्षाध्यान एवं डिप्रेशन क्या है एवं जीवन पर क्या प्रभाव डालता है था। कार्यक्रम की शुरुआत साध्वी पुण्यशशाजी के मुखारबिंद से नमस्कार महामंत्र से हुई। तत्पश्चात मंडल की बहनों

द्वारा प्रेरणा गीत का संगान हुआ। अध्यक्ष नेहा चावत ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया व विषय का प्रारूप बताया। साध्वी पुण्यशशाजी ने कहा कि डिप्रेशन भावनात्मक बीमारी है। यह एक भयंकर रोग है। व्यक्ति बहुत जल्द इससे ग्रसित होता है। क्रोध जैसा कषाय मूल परिस्थितियों में व्यक्ति को असमर्थ बना देता है। भावन-1ओं के साथ शरीर की बीमारिया भी जुड़ी हुई हैं। इसलिए प्रेक्षाध्यान, योग, ध्यान, अनुप्रेक्षा

सब सहायक बनता हैं। जिससे रसायनों का प्रयोग होता हैं। अभिातममं की वेबसाइट पर आया हुआ जल संरक्षण- एक बूंद एक सागर के पोस्टर का अनावरण भी साध्वी के सानिध्य में किया गया। कुशल संचालन मंत्री नम्रता पितलिया ने किया। आभार ज्ञापन संयोजिका सुनीता भटेवरा ने व्यक्त किया। संस्थापक अध्यक्ष गीत बाबेल, संगठन मंत्री सरोज मारू, संगीता बोथरा की भी उपस्थिति रही।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेएसपीएल द्वारा आयोजित वैभव कप क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में टीम बर्ड आई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। यह फाइनल मुकाबला रविवार को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के आचार्य स्टेडियम में दूधिया रोशनी में बर्ड आई और किंग्समैन के बीच खेला गया।

किंग्समैन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बर्ड आई के सामने 51 रनों का लक्ष्य रखा, जिससे बर्ड आई ने महज 10.1 ओवर में हासिल कर खिताब पर कब्जा जमा लिया।

मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मनोज बाफना को दिया गया। वहीं, टूर्नामेंट के प्रमुख खिलाड़ी प्रतीक जैन रहे। निशांत कोठारी



को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और गौरव सुराना को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज घोषित किया गया। विमलेश भंडारी ने बताया कि जेएसपीएल इस वर्ष पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन करने जा रहा है, जिसमें पूरे कर्नाटक से 12 टीमों भाग लेंगी और इसकी तैयारियां ज़ोरों पर हैं।

टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल बर्ड आई और मरुधर के बीच खेला गया था, जिसमें बर्ड आई ने जीत दर्ज की। दूसरा सेमीफाइनल किंग्समैन और वी आर लायन्स के बीच हुआ, जिसमें किंग्समैन विजयी रहा। टूर्नामेंट के लीग मुकाबले 5 और 6 अप्रैल को लोयला ग्राउंड में

आयोजित किए गए थे। इस टूर्नामेंट के मुख्य प्रायोजक वैभव ग्रुप के पंकज बॉलर थे, जो खिलाड़ियों को लगातार प्रोत्साहित कर रहे थे। ट्रॉफी स्पॉन्सर दादीसा से विजय रहे। समापन समारोह के अवसर पर महावीर भंडारी, पंकज बॉलर के पारिवारिक सदस्य, जेएफसीसी

टीम के प्रवीण सुराना, जीतेश कवाड़, लक्ष्य जैन और जेएसपी-एल कमेटी के भूपेंद्र, सुरेश, प्रकाश जैन, विनीत शाह, प्रीतम जैन एवं नीरज कटारिया उपस्थित रहे। कमेटी मेंबर्स दीपक चंडालिया और ऋषि बाफना ने पूरे आयोजन की विस्तृत जानकारी साझा की।

कलबुर्गी में कल्याण कर्नाटक जॉब फेयर का उद्घाटन रोजगार मेलों के आयोजन के परिणामस्वरूप कर्नाटक में बेरोजगारी दर 2.5 प्रतिशत: सीएम

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि कर्नाटक राज्य में युवा कोष योजना लागू करके तथा युवाओं को कौशल प्रदान करके राज्य में बेरोजगारी को समाप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। वे बुधवार को जिला प्रशासन, जिला पंचायत, नगर निगम, कौशल विकास, उद्यमिता एवं आजीविका विभाग तथा कर्नाटक कौशल विकास निगम के संयुक्त तत्वावधान में कलबुर्गी में आयोजित कल्याण कर्नाटक रोजगार मेले का उद्घाटन करने और चर्चित युवाओं को प्रतीकात्मक रूप से नियुक्ति पत्र वितरित करने पहुंचे थे। कर्नाटक में बेरोजगारी दूर करने के लिए लगातार रोजगार मेलों के आयोजन के परिणामस्वरूप देश में बेरोजगारी दर 18.9 प्रतिशत है, जबकि कर्नाटक में यह 2.5 प्रतिशत है। बाजार आधारित कौशल उपलब्ध



कराकर रोजगार सृजन का सुझाव दिया गया है। पंजीकरण कराने वाले प्रत्येक व्यक्ति को नौकरी मिलेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस संबंध में कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में सरकार उद्यमियों को उद्योग स्थापित करने के लिए अधिक प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही कौशल प्रशिक्षण केंद्र भी खोले जाएंगे।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता डॉ. मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उद्योगों की कमी के कारण कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में बेरोजगारी बढ़ी है। इस क्षेत्र के लोगों को कौशल प्रदान करने के लिए यहां अधिक उद्योग और प्रशिक्षण केंद्र खोले जाने चाहिए। उन्होंने राज्य सरकार को उद्योग स्थापित करने के लिए उद्यमियों को अधिक प्रोत्साहन प्रदान करने की

सलाह दी। उन्होंने कहा कि यहां के विद्यार्थियों के लिए पीयूसी, ग्रेजुएशन या बैचलर डिग्री पास करना ही पर्याप्त नहीं है, उन्हें कौशल प्रशिक्षण भी लेना चाहिए और आत्मनिर्भर बनना चाहिए। राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि आज दुनिया भर में कौशल की बहुत मांग है और युवाओं को कौशल हासिल करने में अधिक रुचि लेनी

चाहिए। अपने जीवन का लक्ष्य सिर्फ नौकरी पाना न रखें, बल्कि नौकरियां पैदा करना रखें। चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. शरणप्रकाश पाटिल ने कहा कि कलबुर्गी जॉब फेयर में करीब 27,000 लोगों ने पंजीकरण कराया है और करीब 280 प्रतिष्ठित कंपनियां रोजगार देने के लिए यहां पहुंची हैं। आज, अधिकांश लोग यहीं कार्यरत हैं। सरकार अगले कुछ वर्षों में उन लोगों को नौकरी उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, जिन्हें रोजगार मेले में काम नहीं मिल पाता। इस अवसर पर विधायक कनीज फातिमा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री प्रियांका खड़गे, शरणबसप्पा दर्शनपुरा, एम.सी. सुधाकर, केकेआरडीबी अध्यक्ष डा. अजयसिंह, सांसद राधाकृष्ण, जिले के सभी निर्वाचित प्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित थे।



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मायुम बेंगलूरु स्टार्स शाखा की नई कार्यकारिणी समिति ने वर्ष 2025-26 में अपने शपथ ग्रहण के अगले दिन अपने कार्यकाल की प्रथम सेवा बेंगलूरु शहर में की।

शाखा ने राष्ट्रीय कार्यक्रम अमृतधारा के तहत एक अस्थायी प्याऊ के.आर रोड स्थित देव इंटीरियर्स के कार्यालय के बाहर स्थापित किया। शहरी क्षेत्र में लगाया गया यह प्याऊ रास्ते से गुजरने वाले सभी यात्री के लिए आने वाले ग्रीष्म काल में लाभकारी सिद्ध होगा। स्टार्स

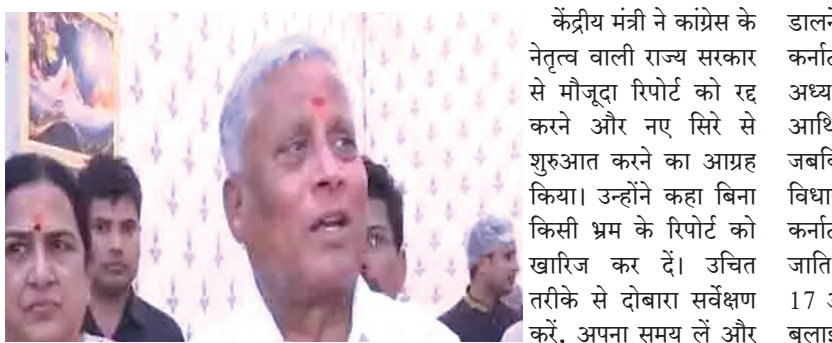
शाखा ने और देव इंटीरियर्स ने मिलकर इस प्याऊ की नियमित निरीक्षण और रखरखाव की जिम्मेदारी ली है। शाखा अध्यक्ष आशीष फिटकरीवाला ने बताया कि अमृतधारा मारवाड़ी युवा मंच का राष्ट्रीय कार्यक्रम के साथ ही अत्यंत उत्तम जनसेवा का रूप है। जिससे लाभों लोग इस जल सेवा का हाथ उठा पाएंगे। देव इंटीरियर्स के अरविन्द सारस्वत ने स्टार्स शाखा का आभार व्यक्त करते हुए कहा जल सेवा समाज सेवा का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह उनके लिए गर्व की बात है की वह भी अखिल

भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के इस अभियान में योगदान दे पाएं। उन्होंने आगे भी इस तरह के परियोजना में स्टार्स शाखा के साथ सेवा देने की बात कही। इस मुहिम में शाखा सदस्य विकास चौधरी का योगदान रहा। प्याऊ का उद्घाटन शाखा अध्यक्ष, सचिव अजय अग्रवाल, कोषाध्यक्ष निपुण सुंदरका सहित कार्यकारिणी सदस्य पुनीत कंदोई, कुणाल जालान सहित देव इंटीरियर्स के अरविन्द सारस्वत, उनके परिवार एवं श्री कृष्ण कृपा परिवार के सदस्यों के करकमलों द्वारा किया गया।

केंद्रीय मंत्री सोमन्ना ने की कर्नाटक जाति जनगणना रिपोर्ट की आलोचना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सरकार की जाति जनगणना रिपोर्ट पर कड़ा विरोध जताया है। तुमकुरु में पत्रकारों से बात करते हुए सोमन्ना ने कहा, मैं जो कुछ भी कहना चाहता था, वह पहले ही कह चुका हूं। मौजूदा रिपोर्ट दस साल से भी ज्यादा पुरानी है। राज्य में रिपोर्ट जारी करके खलनायक मत बनो। डेढ़ साल का समय दो, एक और सर्वेक्षण कराओ, फिर आपको देवराज उर्स की तरह याद किया जाएगा। सोमन्ना ने आगे सवाल किया, दस साल बीत गए। रिपोर्ट का क्या हुआ? क्या कांताराजू उस



पर हस्ताक्षर किए बिना भाग गए? हमने जयप्रकाश हेगड़े को लाया, और वह भी बदमाश बन गए। हर कोई स्वार्थ से काम कर रहा था।

केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार से मौजूदा रिपोर्ट को रद्द करने और नए सिरे से शुरुआत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा बिना किसी भ्रम के रिपोर्ट को खारिज कर दें। उचित तरीके से दोबारा सर्वेक्षण करें, अपना समय लें और अपने समय पर घोषणा करें और इसका श्रेय लें। लेकिन एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति पर दोष न मढ़ें। भ्रम के बीच अभी रिपोर्ट जारी करना मधुमक्खी के छत्ते में हाथ

डालने जैसा है। कुछ नहीं होगा। कांताराजू कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष हैं, जिन्होंने 2015 के सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण का नेतृत्व किया था, जबकि जयप्रकाश हेगड़े कर्नाटक विधानसभा के पूर्व सदस्य हैं। सोमवार को कर्नाटक के सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि जाति जनगणना रिपोर्ट पर चर्चा के लिए 17 अप्रैल को एक विशेष कैबिनेट बैठक बुलाई गई है। सिद्धरामैया ने मीडियाकर्मियों से यह भी कहा कि उनकी सरकार बाबासाहेब अंबेडकर जैसा समाज बनाना चाहते थे, उसे बनाने के लिए कड़ी मेहनत करेगी।



बेलगावी में बुधवार को पीने के पानी की पाइप बिछाने के लिए नहर खोदते समय मिट्टी धंसने से दो मजदूरों की मौत हो गई। मृतक गोकक के रहने वाले हैं। पटनागौड़ी गांव के 38 वर्षीय बसवराज सरो और 20 वर्षीय मारुति सरो की मिट्टी की परतों में दबने से मौत हो गई। पुलिस, दमकल और आपातकालीन कर्मियों ने दो शवों को बाहर निकाला। उनके शवों को बेलगावी आयुर्विज्ञान संस्थान भेज दिया गया है। एक मजदूर मिट्टी के धंसने से बच गया। उसे बचाने के प्रयास जारी हैं। मजदूर गांधी नगर में राष्ट्रीय राजमार्ग के पास नहर खोद रहे थे। यह काम शहर में चौबीसों घंटे जलापूर्ति योजना के लिए जलमेदार एक निजी एजेंसी द्वारा कराया गया था। मामले का पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने घटनास्थल पर दौरा किया।



सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध: मुख्यमंत्री

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को कलबुर्गी हवाई अड्डे पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमारी सरकार नौकरी मेला आयोजित कर युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस उद्देश्य के लिए कलबुर्गी में संभाग स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया तथा मैसूरु, हुब्लि और धारवाड़ में भी रोजगार मेले आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा कोष योजना को लागू करने का उद्देश्य ही बेरोजगारी की समस्या को खत्म करना है। सीएम ने मीडिया के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि सामाजिक-आर्थिक



सर्वेक्षण पर चर्चा के लिए गुरुवार को एक अलग कैबिनेट बैठक बुलाई गई है। विधायकों ने अपनी राय व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि

अंतिम निर्णय गुरुवार को लिया जाएगा। यह एक सामाजिक और

आर्थिक सर्वेक्षण है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हम किसी भी समुदाय के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। दावणगेरे में एक महिला के खिलाफ मारपीट के मामले के संबंध में मुख्यमंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि जो भी गलती करेगा, कानून का उल्लंघन करेगा, चाहे वह कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, हम उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, मंत्री प्रियांक खड्गे, डॉ. शरणप्रकाश पाटिल, शरणबसप्पा दर्शनपुरा, लोकसभा सदस्य राधाकृष्ण, विधायक अल्लमप्रभु पाटिल, विधान परिषद विधायक तिप्पणप्पा कमकनूर और अन्य उपस्थित थे।

कोगिलु क्रॉस के पास नम्मा मेट्रो गर्डर से ऑटो चालक की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु में एयरपोर्ट तक नम्मा मेट्रो लाइन के निर्माण के दौरान सोमवार रात एक दुर्घटना में 35 वर्षीय ऑटोरिक्षा चालक की मौत हो गई।



यह घटना तब हुई जब कोगिलु क्रॉस के पास एक बड़ा खंभा - एक पुल संरचना का हिस्सा - एक ट्रक से गिर गया और ऑटोरिक्षा को कुचल दिया। पीड़ित की पहचान कासिम साब के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना आधी रात के आसपास हुई जब वडियारपुरा कास्टिंग यार्ड से निर्माण सामग्री ले जा रहा एक 18-पहिया ट्रक वेलहंका में कोगिलु जंक्शन के पास मुड़ते समय संतुलन खो बैठा। ट्रक में एक गर्डर था, जो फिसल कर कासिम के चलते ऑटोरिक्षा पर गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बेंगलूरु मेट्रो

रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने मंगलवार को एक बयान जारी कर घटना की पुष्टि की। बयान में कहा गया है बीएमआरसीएल को एक घातक दुर्घटना की रिपोर्ट करते हुए खेद है, जिसमें एक ऑटो चालक की जान चली गई, जो कल रात लगभग 12 बजे एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मारा गया। बयान में आगे बताया गया है कि गर्डर से लदे ट्रक को एक वाहन से बचने के लिए अचानक ब्रेक लगाना पड़ा, जो अप्रत्याशित रूप से उसके रास्ते में आ गया था।

इससे गर्डर ऑटोरिक्षा पर गिर गया। बयान के अनुसार आप-तकालीन सेवाओं को तुरंत कार्रवाई के लिए भेजा गया, और क्रेन का उपयोग करके चालक के शव को निकाला गया। हालांकि, चिकित्सा कर्मियों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बीएमआर-सीएल ने आश्वासन दिया है कि मृतक के परिवार को प्रोटोकॉल के अनुसार मुआवजा दिया जाएगा। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के सही कारण का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों का अनिवार्य रूप से किया जा रहा पालन: शशिकुमार

हुब्लि/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर पुलिस आयुक्त एन. शशिकुमार ने बताया कि चार दिन पहले एक नाबालिग लड़की के अपहरण, बलात्कार के प्रयास और हत्या के मामले में मारे गए आरोपी का पोस्टमार्टम किया गया है।



शहर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने गई तो उसने भागने की कोशिश की। जिसके बाद उसे गोली मार दी गई और अस्पताल में उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि ऐसे मामलों में क्या कार्रवाई की जानी चाहिए और यह उसी के अनुसार किया गया है। उन्होंने कहा कि आरोपी

की जानकारी का सत्यापन किया जा रहा है तथा उसके निवास स्थान तथा उसके द्वारा यात्रा किये गये सभी स्थानों से जानकारी एकत्र की जा रही है। हम पोस्टमार्टम के बाद उसके रिश्तेदारों को ढूँढने का प्रयास करेंगे। आरोपियों का विवरण सभी भाषाओं में अलग-अलग स्थानों पर भेज दिया गया है। जानकारी

मिली है कि वह पटना का रहने वाला है। उन्होंने कहा कि यदि उसके रिश्तेदार नहीं मिले तो उसका अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा।

सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों का बिना चूक के पालन किया जा रहा है। शव को कुछ दिनों तक शीतगृह में रखा जाता है जब तक कि उसके परिवार वाले नहीं आ जाते। हालांकि, अगर उसके रिश्तेदार नहीं आते हैं, तो हम कानूनी विशेषज्ञों से सलाह लेने के बाद दफन प्रक्रिया जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि जनहित से संबंधित कोई और जानकारी उपलब्ध नहीं है, लेकिन हम किसी भी सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हैं।

पुलिस ने मालपे मस्जिद के शौचालय में मृत मिले नवजात शिशु की मां की पहचान की

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। मालपे जंक्शन के पास एक मस्जिद के शौचालय में मृत पाए गए नवजात शिशु के मामले में एक बड़ी घटना में, उडुपी पुलिस ने बच्चे की मां का सफलतापूर्वक पता लगा लिया है। उडुपी के पुलिस अधीक्षक डॉ. अरुण के ने बुधवार को मामले पर विस्तृत जानकारी दी। एसपी ने कहा हमें एक मस्जिद के परिसर में नवजात शिशु के शव की खोज के बारे में शिकायत मिली थी। शिकायत के आधार पर, एक जांच शुरू की गई, और यह पाया गया कि बच्चा स्थानीय निवासी अफरीना का था, जो कानूनी रूप से वयस्क है। एसपी के अनुसार, अफरीना ने एक स्व-घोषणा दी है, जिसमें उसने कहा है कि उसने बिना किसी कानूनी प्रक्रिया से गुजरे अपने 7-8 महीने के गर्भ को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने का प्रयास किया। प्रक्रिया के दौरान, उसे अचानक पेट में तेज दर्द हुआ और उसने बच्चे को मस्जिद के शौचालय में छोड़ दिया। वह वर्तमान में एक अस्पताल में इलाज करा रही है, और उसके डिस्चार्ज होने के बाद आगे की जांच फिर से शुरू होगी। पुलिस ने सोशल मीडिया पर गलत सूचना के प्रसार पर भी चिंता जताई है। एसपी ने चेतावनी देते हुए कहा इस मामले को लेकर कई लोग फर्जी संदेश फैला रहे हैं। मैं लोगों से अपील करता हूँ कि वे कोई भी असत्यापित या झूठी सामग्री साझा न करें। सोशल मीडिया पर फर्जी संदेश फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बस पलटने से एक व्यक्ति की मौत, 20 से अधिक घायल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केरल के कोड्डायम में एरुमेली के पास बुधवार को एक निजी बस पलट गई, जिसमें 45 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई और 20 से अधिक अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि बस कर्नाटक से तीर्थयात्रियों को सबरीमाला के अयप्पा मंदिर ले जा रही थी और दुर्घटना सुबह करीब 6.30 बजे हुई। एरुमेली पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि जिस राजमार्ग पर

दुर्घटना हुई, उसमें तीखे मोड़ और ढलान है और इस पर चलते समय बस अनियंत्रित हो गई और सड़क के किनारे पलट गई। अधिकारी ने बताया गंभीर रूप से घायल हुए पांच लोगों को कोड्डायम मेडिकल कॉलेज ले जाया गया और मामूली कट और खरोंच वाले करीब 18 अन्य लोगों को नजदीकी अस्पतालों में प्राथमिक उपचार दिया गया। उन्होंने बताया कि बस में सात बच्चों सहित करीब 32 तीर्थयात्री सवार थे।

कंटेनर ट्रक ने ऑटो-रिक्षा को टक्कर मारी, यात्री घायल



उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। ब्रह्मवार में महेश अस्पताल जंक्शन के पास चिन्हित ब्लैक स्पोर्ट पर दुर्घटनाओं का सिलसिला जारी है और बुधवार को एक और घटना की सूचना मिली। ताजा दुर्घटना में, एसएमएस कॉलेज की दिशा से आ रहा एक ऑटो-रिक्षा, जो यू-टर्न लेने के लिए सड़क के डिवाइडर पर इंतजार कर रहा था, को कुंदापुर से आ रहे एक कंटेनर ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर का प्रभाव बहुत गंभीर था, जिससे ऑटो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, ऑटो में सवार यात्रियों को चोटें आईं और उन्हें तुरंत इलाज के लिए पास के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। यह जंक्शन एक दुर्घटना-प्रवण क्षेत्र रहा है, जिससे सड़क सुरक्षा और निवारक उपायों की तत्काल आवश्यकता के बारे में नई चिंताएं पैदा हुई हैं। अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे स्थान की समीक्षा करें और आगे की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक हस्तक्षेपों पर विचार करें।

गर्डर लॉन्चिंग का काम जारी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। सात साल से धीमी गति से चल रही इंद्राली रेलवे ओवरब्रिज परियोजना अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। महत्वपूर्ण गर्डर स्थापना प्रक्रिया के तहत स्टील गर्डरों की लॉन्चिंग मंगलवार से शुरू हुई। बुधवार को सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने चल रहे काम का निरीक्षण करने के लिए साइट का दौरा किया। मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा मैंने गर्डर स्थापना कार्य का निरीक्षण किया है, जो अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है। गर्डरों को क्रिब पर रखा गया है। हमें उम्मीद है कि आरडीएसओ (रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गनाइजेशन) की टीम एक सप्ताह के भीतर साइट का निरीक्षण करेगी। हमें उम्मीद है कि इस महीने के अंत तक गर्डर स्थापना और संबंधित कार्य पूरे हो जाएंगे। रेलवे इंजीनियरिंग का काम पूरा होने के बाद, केवल



सिविल कार्य ही बचेगा। हम इस परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गर्डर लॉन्चिंग के पहले दिन, लगभग 12 मीटर कवर किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, गर्डर का सिर्फ एक मीटर हिलाने में लगभग 20 मिनट लगते हैं। बुधवार को टीम ने गर्डरों को रेलवे ट्रैक तक पहुंचाने के लिए 10 मीटर और आगे बढ़ने की योजना बनाई। चूंकि गर्डर रेलवे लाइन के ऊपर

से गुजरेंगे, इसलिए रेलवे अधिकारियों के साथ समन्वय आवश्यक है। आगे बढ़ने से पहले, रेलवे अधिकारी साइट का निरीक्षण करेंगे और यातायात प्रबंधन के बारे में निर्देश देंगे। आधुनिक उपकरणों और सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करते हुए गर्डरों को अत्यंत सावधानी से आगे बढ़ाया जा रहा है। हर बार, केवल 1 से 2 मीटर गर्डर को आगे बढ़ाया जाता है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गर्डर को लोहे की पट्टी पर खिसकाने के लिए हाइड्रोलिक जैक, रोलर्स और अन्य विशेष उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। चूंकि प्रत्येक स्टील गर्डर का वजन लगभग 450 टन होता है, इसलिए इसे क्रेन का उपयोग करके अचानक उठाना या खींचना संभव नहीं है। इसलिए, प्रत्येक दिन केवल कुछ मीटर ही आगे बढ़ाया जा सकता है। प्रत्येक

शिफ्ट के बाद, सुरक्षा जाँच की जाती है। जोड़ने की प्रक्रिया तकनीकी रूप से जटिल है। एक इंजीनियर ने बताया कि पूरा होने के बाद, पुल के ऊपरी हिस्से पर कंक्रीट का काम शुरू होगा। मीडिया से बात करते हुए कोटा के सांसद श्रीनिवास पुजारी ने दो-हराया मैंने गर्डर लगाने के काम का निरीक्षण किया है, जो पहले ही शुरू हो चुका है। गर्डरों को क्रिब पर रखा गया है। हमें उम्मीद है कि आरडीएसओ की टीम एक सप्ताह के भीतर निरीक्षण करने आएगी। उम्मीद है कि गर्डर लगाने और उससे जुड़े काम इस महीने तक पूरे हो जाएंगे। रेलवे इंजीनियरिंग का काम जल्द ही पूरा हो जाएगा, जिसके बाद केवल सिविल काम बाकी रह जाएगा। हम इस परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त उपायुक्त आबिद गडवाल, रेलवे विभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी, उडुपी नगर पार्षद गिरिश अंचन और अन्य लोग भी मौजूद थे।

किसानों ने अधिकारियों से चामराजनगर में भूमि पर

प्रमोदा देवी वाडियार के दावे को खारिज करने का किया आग्रह

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक प्रांत रायथा संघ (केपीआरएस) की मैसूरु जिला इकाई ने अधिकारियों से मैसूरु के पूर्व राजपरिवार की प्रमोदा देवी वाडियार द्वारा कर्नाटक के चामराजनगर जिले में सिद्ध्यनपुरा गांव सहित अनुमानित 5,000 एकड़ भूमि का खाता उनके नाम पर स्थानांतरित करने के लिए प्रस्तुत याचिका को खारिज करने का आग्रह किया है। यहां जारी एक बयान में केपीआरएस ने कर्नाटक सरकार से इस मामले में किसानों के हितों की रक्षा करने



का आग्रह किया। संघ के मैसूरु जिला अध्यक्ष चिक्कनने गौड़ा और महासचिव जगदीश सूर्या ने बताया कि ये कृषि भूमि किसानों के पास विरासत में मिलने से पहले लंबे समय से थी। केपीआरएस ने चामराजनगर के

डिप्टी कमिश्नर और मैसूरु के क्षेत्रीय कमिश्नर से वाडियार के दावे को खारिज करने का आग्रह किया, जो 'किसानों' द्वारा कृषि भूमि पर शालिपूर्ण कब्जे और भूमि सुधार अधिनियम के खिलाफ है। संघ ने अधिकारियों से आग्रह

किया है कि वे संबंधित किसानों को खेती और स्वामित्व के अधिकार तुरंत हस्तांतरित करें, और किसी भी नागरिक विवाद में उनके अधिकारों की रक्षा के लिए तैयार रहें। चामराजनगर में अनुमानित 5,000 एकड़ भूमि पर पूर्ववर्ती राजपरिवार के दावे को पेश करते हुए वाडियार ने चामराजनगर की डिप्टी कमिश्नर शिल्पा नाग और अन्य अधिकारियों को खाता हस्तांतरित करने के लिए पत्र लिखा था, जिससे चामराजनगर तालुक के सिद्ध्यनपुरा के निवासियों में चिंता

पैदा हो गई। वाडियार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया, जहां उन्होंने सिद्ध्यनपुरा गांव के निवासियों को आश्वासन दिया कि भूमि पर उनके दावे को लेकर उन्हें चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। वाडियार ने कहा कि यद्यपि ये भूमि मैसूरु के तत्कालीन शाही परिवार की संपत्ति का हिस्सा है, जो 1951 में मैसूरु के तत्कालीन महाराजा और भारत सरकार के बीच हुए समझौते का हिस्सा है। उनका परिवार ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगा, जिससे गांव के निवासियों को परेशानी हो।

कुमारस्वामी ने सीएम सिद्धरामैया को दी सीधे चुनौती, 2ए लाभ वितरण पर उठाए सवाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जाति जनगणना रिपोर्ट को लेकर राज्य भर में गुस्सा बढ़ता जा रहा है, वहीं केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने 2ए श्रेणी के तहत लाभ वितरण के मुद्दे पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को सीधी चुनौती दी है। इस मुद्दे पर जारी एक मीडिया बयान में उन्होंने पूछा कि सबसे पिछड़े 2ए श्रेणी के तहत लाभ का बड़ा हिस्सा किसने खा लिया। सिद्धरामैया पर निशाना साधते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि उन्होंने जाति जनगणना का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए किया है और मांग की कि वह सच बोलें। उन्होंने सवाल किया सबसे पिछड़े 2ए श्रेणी के तहत भोजन का बड़ा हिस्सा किसने खाया है? डेटा उनकी उंगलियों पर



है। आप झूठ बोलकर बच नहीं सकते, है न? उन्होंने आगे कहा आप भी यह जानते हैं। 2ए श्रेणी में 101 जातियाँ हैं, और 15 प्रतिशत आरक्षण हिस्सा है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा किसने लिया है? और इस विनियोग में आपकी क्या भूमिका थी? कुमारस्वामी ने बताया कि ग्रुप ए, बी, सी,

इंजीनियरिंग, डी.फार्मा, बी.फार्मा, कृषि आदि जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का जिक्र करते हुए उन्होंने यह मुद्दा उठाया कि 2ए के तहत 101 जातियों में से प्रत्येक के कितने बच्चों ने प्रवेश प्राप्त किया है। इन सीटों और लाभों का सबसे बड़ा हिस्सा किसने प्राप्त किया? उन्होंने कहा कि

मल्लेश्वरम (सीईटी कार्यालय) में 18वें क्रॉस पर व्यापक डेटा उपलब्ध है, और सुझाव दिया कि इसकी समीक्षा की जा सकती है। वोक्कालिगा और वीरशैव लिंगायत पर उंगली उठाकर वे अपनी रोटी सेंकने की कोशिश कर रहे हैं। आप अच्छी तरह जानते हैं कि आपके हक का सबसे बड़ा हिस्सा किसने हड़प लिया है। फिर भी आप चुप हैं- क्यों? क्या आपके सामने लिंगायत और वोक्कालिगा को कोसने से आपका पेट भर जाएगा? क्या आपके बच्चों को न्याय मिलेगा? उन्होंने यह पूछकर निष्कर्ष निकाला, सबसे पिछड़े 2ए श्रेणी के तहत सबसे ज्यादा भोजन किसने खाया है? अभी भी सच बोलिए। मैं आपकी प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा हूँ।

ईडी ने जब्त की सहारा की 1400 करोड़ की सम्पत्ति

खूबसूरत एंबी वैली सिटी भी जब्त हुई

मुंबई/कोलकाता, 16 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कोलकाता और मुंबई शाखा ने सहारा समूह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने महाराष्ट्र के लोनावला में मौजूद एंबी वैली की 707 एकड़ जमीन जब्त कर ली है, जिसकी अनुमानित कीमत 1460 करोड़ बताई जा रही है। यह कार्रवाई सहारा समूह के निवेशकों को उनकी धनराशि वापस करने में विफल रहने के चलते की गई है।

ईडी की छानबीन में पता चला है कि सहारा ग्रुप ने लोगों को पैसे इन्वेस्ट करने के लिए मजबूर किया था, इस काम में लोगों की



सहमति नहीं ली गई थी। जब लोगों ने अपनी जमा पूंजी मांगी, तो पैसे वापस नहीं किए गए। सहारा समूह पॉजी स्कीम चला रहा था, इसमें सहारा हाउसिंग इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, सहारा इंडिया कर्माशियल कार्प-रेशन लिमिटेड, सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, सहारा समूह, सहारायन यूनिवर्सल मल्टीपर्पज कोऑपरेटिव सोसाइटी

आदि कम्पनियां शामिल थीं।

ईडी का कहना है कि सहारा ग्रुप ने पैसा वापस तो नहीं किया बल्कि जमाकर्ताओं की अपना पैसा फिर से जमा करने के लिए मजबूर किया और एक योजना से दूसरी योजना में लगाया। खातों की कॉपी को छुपाने में हेराफेरी भी की। कई ऐसे ऑफर देकर निवेश का नाम देकर लोगों के पैसे की ठगी की। सहारा समूह

ने 2007-2008 में ऑप्शनली फुली कन्वर्टिबल डिबेंचर्स (ओएफसीडी) के माध्यम से लगभग 3 करोड़ निवेशकों से 17400 करोड़ की राशि जुटाई थी। हालांकि, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) ने इन योजनाओं को अवैध घोषित किया और निवेशकों को पैसा वापस करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 2012 में सहारा को 24000 करोड़ निवेशकों को लौटाने का निर्देश दिया था, जिसमें से अब तक केवल 11000 करोड़ ही वापस किए गए हैं।

बिहार में मामला दर्ज हुआ था। ईडी की जांच चार एफआईआर के आधार पर हुई थी, जिसमें ओडीशा, बिहार और राजस्थान की पुलिस ने सहारा इंडिया क्रेडिट

कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड और अन्य के खिलाफ दर्ज की थी। 500 से ज्यादा मामले इस केस में दर्ज किए जा चुके हैं, जिसमें 300 से ज्यादा मामले मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सहारा समूह को निवेशकों की बकाया राशि चुकाने के लिए एंबी वैली की सम्पत्तियों को अटैच करने का आदेश दिया था। बॉम्बे हाईकोर्ट के ऑफिशियल लिक्विडेटर ने एंबी वैली की नीलामी प्रक्रिया शुरू की, जिसका रिजर्व प्राइस 37392 करोड़ रुपए निर्धारित किया गया। ईडी को पता चला है कि ये भूखंड बेनामी नामों से खरीदने के लिए सहारा समूह की कंपनियों से पैसे निकाले गए थे। यह फैसला निवेशकों को उनकी धनराशि वापस दिलाने के प्रयासों का हिस्सा है।

कांग्रेस परिवार के बीआर गवई होंगे अगले मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के लिए न्यायमूर्ति भूषण आर गवई के नाम की सिफारिश की गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने यह सिफारिश विधि मंत्रालय को भेज दी है। प्रस्ताव वर्तमान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की ओर से भेजा गया है। वे 13 मई को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। परंपरा के अनुसार, वर्तमान सीजेआई अपने उत्तराधिकारी के रूप में सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश की सिफारिश करते हैं। जस्टिस गवई कांग्रेस समर्थक परिवार से आते हैं। उनके पिता कांग्रेस के सांसद और राज्यपाल रह चुके हैं।

जस्टिस गवई वरिष्ठता के क्रम में सबसे आगे हैं, जिसके चलते उनके नाम की सिफारिश की गई है। गौरतलब है कि इससे पहले कानून मंत्रालय ने सीजेआई जस्टिस खन्ना से उनके उत्तराधिकारी का नाम देने की आधिकारिक अपील की थी।



जस्टिस गवई के नाम पर अगर मुहर लगती है तो वे देश के 52वें मुख्य न्यायाधीश होंगे। वे 14 मई को सीजेआई पद की शपथ ले सकते हैं। जस्टिस गवई का कार्यकाल हालांकि छह महीने का ही होगा क्योंकि वे नवंबर 2025 में रिटायर हो रहे हैं। जस्टिस गवई को 24 मई 2019 में सुप्रीम कोर्ट में जज नियुक्त किया गया

जस्टिस गवई का जन्म 24 नवंबर 1960 को महाराष्ट्र के अमरावती में हुआ था। जस्टिस गवई के पिता दिवंगत आरएस गवई भी एक मशहूर सामाजिक कार्यकर्ता और बिहार और केरल के पूर्व राज्यपाल रहे। जस्टिस

गवई ने अपने वकालत करियर की शुरुआत साल 2003 में बॉम्बे उच्च न्यायालय में बतौर एडिशनल जज की थी। इसके बाद साल 2005 में वे स्थायी जज नियुक्त हुए। जस्टिस गवई ने 15 वर्षों तक मुंबई, नागपुर, औरंगाबाद और पणजी की पीठ में अपनी सेवाएं दीं। जस्टिस गवई के नाम पर अगर मुहर लगती है तो वे देश के दूसरे अनुसूचित जाति से संबंध रखने वाले मुख्य न्यायाधीश होंगे। उनसे पहले जस्टिस केजी बालाकृष्णन साल 2010 में यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। जस्टिस बीआर गवई साल 2016 में नोटबंदी को लेकर दिए गए फैसले का हिस्सा रहे। जिसमें कहा गया था कि सरकार को करंसी को अवैध घोषित करने का अधिकार है। इसके अलावा जस्टिस गवई बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ दिए आदेश का भी हिस्सा रहे और इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर फैसला देने वाली पीठ का भी हिस्सा रहे।

विषाक्त पदार्थों के खिलाफ मधुमक्खियों को बनाया हथियार

जम्मू, 16 अप्रैल (व्यूरो)।

दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले का एक व्यक्ति मीठी और संघारणीय क्रांति के साथ लहर्ते पैदा कर रहा है। कुलगाम के सोनीगाम गांव के एक उच्च योग्यता प्राप्त युवा शब्बीर अहमद इट्ट मधुमक्खी पालन की दुनिया में ख्याति पा रहे हैं। शब्बीर अपने बागीचे में प्राकृतिक प्लांट ग्रोथ रेगुलेटर के रूप में मधुमक्खियों का उपयोग करते हैं, जिससे हानिकारक रासायनिक परागण की आवश्यकता पूरी तरह से समाप्त हो जाती है। उनके तरीके न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं, बल्कि जीवन रक्षक भी हैं।

मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित, शब्बीर साथी उसाही लोगों को उच्च गुणवत्ता वाले मधुमक्खी बक्से, उपकरण और विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।



वह पूरे साल शहद निकालते हैं और चार अन्य लोगों के लिए रोज-गार के अवसर पैदा किए हैं, जो अब उनके साथ काम करते हैं। उन्होंने परागण के उद्देश्य से अन्य बागवानों को मधुमक्खी कालोनियों को बेचना भी शुरू कर दिया है। शब्बीर ने मधुमक्खियों के झुंडों को सुरक्षित रूप से पकड़ने और स्थानांतरित करने के लिए एक विशेष झुंड-पकड़ने की तकनीक विकसित की है। ज्ञान, कौशल और सही उपकरणों के संयोजन का उपयोग करते हुए, वह झुंड की रानी

को ढूंढता है और उसे बक्से में बंद कर देता है, जिससे बाकी मधुमक्खियां तैयार किए गए छत्ते में उसका अनुसरण करने के लिए प्रोत्साहित होती हैं। यह मानवीय तरीका मधुमक्खियों और समुदाय दोनों की भलाई सुनिश्चित करता है और स्वस्थ परागण और शहद उत्पादन को बढ़ावा देता है। वह बिना किसी सुरक्षात्मक गियर का उपयोग किए, अपने नंगे हाथों से पेड़ों से मधुमक्खियों के झुंडों को हटाने की अपनी अनूठी क्षमता के लिए भी जाने जाते हैं। उच्च गुणवत्ता वाले शहद की बिक्री से, वह अच्छी आय अर्जित करते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग की एचएडीपी योजना ने भी उनके व्यवसाय को बढ़ाने में मदद की, जिससे उन्हें सब्सिडी के तहत एक इकाई प्रदान की गई।

जम्मू, 16 अप्रैल (व्यूरो)।

मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक कश्मीर में मौसम ठंडा रहने की भविष्यवाणी की है पर ट्यूलिप गार्डन की देखभाल करने वालों के चेहरों पर बढ़ती गर्मी का तनाव दिख रहा है। अप्रैल में श्रीनगर में 32 डिग्री का तापमान नया रिकार्ड बनाने लगा है और यह ट्यूलिप के फूलों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है।

श्रीनगर में इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन में इस वसंत में पर्यटकों की अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है। 26 मार्च 2025 को खुलने के बाद से केवल 20 दिनों में रिकार्ड तोड़ 6,71,926 पर्यटकों का स्वागत किया गया। यह उल्लेखनीय संख्या उद्यान के इतिहास में अब तक की सबसे अधिक संख्या है, जिसने इसे भारत के सबसे अधिक मांग वाले वसंत आकर्षणों में से एक



के रूप में स्थापित किया है। जबरबान रेंज की तलहटी में स्थित और शांत डल झील के सामने स्थित, यह उद्यान वर्तमान में पूरी तरह से खिले हुए। 1.7 मिलियन ट्यूलिप का घर है, जो परिदृश्य को लाल, पीले, गुलाबी, बैंगनी और सफेद रंग के जीवंत मोज़ेक में बदल देता है। चल रहे ट्यूलिप शो द्वारा प्राप्त विवरणों के अनुसार, इस वर्ष 27,810 स्थानीय, 3,91,918 घरेलू पर्यटक और 2,198 अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों सहित एक उदार भीड़ को आकर्षित किया है।

पिछले वर्षों की तुलना में पर्यटकों की संख्या में यह वृद्धि ऐतिहासिक है। 2022 और 2023 दोनों में, उद्यान में 3.65 लाख पर्यटक आए, और 2024 में यह संख्या बढ़कर 4.45 लाख हो गई। हालांकि, इस साल का आंकड़ा पहले ही 6.71 लाख से अधिक हो चुका है, और सीजन के कई दिन अभी भी बाकी हैं, इसलिए अंतिम संख्या और भी अधिक होने की उम्मीद है। जम्मू और कश्मीर पर्यटन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रिकार्ड भीड़ को क्षेत्र के पर्यटन क्षेत्र के

लिए एक बड़ी सफलता बताया। उन्होंने कहा कि ट्यूलिप का खिलना देश में वसंत ऋतु के प्रमुख आकर्षणों में से एक बन गया है। यह रिकार्ड तोड़ प्रतिक्रिया कश्मीर में एक सुरक्षित और सुंदर गंतव्य के रूप में पर्यटकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाती है।

आने वाले पर्यटक उद्यान की सुंदरता की प्रशंसा में भावविभोर हैं। गुजरात के एक पर्यटक संदीप ने कहा, यह कश्मीर की मेरी पहली यात्रा है, और मैं बस मंत्रमुग्ध हूं। मैंने अपने जीवन में फूलों का ऐसा रंगीन प्रदर्शन कभी नहीं देखा। यह अनुभव शब्दों से परे है। यूनाइटेड किंगडम के एक यात्री ने कहा कि ट्यूलिप गार्डन की प्राकृतिक सुंदरता, कश्मीर के गर्मजोशी भरे आतिथ्य के साथ मिलकर इसे किसी भी यात्री के लिए एक जरूरी जगह बनाती है।

रिकार्ड पर्यटकों की उपस्थिति ने स्थानीय समुदाय में आर्थिक उत्साह भर दिया है। गार्डन के बाहर आइसक्रीम की दुकान चलाने वाले इलियास अहद ने कहा कि व्यापार में तेजी आ रही है। यह वर्षा में सबसे अच्छा मौसम रहा है। कुछ दिनों में, मैंने शाम से पहले ही अपना सारा स्टॉक बेच दिया। भीड़ ने हम सभी को एक नई उम्मीद दी है। यह बात जरूर थी कि बढ़ती गर्मी उसे भी चिंता जरूर दे रही थी।

जैसे-जैसे ट्यूलिप का मौसम जारी है, हवा में आशावाद है, न केवल पर्यटकों के बीच जो फूलों को देखकर मस्त हैं, बल्कि स्थानीय व्यापारियों और अधिकारियों के बीच भी जो इसे कश्मीर की एक शांतिपूर्ण और मनोरम पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ती लोकप्रियता के संकेत के रूप में देखते हैं।

टीएमसी के लिए मुश्किलें खड़ी करेगा सत्ता पोषित दंगा

रही सही कसर पूरी करेगा शिक्षक भर्ती घोटाला

कोलकाता, 16 अप्रैल (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में झटकों और मोड़ों की कोई कमी नहीं रहती है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अपनी करतूतों की वजह से इन्हीं झटकों और खतरनाक मोड़ों से गुजरने वाली है। टीएमसी का मुस्लिम ध्रुवीकरण का खेल, प्रायोजित दंगा-फसाद, उच्चस्तरीय भ्रष्टाचार और चुनावी हिंसा में टीएमसी की हिस्सेदारी उसे क्रमशः आम नागरिकों के मन से दूर करती जा रही है। बंगाल की धरती का इतिहास रहा है कि जब किसी चीज की अति होने लगती है तो बंगाल के लोग आमूल-चूल परिवर्तन कर देते हैं। पूरी सत्ता बदल देते हैं और एक नए दौर का प्रारंभ करते हैं। बंगाल से कांग्रेस का पटाक्षेप, वाम का आगमन और लंबे कालखंड के बाद उसकी विदाई, फिर टीएमसी का सत्ताग्रहण और अब उसकी भी विदाई की तैयार हो रही भूमिका हमें बंगाल के लोगों के मूल चरित्र की याद दिलाने लगी है।

ममता के राज में पश्चिम बंगाल में अब कुछ भी सही नहीं चल रहा है। बात अगर सिर्फ हाल के दिनों की करें तो शिक्षा भर्ती घोटाला, टीएमसी के अंदर जारी अंदरूनी लड़ाई और अब वक्फ कानून के खिलाफ सड़कों पर होती सत्ता पोषित सांप्रदायिक हिंसा से साफ संकेत मिल रहे हैं कि ममता बनर्जी की पकड़ अब बंगाल में कमजोर हो रही है। बंगाल के विधानसभा चुनाव से एक साल पहले ही ममता के खिलाफ माहौल बनता

हुआ साफ-साफ दिख रहा है, आक्रोश की एक लहर बड़े वर्ग में साफ दिखाई दे रही है।

शिक्षक भर्ती घोटाले में जिस तरह से ममता सरकार की किरकिरी हुई है, वह टीएमसी की मुश्किलें बढ़ाने वाली है। सुप्रीम कोर्ट की इस मामले में टिप्पणियां भी सीएम ममता की लोकप्रियता को चोट पहुंचाती हैं। जिस तरीके से सीधे-सीधे 26 हजार शिक्षकों की नौकरी गई है, इसने बंगाल की टीएमसी सरकार पर दबाव बढ़ा दिया है। यहां पर समझने वाली बात यह है कि विवाद सिर्फ इन 26 हजार शिक्षकों का नहीं है, ज्यादा बड़ी बात यह है कि इन 26 हजार शिक्षकों पर उनका पूरा परिवार निर्भर करता है, ऐसे में बंगाल का एक काफी बड़ा वर्ग इस समय आक्रोशित चल रहा है। किसी के भ्रष्टाचार की कीमत जब किसी निर्दोष को चुकानी पड़े तो खतरे की घंटी नेता और उस पार्टी के लिए ही होती है।

एसएससी स्कैम पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) की विधुक्तियों में बड़े पैमाने पर धांधली हुई। ऊपर से लेकर नीचे तक कई स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ। पक्षपात के जरिए करीबियों को नौकरियां दी गईं। यहां भी सबड़े बड़ा खेल मेरिट लिस्ट में हुआ जिसमें कम अंक वालों को नौकरी मिली और ज्यादा अंक वालों को नहीं। साल 2022 में इस केस में सीबीआई की एंटी हुई और ममता के करीबी पार्थ चटर्जी से पूछताछ शुरू हुई।

पार्थ चटर्जी 2014 से 2021 तक



बंगाल के शिक्षा मंत्री रहे, उन पर भी आरोप लगा कि उन्होंने इस पूरे मंत्रालय को ही अपने कब्जे में रखा और मनमुताबिक नियुक्तियां कीं। इसके ऊपर उनके करीबी अर्पिता मुखर्जी के आवास पर जब नोटों का बंडल मिला, उसने मुख्यमंत्री ममता की किरकिरी और ज्यादा कावाला दी। अब इस मामले में जब सुप्रीम कोर्ट ने भी राज्य सरकार को कठपरे में खड़ा किया है, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की किरकिरी और ज्यादा कावाला दी। अब इस मामले में जब सुप्रीम कोर्ट ने भी राज्य सरकार को कठपरे में खड़ा किया है, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की किरकिरी और ज्यादा कावाला दी।

उनके लिए ज्यादा परेशानी का सबब यह है कि ऐसी चुनौती तब आई है जब उन्हें बंगाल के आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में लगना है। किसी भी राज्य में भ्रष्टाचार और उसके खिलाफ पैदा हुए आक्रोशित को छोटा कर नहीं आका जा सकता। हाल ही में दिल्ली चुनाव के दौरान भी आप संयोजक अरविंद केजरीवाल कथित बराब घोटाले को नजरअंदाज करते रहे, खुद को तो निर्दोष बताया ही, जनता के गुस्से को

भी नहीं समझ पाए। लेकिन जब नतीजे आए, खुद अपनी सीट गंवा बैठे और आम आदमी पार्टी की भी करारी हार हुई। ऐसे में ममता बनर्जी के लिए शिक्षा भर्ती घोटाला एक बड़ी चुनौती बनने वाला है। उनके लिए चुनौती भाजपा के लिए उतनी बड़ा ही अवसर भी रहने वाला है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी की प्रमुख के लिए एक चुनौती अपनी खुद की पार्टी को संभालना भी बन गया है। पहले ऐसा कहा जाता था कि ममता का अपनी पार्टी पर पूरा कंट्रोल है, उनका सख्त अंदाज ऐसा रहता कि कार्यकर्ता भी उनसे सहम जाते थे। कई बार तो पब्लिक में जिस तरह से उन्होंने अपने ही पार्टी कार्यकर्ताओं को फटकार लगाई, वो देखते ही बनता था। लेकिन ये सारी बातें अब पुरानी हो चुकी हैं, अब की टीएमसी अंदरूनी झगड़ों से जूझ रही है, खुद ममता बनर्जी स्थिति को कंट्रोल में नहीं कर पा रही हैं। कई मामलों में उनकी चुप्पी ने भी ऐसे विवादों को और ज्यादा हवा देने का काम किया है।

हाल ही में महुआ मोइत्रा और कल्याण बनर्जी के बीच हुई तू-तू-मैं-

मैं ने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरी थीं। असल में भाजपा ने ही व्हाइट्स ऐप चैट्स शेयर कर दावा किया था कि पार्टी के दो दिग्गज नेत-IAओं के बीच में खूब नोकझोंक हुई। लड़ाई की शुरुआत कल्याण बनर्जी और कीर्ति आजाद की बहस से हुई और बाद में उसमें महुआ की भी एंट्री हुई। बाद में टीएमसी नेता सौगत राय ने ही दावा किया कि उन्होंने महुआ को रोते हुए देखा। उनकी तरफ से कल्याण बनर्जी को उनके पद से हटाने की बात तक कही गई। अब किसी पार्टी की कलह अगर सोशल मीडिया पर वायरल हो जाए, परसेप्शन बनने में देर नहीं लगती। वैसे भी भाजपा को लेकर तो जानकार मानते हैं कि सोशल मीडिया हैंडल करने में वो एक्सपर्ट हैं, ऐसे में यह विवाद कब ज्यादा तूल पकड़ ले, पता भी नहीं चलेगा।आरजी कर अस्पताल रेप केस का उदाहरण भी यहां समझना चाहिए। जिस तरह से डॉक्टर सड़कों पर उतरे थे, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ ही नारेबाजी हुई थी, बाद में भतीजे अभिषेक बनर्जी के नाराज होने की खबरें आई थीं। इस सब ने भी टीएमसी में ओल्ड बनाम यंग गार्ड की लड़ाई को बढ़ा दिया था। इस समय जिस तरीके से टीएमसी में एक धड़ा पूरी तरह अभिषेक बनर्जी को पसंद कर रहा है और मॉर्डन बदलावों की पैरवी कर रहा है, दूसरा धड़ा ममता के वफादारों का है जो अभिषेक और उनके समर्थकों को नकार रहा है। उनकी सोच को टीएमसी की विच-रधारा के खिलाफ मान रहा है। लेकिन यहां पर भी चुनौती ममता बनर्जी के लिए ही है, पार्टी का गुटों

में बंटना, नेताओं की आपसी कलह बटोरी थीं। असल में भाजपा ने ही व्हाइट्स ऐप चैट्स शेयर कर दावा किया था कि पार्टी के दो दिग्गज नेत-IAओं के बीच में खूब नोकझोंक हुई। लड़ाई की शुरुआत कल्याण बनर्जी और कीर्ति आजाद की बहस से हुई और बाद में उसमें महुआ की भी एंट्री हुई। बाद में टीएमसी नेता सौगत राय ने ही दावा किया कि उन्होंने महुआ को रोते हुए देखा। उनकी तरफ से कल्याण बनर्जी को उनके पद से हटाने की बात तक कही गई। अब किसी पार्टी की कलह अगर सोशल मीडिया पर वायरल हो जाए, परसेप्शन बनने में देर नहीं लगती। वैसे भी भाजपा को लेकर तो जानकार मानते हैं कि सोशल मीडिया हैंडल करने में वो एक्सपर्ट हैं, ऐसे में यह विवाद कब ज्यादा तूल पकड़ ले, पता भी नहीं चलेगा।आरजी कर अस्पताल रेप केस का उदाहरण भी यहां समझना चाहिए। जिस तरह से डॉक्टर सड़कों पर उतरे थे, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ ही नारेबाजी हुई थी, बाद में भतीजे अभिषेक बनर्जी के नाराज होने की खबरें आई थीं। इस सब ने भी टीएमसी में ओल्ड बनाम यंग गार्ड की लड़ाई को बढ़ा दिया था। इस समय जिस तरीके से टीएमसी में एक धड़ा पूरी तरह अभिषेक बनर्जी को पसंद कर रहा है और मॉर्डन बदलावों की पैरवी कर रहा है, दूसरा धड़ा ममता के वफादारों का है जो अभिषेक और उनके समर्थकों को नकार रहा है। उनकी सोच को टीएमसी की विच-रधारा के खिलाफ मान रहा है। लेकिन यहां पर भी चुनौती ममता बनर्जी के लिए ही है, पार्टी का गुटों

में बंटना, नेताओं की आपसी कलह बटोरी थीं। असल में भाजपा ने ही व्हाइट्स ऐप चैट्स शेयर कर दावा किया था कि पार्टी के दो दिग्गज नेत-IAओं के बीच में खूब नोकझोंक हुई। लड़ाई की शुरुआत कल्याण बनर्जी और कीर्ति आजाद की बहस से हुई और बाद में उसमें महुआ की भी एंट्री हुई। बाद में टीएमसी नेता सौगत राय ने ही दावा किया कि उन्होंने महुआ को रोते हुए देखा। उनकी तरफ से कल्याण बनर्जी को उनके पद से हटाने की बात तक कही गई। अब किसी पार्टी की कलह अगर सोशल मीडिया पर वायरल हो जाए, परसेप्शन बनने में देर नहीं लगती। वैसे भी भाजपा को लेकर तो जानकार मानते हैं कि सोशल मीडिया हैंडल करने में वो एक्सपर्ट हैं, ऐसे में यह विवाद कब ज्यादा तूल पकड़ ले, पता भी नहीं चलेगा।आरजी कर अस्पताल रेप केस का उदाहरण भी यहां समझना चाहिए। जिस तरह से डॉक्टर सड़कों पर उतरे थे, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ ही नारेबाजी हुई थी, बाद में भतीजे अभिषेक बनर्जी के नाराज होने की खबरें आई थीं। इस सब ने भी टीएमसी में ओल्ड बनाम यंग गार्ड की लड़ाई को बढ़ा दिया था। इस समय जिस तरीके से टीएमसी में एक धड़ा पूरी तरह अभिषेक बनर्जी को पसंद कर रहा है और मॉर्डन बदलावों की पैरवी कर रहा है, दूसरा धड़ा ममता के वफादारों का है जो अभिषेक और उनके समर्थकों को नकार रहा है। उनकी सोच को टीएमसी की विच-रधारा के खिलाफ मान रहा है। लेकिन यहां पर भी चुनौती ममता बनर्जी के लिए ही है, पार्टी का गुटों

में बंटना, नेताओं की आपसी कलह बटोरी थीं। असल में भाजपा ने ही व्हाइट्स ऐप चैट्स शेयर कर दावा किया था कि पार्टी के दो दिग्गज नेत-IAओं के बीच में खूब नोकझोंक हुई। लड़ाई की शुरुआत कल्याण बनर्जी और कीर्ति आजाद की बहस से हुई और बाद में उसमें महुआ की भी एंट्री हुई। बाद में टीएमसी नेता सौगत राय ने ही दावा किया कि उन्होंने महुआ को रोते हुए देखा। उनकी तरफ से कल्याण बनर्जी को उनके पद से हटाने की बात तक कही गई। अब किसी पार्टी की कलह अगर सोशल मीडिया पर वायरल हो जाए, परसेप्शन बनने में देर नहीं लगती। वैसे भी भाजपा को लेकर तो जानकार मानते हैं कि सोशल मीडिया हैंडल करने में वो एक्सपर्ट हैं, ऐसे में यह विवाद कब ज्यादा तूल पकड़ ले, पता भी नहीं चलेगा।आरजी कर अस्पताल रेप केस का उदाहरण भी यहां समझना चाहिए। जिस तरह से डॉक्टर सड़कों पर उतरे थे, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ ही नारेबाजी हुई थी, बाद में भतीजे अभिषेक बनर्जी के नाराज होने की खबरें आई थीं। इस सब ने भी टीएमसी में ओल्ड बनाम यंग गार्ड की लड़ाई को बढ़ा दिया था। इस समय जिस तरीके से टीएमसी में एक धड़ा पूरी तरह अभिषेक बनर्जी को पसंद कर रहा है और मॉर्डन बदलावों की पैरवी कर रहा है, दूसरा धड़ा ममता के वफादारों का है जो अभिषेक और उनके समर्थकों को नकार रहा है। उनकी सोच को टीएमसी की विच-रधारा के खिलाफ मान रहा है। लेकिन यहां पर भी चुनौती ममता बनर्जी के लिए ही है, पार्टी का गुटों

काफी है कि बंगाल में कानून व्यवस्था उनके कार्यकाल में और ज्यादा बिगड़ी है। एक आरटीआई के जवाब में पता चला कि जनवरी 2021 से जून 2022 के बीच में राज्य में सांप्रदायिक हिंसा के 65 मामले सामने आए थे। यहां भी 2022 में 35 केस दर्ज किए गए थे। इसके अलावा बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार बढ़े हैं, एन-सीआरबी के ही आंकड़े बता रहे हैं कि 2022 में पतियों द्वारा पत्नी के खिलाफ क्रूरता के मामलों में चित-ाजनक इजाफा हुआ है, पश्चिम बंगाल में प्रति लाख जनसंख्या पर अपराध दर 40.6 रही है।

अब बंगाल की इस हिंसा के जानकार एक नहीं कई कारण मानते हैं। कई तो ये भी कहते हैं कि बंगाल में हो रही इस हिंसा की कोई विच-रधारा नहीं है। शिक्षा का स्तर कम है, बेरोजगारी ज्यादा है, गरीबी से लोग परेशान हैं, ऐसे में जहां से पैसा आता है, लोग उनके लिए काम करने लग जाते हैं। ये सोचने वाली बात है कि अचानक से सड़क पर इतने लोग कैसे आ जाते हैं, आखिर क्यों वो पथर उठा लेते हैं? बताया जाता है कि इन प्रदर्शनों में शामिल कई लोग प्लांटेंड भी हो सकते हैं जिन्हें पैसे देकर बुलाया जाता हो। ऐसे में अगर गरीबी को खत्म किया जाए, नौकरियों के नए अवसर बनें, तो आने वाले सालों में बंगाल हिंसा के इस खतरनाक दौर से खुद को मुक्त कर सकता है। अभी के लिए इस हिंसा को कोई रोकना नहीं चाहता है, प्रमुख विपक्षी दल भाजपा को भी आपदा में अवसर दिखाई दे रहा है।



को उनसे जुड़े कानून, अधिकारों के बारे में भी प्रशिक्षित किया जा रहा है। आठ जिलों में संचालित इस योजना से मिले फीडबैक के आधार पर योगी सरकार इसे सभी 75 जिलों में संचालित करने की तैयारी में है। यह पहल महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है।

संपादकीय

पंजाब का भविष्य देखें

यह विडंबना ही है कि पंजाब में आसन्न चुनौतियों को नजरअंदाज करके राजनीतिक लाभ के लिये गैरजरूरी गतिविधियों को चला रही है। इसी कड़ई में मान सरकार द्वारा विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा के खिलाफ मामला दर्ज करना, एक अनापत्तिक राजनीतिक उकसाही का कड़वा ज़ाण। निश्चित रूप से यह प्रकरण एक अनुचित समय पर हुआ है। आज एक बार फिर पंजाब दोरारह पर खड़ा है, जहां उसे उन ताकतों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्होंने अतीत में राज्य को भयावहहह संकट में धकेल कर अमन-शांति को ध्रुण लागा था। इन ताकतों के खतरनाकी में संभुलों को गंभीरता से महसूस किया जाना चाहिए। हाल के दिनों में ग्रेनेड हमलों की शृंखला शासन-प्रशासन के साथ आम लोगों को व्यर्थ व्यर्थ किए हुए है। ऐसी कसौती भी आतंकी गतिविधि के खिलाफ समय रहते सामूहिक संकल्प लेने की सख्त जरूरत है।

निश्चित रूप से यह प्रकरण एक अनुचित समय पर हुआ है। आज एक बार फिर पंजाब दौरे पर खड़ा है, जहाँ उस उन ताकतों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्होंने अतीत में राज्य को भयावह संकट में धकेल कर अमन-शान्ति को ग्रहण लगाया था। इन ताकतों के खतरनाक मसूवों को गंभीरता से महसूस किया जाना चाहिए। हाल के दिनों में ग्रेनेड हमलों की शृंखला शासन-प्रशासन के साथ आम लोग को व्यथित किए हुए है। ऐसी किसी भी आतंकी गतिविधि के खिलाफ समय रहते सामूहिक संकल्प लेने की सख्त जरूरत है। इस वक्त पंजाब के राजनीतिक परिदृश्य में जिम्मेदार नेतृत्व की सख्त जरूरत है। यह समय नहीं है कि राजनीतिक लाभ-हानि के गणित को दृष्टिगत रखकर एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ दिखाई जाए। यदि पंजाब में सिर उठा रही आतंकवाद की नई चुनौती के खतरों को गंभीरता से लेने के बजाय, अभद्र भाषा की टिप्पणियों को प्राथमिकता दी जाएगी तो राज्य का बहुत कुछ दांव पर लगेगा। इससे भी बड़ी विडंबना यह है कि इस राजनीतिक विवाद में पुलिस को घसीटा जा रहा है। ऐसे चुनौती वाले समय में जब पुलिस का मनोबल बढ़ाकर उसकी पूरी ऊर्जा उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई पर केंद्रित करने की जरूरत है, जो राज्य को फिर से अतीत के उस काले दौर की ओर धकेलने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे उबरने में पंजाब के लोगों ने भारी कीमत चुकाई थी। कोई नहीं चाहेगा कि राज्य को फिर उस भयावह दौर में गुजरना पड़े। इसमें दो राय नहीं कि पंजाबवासियों के सम्मक्ष मौजूदा चुनौतियों और हिंसात्मक अतीत को दृष्टिगत रखते हुए राजनीति प्रतियन्ताओं से संवेदनशील मामलों को संयमित और सवाधान प्रतिक्रिया की उम्मीद की जा सकती है। लेकिन विडंबना है कि नये सिरे से पंजाब की शांति को भंग करने की कुत्सित कोशिशों के प्रति राजनीतिक दलों द्वारा गंभीर प्रतिक्रिया नहीं दिया जा रहा है। हाल के दिनों में राज्य में सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं की सहजो-बिजो बयानबाजी से तो ऐसा नहीं लगता है कि राजनेताओं द्वारा चुनौतीपूर्ण स्थितियों में परिपक्वता का व्यवहार किया जा रहा हो। समावले है कि क्या कांग्रेस नेता बाजवो को

अधिक सावधान नहीं रहना चाहिए था? निस्संदेह, उन्हें गंभीरता व परिपक्वता का परिचय देना चाहिए था। सवाल यह भी है कि उनके बयानों के जवाब में क्या सरकार की ओर से सामला दर्ज किया जाना चाहिए था? निश्चित रूप से नहीं दर्ज किया जाना चाहिए था। मसाला और विषय की कारगुजारी को देखकर निष्कर्ष निकाल कर कठिण नहीं है कि दोनों की तरफ से मौजूदा परिदृश्य में प्रार्थमिकताएँ निर्धारित करने में गलती की जा रही है। यानी बयानबाजी व कार्रवाई में संकीर्ण राजनीतिक हितों को प्रार्थमिकता दी जा रही है। इससे उन तत्वों को शक मिलती है जो पंजाब के अमन-चैन को ग्रहण लगा जाना चाहते हैं। वक्त की माँग है कि पंजाब के दूरगामी हितों से जुड़े निश्चित मुद्दों को राजनीतिक चरित्र से ही कदापि नहीं देखा जाना चाहिए। राज्य के हित निश्चित रूप से राजनीति से ऊपर उठकर होने चाहिए। निस्संदेह, यदि राज्य सरकार की कारगुजारीयों में नीतिगत आसक्तियाँ हैं, तो विषय को उन्हे सूचीबद्ध करके उजागर जरूर करना चाहिए। लेकिन आमजन के खिलाफ किसी भी लड़ाई में एक पक्ष में समर्थन किया जाना चाहिए। यदि जरूरत महसूस होती है तो आम आदमी पार्टी सरकार को सर्वदलीय बैठक बुलाने की विचार करूँ करना चाहिए। इस मामले में तथ्यात्मक स्थिति को तो उजागर करना ही चाहिए, जिससे इससे जुड़ी किसी आशंका को दूर किया जा सके। निश्चित रूप से किसी आसन्न खतरे को महसूस करके उसके खिलाफ एकीकृत प्रतिक्रिया से जहाँ राज्य विरोधी तत्वों का मनोबल गिरेगा, वहीं आम लोगों की आशंकाओं को भी दूर किया जा सकेगा।

कुछ

अलग

जल और वायु के बिना...

जल एवं वायु के बिना संसार में किसी भी प्राणधारी के अस्तित्व की परिकल्पना नहीं की जा सकती। यह कहना तर्कसंगत है कि जल ही जीवन है तथा वायु के बिना धरती पर जीवन अशुभव है। जल एवं वायु धरती के प्राणधारियों के लिए प्रकृति की ओर से मिला अद्भुत उपहार है, लेकिन मानव द्वारा निजी स्वार्थों के लिए प्रकृति से छेड़छाड़ की जा रही है। इससे मानव सहित अन्य सभी प्राणियों पर प्रदूषण का तबाही मंडराने लगा है तथा हवामय में खतरा के संकेत हैं। पर्यावरण गड़बड़ाने से मौसम का घटनाचक्र बदलने लगा है। धरती का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। परिणामस्वरूप हिमालय पर स्थित हजायों में पुराने रमेशियन पिघलने लगे हैं। इसलिए गर्मियों में अत्यधिक गर्मी हो जाती है तथा सर्दियों में कड़ाके की ठंड होने लगी है। कभी भयंकर सूखा पड़ जाता है। कभी इतनी अधिक बारिश हो जाती है कि जन जीवन बुरी तरह प्रभावित हो जाता है। बादल फटने की घटनाएं आम हो गई हैं। पहाड़ दरकने लगे हैं तथा भूस्खलन से हर वर्ष काफी नुकसान होता है। पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए सरकार का ही नहीं बल्कि पूरे समाज का नैतिक दायित्व है। जलवायु में बढ़ते प्रदूषण से पर्यावरण प्रेमी अत्यंत चिंतित हैं। भू-विज्ञान के अनुसार पृथ्वी के लगभग दो तिहाई भाग में पानी है। लेकिन यह सारा पानी पीने योग्य नहीं है जबकि शेष बचे भूभाग में जनजीवन है। यहीं उपलब्ध पानी से समस्त प्राणियों की आवश्यकताएं पूरी होती हैं, मगर नरंतर प्रदूषित हो रहे पर्यावरण का सबसे अधिक प्रभाव जल और वायु पर ही पड़ता है। प्रकृति से ही रही छेड़छाड़ से पारंपरिक जल स्रोतों का अस्तित्व खतरे में है तथा वायुमंडल पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। परिणामस्वरूप

लाभगर्भाधी से अधिक जनसंख्या के लिए निर्धारित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा है। इसलिए यह कहा जा रहा है कि परती पर यदि स्थानीय विषय युद्ध होगा तो उसका कारण स्वच्छ पेयजल ही होगा। इसलिए देश एवं दुनिया में बिगड़ रहा पर्यावरण भविष्य के लिए एक चुनौती है। मनुष्य शुरू से ही पर्यावरण संतुलन के प्रति संवेदनशील रहा है। सैकड़ों वर्ष पहले बुनुगुँ ने भविष्य के इस खतरा को भांप लिया था। भविष्य उन्होंने वीरान पड़ा भूमि पर विभिन्न श्रेणियों के पेड़ लगाए। इससे प्राणधारियों के लिए पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन मिल रही है। इसके साथ ही इन वृक्षों की शीतल छाया से तापमान स्थिर रहता है तथा जमीन में भी नमी बरहती है। एक समय तो जब प्राकृतिक जल स्रोतों का संरक्षण करना लोग पुण्य का कार्य समझते थे। युवा वर्ग सप्ताह-सप्ताह के बाद जलस्रोतों की सफाई करती थे। कर्मकांड के ज्ञाता यदि किसी व्यक्ति को ग्रह शांति का उपाय बताते थे, उसमें जलस्रोतों व रास्ते की सफाई प्रमुख होती थी। विशालाखा पीपल या बटरफ्लाई के नीचे लोग प्याऊ लगाते थे। प्रतिदिन वहाँ रखे मिट्टी के बड़े-बड़े पंडों में पानी भरा जाता था। बदलते समय में लोग अपने कर्त्तव्यों को भूल गए हैं। जिससे पर्यावरण संरक्षण नहीं हो पा रहा है। पहले कच्चे घर आँधों को बरसाती पानी का जमीन में रिसाव हो जाता था। इससे भी इनमें नमी बनी रहती थी। अब घर आँगन की पक्के हैं, इससे बरसात का पानी एकदम बह जाता है। विकास की अंधी दौड़ में भी पर्यावरण प्राप्तिवादी हुआ है। लंबी चौड़ी सड़कों को पक्का करने, बड़े बड़े भवनों के निर्माण तथा कंक्रीट बड़े-बड़े मैदानों के बनने से तापमान प्रभावित हुआ है। जमीन पर कंक्रीट के जाल खड़े कर दिए गए हैं।

ललित गर्ग

नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को विशेषतः किशोर बच्चों को हिंसा एवं तोड़फोड़ के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिए उकसा भी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन दे रहे हैं। अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही हैं

बंगाल

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा का सिलसिला जिस तरह नेहरू और सांसादनिक होता जा रहा है, जिस तरह से हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हीं मुर्शिदाबाद से पलाना को विवश किया जा रहा है, वह मुस्लिम टुट्टीकरण और दुष्प्रचार की खतरनाक राजनीति का प्रतिकार तो है। वह, वह कुशनप एवं अराजकता की चरम पराक्रान्ति है। नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को विशेषतः किशोर बच्चों को हिंसा एवं तोड़फोड़ के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिए उकसायी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन दे रहे हैं। अराजकता फैलाने वाले विसर तरह बेखोज हैं, इसकी जुटाइ इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तोड़ने, पुलिस के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थपने का नाम नहीं ले रही है, क्योंकि खुद मुहम्मदजी ममता बनर्जी इस कानून के खिलाफ खड़ी होकर राजनैतिक रोटियाँ संकेन का काम कर रही हैं। परिपक्व बंगाल में हिंसा का बढ़ना, हिन्दुओं में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोना होने की आशंकाओं से पैरा होना चिन्ताजनक भी है और राष्ट्रीय अखण्डता का विषय भी है। यह बंगाल पुलिस के नाकारापन एवं ममता सरकार के मुस्लिम गुटचरणीय का ही दुष्परिणाम है कि मुर्शिदाबाद के साथ ही अन्य शहरों में भी वक्फ कानून के विरोध की आड़ में हिंसा, तोड़फोड़, आगजनी हो रही है। खतरनाक यह है कि इस दारुण हिन्दुओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वक्फ कानून विरोधियों की अराजकता से उपजे हालात का संज्ञान लिया। मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुँच गया है। इससे यथार्थता एवं दनकार और कुछ नहीं हो सकता कि मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल को हुई हिंसा के बाद करीब 500 हिन्दु पलायन कर गए हैं। हिन्दु पलायन का आरोप है कि हिंसा के दौरान उनको चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। उनके पीने के पानी में जहर तमकमिला दिया गया है। इस हिंसा की जाँच एन सी आई नेपोल खोल दी है, यह हिंसा पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी, जिसमें तुर्की से फईज और स्थानीय बदमाशों की मिलीभगत सामने आई है। हमलावरों को ट्रेनिंग दी गई और इसकी भी व्यवस्था भी की गई थी। ममता बनर्जी एवं उनकी सरकार देश में एकमात्र ऐसी सरकार परती



एवं नेता बना गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है। वक्फ कानून का विरोध करने सड़क पर उतरे तत्वों के दुस्साहस एक प्रकार से चलता है कि वे सीमा सुझा बल के जवानों को भी शरणा बनाने से नहीं हिचक रहे हैं। उन्के इसी दुस्साहस के चलते मुश्निदावाद के हिंदुओं ने खुद को असहय पाया। बंगाल में कानून के शासन ने सुनिश्चित हिंसा के पहले के समक्ष एक बार फिर सम्पन्न कर दिया। बंगाल में इसके दुष्फल भी ऐसा हो चुका है। मैंई 2011 में विधानसभा चुनावों के बाद तब तमुगल समुदाय के सदस्यों ने अपने नजनीत विरोधियों को इतना आतंकित किया था कि वे जान बचाने के लिए असम में शरण लेने को मजबूर हुए थे। तब भी वहां पुलिस मुकदसों के नीचे हुई थी। इसका हिस्सा हालातों में राज्य सरकार और सरकार ने यह झूठ दर्शाए के गये में उतारने में तेरो हुआ कि बंगाल में स्थिराया निरन्तर है। यह कैसा नियंत्रण है? यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा दोलापन है? जिसमें एक समुदाय खुलेआम दूसरे समुदाय के विनाशना बना रहा है। खुलेआम सार्वजनिक मंचों पर राष्ट्र-विरोधी विचारों का जहर घोला जा रहा है। वक्फ कानून में शैक्षणिक का विरोध विडम्बनापूर्ण होने के साथ देश में अराजकता फैलाने का माध्यम बना हुआ है। वक्फ कानून में शैक्षणिक के तहत किसी मस्जिद, मदरस आदि को लेकर किसी भी तरह के नुकसान, कब्जा करने या दखल की बात नहीं कही गयी है। इसके विरोधी चाहे जो तर्क दें, इससे कोई झंकार नहीं कर सकता कि वक्फ बोर्ड प्रध्यापक का अड्डा बना हुए थे और सरकारी-निजी जमीनों पर मगमाने शरीक से दावा कर मुदिया कर रहे थे। उनकी इस मगमाना की तरफ़ाक अनेक दृष्टिकान भी थे। क्या वक्फ कानून के विरोधी यह बातों की स्थिति में हैं कि वक्फ बोर्डों ने अभी तक फैलने गरीब

मुसलमानों की सहायता की? यह पहली बार नहीं है, जब किसी कानून के खिलाफ सड़कों पर उतरकर उपद्रव, हिंसा, आगजनी की जा रही हो। इसके पहले नागरिकता संशोधन कानून वे खिलाफ भी ऐसा ही किया गया था। तब यह सड़ फैलाया जा रहा था कि इस कानून के जरिये मुसलमानों को नागरिकता छीन लें जाएंगी। अब यह सड़ फैलाया जा रहा है कि नए वक्फ कानून के जरिये सरकारी मस्जिदों और कब्रिस्तानों पर कब्जा करना चाहते हैं। यह निराश और शरारत ही है। वक्फ कानून के विरोधों में भले ही लोकतंत्र और संविधान की दुहाई दे रहे हों, लेकिन वे उसी धृष्टिज्यायें ही उड़ा रहे हैं। वे वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं। मुश्तदाबाद हिंसा के जरिए पूरे बंगाल में हिंसा फैलाने का प्लान तुर्की में बनाया गया था, इसके जरिए बंगाल के हालात भी ठीक बांग्लादेश की तरह करने की कोशिश थी। हिंसा को लेकर बाकायदा एक लिस्ट तैयार की गई थी कि कौन कौन नुकसान करेगा और लूटपाट मचाएगा। इसके साथ ही इनाम देने को लेकर योजनाएं बनाई गयीं। हिंसा के दौरान इस बात का खास ध्यान देने का अलफ किया गया कि रेल और नॉर्मल ट्रांसपोर्ट न चल पाए। मौकों मिलने पर हिंदुओं की हत्या करना भी टारगेट था। कुछ हिंदुओं को मारा भी गया है। हिंदुओं के घरों के साथ मंदिरों पर हमले किए गए, पर जलाए गए, आजीविका नष्ट की गई, बलात्कार की धमकियां दी गईं, उससे यही स्पष्ट हो रहा है कि नए वक्फ कानून को विरोध करने वालों ने केवल सांप्रदायिक घृणा में बंदूक है, अराजकता एवं उन्माद पर सवार है, आतंकी माहौल बनाकर हिन्दुओं को भयभीत-आतंकित करना चाहते हैं। क्योंकि उन्हें यह भरोसा है कि ममता-आतंकि की सरकार और उनको पुलिस उनके खिलाफ कुछ नहीं करने वाली। ज्यादा चिन्ताजनक तो यह है कि अराजक लोग चाहते हैं पलायन करने के लिए मजबूर लोग फिर कभी अपने घरों को न लौट पाए। इन जटिल ऐतिहासिक होते अराजक हालातों में शांति, सौहार्द एवं सामान्य हालातों को निर्मित करने के लिये आवश्यक है कि कैद सरकारी बंगाल में हस्तक्षेप करने के लिए आगे आए, बल्कि यह भी अपेक्षित है कि सुप्रीम कोर्ट वहां के हालात का स्वातः सञ्चाल ले उसे वक्फ कानून विरोधियों को तलाक तलाक के उपद्रव के लिए ममत सरकार को जवाबदेह बनाता ही होगा।

दृष्टि

कोण

पलाश के सौंदर्य से संचित चैत्र

तुच्छ संज्ञा। भौतिकता द्वारा मृत्युप्रायः इस लेखक की काया पलाश से आच्छादित वनभाण्ड देखकर पुनर्जावित हो उठी है। आनंद, श्वासें, मन, प्राण, आत्मबोध, अनादिप्रेम सभी कुछ लहने के अंदर जाकर रहने को व्याकुल है। प्रेमाश्रय के प्रसन्न मनजीवन की सुदीर्घ प्रतीति होती है। इस नवीन जीवन मेंही प्रेम रहने के संकल्प-विकल्प जीवन की चेतना में लहरा रहे हैं। शेष सभी कुछ विस्मृत है। चैत्र समय में पलाश के समुद्र से सुशोभिध धरा आनंद-विहार बनी हुई है। गहूं के पके हुए स्वर्णरींगी पौधे भी पलाश की मुदुता बढ़ने के दिखाई देते भूमिका का निर्वाह कर रहे हैं। मार्ग से बहने के सखाई अंतर्जित खेत, वन, वृक्ष, वनस्पतियां, घास-फूस के छोटे-छोटे घर इत्यादि दोपहर के सूर्यप्रकाश में करुण-रंगरूप धारण किए हुए हैं। इस सैरगिक अभिप्राय पर मन-गण एवं आत्मा सब कुछ सीछावण करने की अभिलाषा प्रस्फुटित होती है। ऐसा वातावरण देखकर मनोमग्न समाप्त है। अगुणिकता के विचित्र-विचित्र विषों से भरा हुआ अस्तित्व विषवहीन उन्मत्त हो उठा है। भवधरा यही स्थिति व्यक्तिबल के आनंद हेतु सर्वश्रेष्ठ स्थिति है। यही, मनजीवन का लक्ष्य होना चाहिए। ऐसी ही प्राणिक के लिए मनुष्य का जन्म हुआ है। यही

सिरोधार्य हो। यही किंचित संयोजक के बिना हर्षाचित्त के साधक स्वीकार्य हो। इसी में प्राणों का संजीवन हो। इसी में निष्प्राण होकर ठहर जाना चाहिए। ये मुक्ति हैं। ये मोक्ष हैं। ईश्वर का चमत्कार है। ईश्वरविष कृपा, प्रसाद, आशीर्वाद करण है। इसी में विलीन होने की अभीप्सा हो। आह रे जीवन रचयिता! क्या चैत्रोत्पत्ति की है तू ने। कितना सहज वास्तविक मुक्ति अनुभव करा रहा है। इस अतिमित्र मुक्ति तथा इसके पलाश-कुसुमों के माध्यम से ! जिस समयवाचि में विश्व के अधिस्थंख्य लोग मोबाइल फोन के दृश्यपटल पर करोड़ों-अरबों की संख्या में प्रसारित-प्रदर्शित होने वाले चलचित्रों को देख-देख कर भीरु हो चुके हों, वहां प्रभुति का साथ भ्रमरोप से मुक्ति का आनंदित उपाय प्रतीत होता है। एक सर्वेदार विशाल सज्जन व्यक्तित्व अंतोतंगत्व के जंगल में फंसकर यही विशाल कर रहा है कि अंतोतंगत्व मुन्युजाति की दुर्दशा की पराकाष्ठा क्या होगी, जब अभी इस समय ही चहुँओर मुन्यु का जीवन भयंकर दुर्दशाओं की कारा में बंद हो चुका है। ग्राम, प्रायश्चित्त, परिवार, रिश्ते-नाते, संभ्रम, परंपरा, त्योहार, उत्सव, संस्कृति सभी कुछ तो निम्न अधुनिकता ने नष्ट कर दिया है। मोबाइल फोन, इंटरनेट,

मोर्त वाहनन इत्यादि आधुनिक वस्तुओं के माध्यम से ओह प्रदर्शन का पर्याय बन चुका वर्तमान मनूष्य जीवन वास्तव में मनूष्यता, जीवनतत्त्वे से हीन हो चुका है। मोबाइल फोन की विषैली अदृश्य आवृत्तियां मनूष्यता का मन, हृदय, मस्तिष्क, आत्मा, भाव, विचार, सब कुछ शुष्क कर चुकी हैं। मनूष्य केवल देखने के लिए मनूष्य रह गया है। वास्तविक रूप में वह भ्रमशून्य बन चुका है। अर्थव्यवस्था को सोचने, खाने, पीने, जीने वाली दुनिया भला धन-संसाधन के अतिरिक्त क्या सोचने-विचारने योग्य छोड़ेगी मनूष्य को। विषय के अधिसंख्य जीवन-संसाधन प्राप्त व एकर करके को लिप्सा ओ से प्रसरत हैं। धन-लोभचक्र में लोग यह भी सोचने योग्य नहीं रहे कि उनका जीवन कष्टाभंगुर है। मनूष्य की कानि शक्तिहीन है। उसका जीवन ललत है। उसका जीना अनिश्चित है। उसके जीवनी को हरेक नितिविधि एकर प्रकार की स्पष्टक्रांति है। मनूष्य जीवनी का अंतिम सत्य मृत्यु है। आधुनिकता, प्रगति ओ विज्ञान के वशीभूत हो चुके अधिसंख्य मनूष्य मृत्यु के अंतिम सत्य को अपने लोभ, लालच, मोह, माया के जंजाल में उलझाकर असत्य समझते रहते हैं।

देश

दुनिया से

रुग्ण मानसिकता के खिलाफ विचार-यात्राएं जरूरी

समता बंधुता और न्याय के आधार पर बने हमारे संविधान का नैसर्गश्रुता को एक अपराध घोषित किया गया। स्वतंत्र भारत में इस अपराध में कमी भी आयी, यह एक सच्चाई है, पर सच यह भी है कि हमारे समाज में आज भी असुर्युष्यता में विश्वास धरने वाली सोच जिंदा है। और इस तथ्य को समझा जाना चाहिए कि सुधार के सारे दावों के विषयवृद्ध आज भी यह बीमार मानसिकता के प्रभुश्रुता के हमारे दावों-वादों को झुल्ला ही रही है। मानवमी के का उत्सव मंगाने के आदिन बाद हमने हमारे संविधान के प्रमुख शिल्पी बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती पर उन्हें कदाशु मन अप्रतिपतिये हैं। हमने यह भी देखा है कि देश के सभी राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं इस अवसर पर बाबा साहेब के प्रति श्रद्धांजलि समारोह प्रकट करने की जैसे हो-दुलगी हुई थी। लेकिन हकीकत यह भी कि अलवर जिले में घटी निंदनीय घटना नाट दिन बाद जैसे आसानी से भुला दी गयी। नहीं, ऐसी घटनाएं भुलाई नहीं जानी चाहिए। इन्हें याद रखना, इन पर चिंतन करना, इसलिए जरूरी है कि यह घटनाएं में आदमी और आदमी के बीच भेदभाव के समझने का अवसर देती हैं। पूर्व धानमंत्री मनमोहन सिंह ने इस अपराध को मानवता पर कलंक कहते समय भी



अपराध है। पर संविधान में प्रावधान मात्र से बात नहीं बनती। सन 2005 में जारी एक सरकारी रिपोर्ट के अनुसार देश में हर 20 मिनट पर दलितों के खिलाफ एक अपराध होता था। निश्चित रूप से यह आंकड़ा अब बहुत कम हो गया होगा, पर यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि इस अपराध से कहीं अधिक गंभीर वह मानसिकता है जो एक मनुष्य को अखूत समझती है। इसी मानसिकता के चलते कुछ साल पहले उस प्रदेश के एक तबसीलदार ने एक दलित महिला सरपंच के दफ्तर में जाने के बाद उस कुर्सी का 'शुद्धीकरण' किया था, जिस पर वह बैठी थी। चुनाव जीत कर सरपंच बनीं थीं वह महिला, अपने ग्राम की किसी समस्या के

समाधान के लिए ही तहसीलदार के कार्यालय गयी होगी। उसे अपवित्र घोषित करके वहाँ तहसीलदार महोदय आखिर कहना क्या चाहेगा? पता नहीं, उन तहसीलदार महोदय के इस कृत्य के लिए उन्हें कोई सजा मिली थी या नहीं। पर उनका यह कृत्य किसी गंभीर अपराध से कम नहीं था। वस्तुतः उनका यह अपराध मनुष्य के विरुद्ध था। अब यही अपराध उन नेताजी के किया है जिनहोंने दलित नेता के मंदिर से जाने के लिए कहा 'शुद्धी करण' किया। शुद्धीकरण के लिए आवश्यकता यदि किसी को है तो उन बीमा मानसिकता को है जो मनुष्य और मनुष्य में भेद प्रतीत है। जिन भगवान राम की मूर्ति को अप्रतिष्ठा देने में भगवान की गयी थी, उन्होंने अपना कृतित्व से बार-बार यह समझाया था कि मनुष्य

जाति से नहीं, अपनी करनी से छोटा या बड़ा होता है। निषाद राज को गणतन्त्र लगाकर, उन्हें अपना भी कह कर कारागार यहीं तो समझाना चाहते थे; शबरी के शुद्ध बेर खाकर भी उन्होंने यही बताया था। स्वयं को राम का सेवक बताने वाले यात्रियों भूल जाते हैं कि राम ने अपने आचरण से कहीं सिद्ध करना चाहा था कि समाज के परिष्कार का बोझ मनुष्य के कंधों पर ही है। मंदिर के कथित शुद्धीकरण करने वाली मानसिकता राम के किये को नकार रही है। जिन नेताजी ने शुद्धीकरण किया था तीन बार विधायक रह चुके हैं, जिन नेताजी मंदिर 'अपवित्र' किया था, वे भी तीसरी बार विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। दोनों जनता ने योग्य सन्निधि और चुना था। फिर एक दूसरे से बड़ा कैसे हो गया। पवित्र-अपवित्र को इस बीमार सोच के खिलाफ अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है। यह मानसिकता पिछले बीमार ही नहीं, अपराधिक भी है। इस अपराध के खिलाफ आंदोलन चलना चाहिए। समाज को शोषायात्राओं की नहीं, उन विचार-यात्राओं की आवश्यकता है जो रूग्ण मानसिकता के खिलाफ मानसिकता बनाने का काम करें— और यही आवश्यकता हर स्तर पर ईमानदारी से समझ जानी चाहिए।

आप का

नजरिया

पांगी अब पंगु नहीं

के नैन नक्शा को संवारता त्योहार यानी 'हिमाचल दिवस' पुनः उम्मीदी की खेती पर जनजातीय क्षेत्रों आर्थिक कोषलों बढेता है। किताड पहले ऐसा नही था और न ही जरूरत यह माहौल, प्रदेश सरकार का शिर्षक बना। कल्पना का सागर पहाड़ पुरातियों का प्रवाह और प्रसार देखता हुआ पांगी क्षेत्र से विकास के साथ नए मुंबुंध कर रहा है, तो हिमाचल दिवस के संबोधन स्पष्ट हो रहे हैं। क्रम से न सक्खु सरकार ने पर्वतीय या ट्राइबल दुरुहात के बीच हिमाचल के विकास को लाने की कोशिश तो की है। कैलांग, स्यीत और अब पांगी के विकास के प्रगट राय्य का विकाससम्यक संगीत नए पावे कर रहा है। जाहिर तौर छ नई रियायतों की गारंटी पुनः पांगी के प्रांगण में उतर कर महिला संस्कार लाला खेतां को पंहे सो रूप के उधार से स्तरोन्नत कर रही है, तो सान के से से निकले पहाड़ी जौ को साथ रूप प्रति किला समर्थन नूतन है। मुख्यमंत्री ने भौगोलिक दृष्टि से पांगी के समर्थन में हिमाचल के नए न सोंपे हैं, जहां पूरा उपमंडल प्राकृतिक खेती के नए अवतार में पुंष्ठि एकरा तौर पर लालित होगा। ट्राइबल बजट पहले भी तरह-तरह से श्रृंगार करता रहा है। लेकिन जनजातीय क्षेत्र की योजना में बढती लागत से उपचार नहीं हुआ। स तौर पर लाल सिंघाई की योजनाओं को बर्फ की पट्टाकारी कालिङ नही रही। ट्राइबल परिषाद र बजट की हकदारी में अपने विचारों की गणन करता रहा, लेकिन ढांचगत उपलब्धियों को चिन्हित करने की तफतीर नहुई। विकास के पापड़ बेले जरूर गए, लेकिन सामाजिक उद्यम के लक्षण फिजुलखची में उड़ दिए गए। अब हिमाचल दिवस सोये ट्राइबल के वाश से मुखालिफ होने ला है और एक परंपरा के तहत उड़ा बने बावतों को लोच कर वर्तमान सरकार भविष्य का आशवास दे रही है। प्राकृतिक नती की विशिष्टता में अगर कल पांगी के कृषि उपाज बचाव की क्षमता में कल होतो है, तो यह एक ब्रांड की तरह आर्थिक को उपजाऊ बना पाएंगे। मूत्रमंत्रों ने सरकार का एक महिला सदन पांगी को न केवल पंद्रह सो रूप समुत्पात के जरिए साक्षित नहीं किया, बल्कि कालिङ मंडलों को आग्रह से, सशक्तिकरण का पौधारोपण भी किया है। सरकार परिवहन और कनेक्टिविटी की दृष्टि से पांगी को चंबा के नजदीक लाने के लिए भले ही खों में सपने ले रही है, लेकिन हिमाचल के मानचित्र पर यह क्षेत्र लाल रंग और कुल्लू के दरियाओं का पानी पी रहा है। असली पांगी का जिल्ला सा सेरिस्ता आज भी सच दरें के नीचे बर्फ में दबा है। जिस दिन यहां से सूरज की खोज में पांगी पहुंचेगी, उस दिन वास्तव में सूर्योदय होगा। यह इसलिए भी कि राजनीतिक तौर पर पांगी को भरमौर की सिपासत का पं पडता है। मुद्दे तो पहाड़ों के बीच दीवार की तरह एकसमान दीदार को ढाल रहा है, तो आर्थिक विस्थापन ने पांगी की क्षमता का रुख कुल्लू की तरफ इ दिया। चंबा की एक भुजा अगर भरमौर है, तो दूसरी पांगी को जिल्ला रियायल से जोडने के लिए सूरंग के जरिए वर्ष भर की कनेक्टिविटी चाहिए। रहस्य सरकार स्वावलंबन के पहियों पर युवाओं को सवार करना चाहते हैं। ट्राइ दृष्टि से बीस बस परमिट युवाओं को जारी होंगे और बस खरीद प लालीस फीसदी सबसिडी और चार होंगे रोड टैक्स से छूट भी मिलेगी।



ओडेसा में नाटो महासचिव ने दोहराया समर्थन, यूक्रेन को 22 अरब डॉलर की सुरक्षा सहायता का वादा

ओडेसा (यूक्रेन) ,16 अप्रैल (एजेंसियां) ।

नाटो महासचिव मार्क रूटे ने मंगलवार को यूक्रेन के बंदरगाह शहर ओडेसा का दौरा करते हुए यूक्रेन के प्रति गठबंधन के अटूट समर्थन को दोहराया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 की पहली तिमाही में नाटो सहयोगी देशों ने यूक्रेन को 20 अरब यूरो (लगभग 22 अरब डॉलर) की सुरक्षा सहायता देने का संकल्प लिया है। रूटे ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैं यहां इसलिए हूँ क्योंकि मैं मानता हूँ कि यूक्रेन

के नागरिकों को अपने देश में वास्तविक शांति और सुरक्षा का अधिकार है। ओडेसा के एक अस्पताल में उन्होंने जेलेन्स्की के साथ घायल सैनिकों से भी मुलाकात की। यह दौरा ऐसे समय हुआ जब हाल ही में रूस ने उत्तर-पूर्वी शहर सुमी पर दो बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया, जिसमें 35 नागरिकों की मौत हो गई थी, जिनमें दो बच्चे भी शामिल थे, और 119 लोग घायल हुए थे। इससे पहले, 04 अप्रैल को जेलेन्स्की के गृहनगर क्रिवी रिह पर भी मिसाइल हमला हुआ था, जिसमें 20 लोगों

की जान गई थी। रूटे ने हालिया हमलों को भीषण हिंसा करार देते हुए कहा, इन हालात में बातचीत आसान नहीं है, लेकिन हम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुरू की गई शांति वार्ताओं का समर्थन करते हैं। बता दें कि ट्रंप के नेतृत्व में सऊदी अरब में कीव और मांस्को के बीच कई दौर की बातचीत हो चुकी है। हालांकि, रूस ने युद्धविराम के लिए कई शर्तें लगाकर इस प्रक्रिया को रोक रखा है। इसके बीच, यूरोपीय देशों और यूक्रेन ने मिलकर एक बहुराष्ट्रीय सुरक्षा ढांचा तैयार करने की दिशा में

काम शुरू कर दिया है, जिसे कोएलिसन ऑफ द विलिंग कहा जा रहा है। इसका उद्देश्य युद्धविराम के बाद भविष्य में किसी भी रूसी आक्रामकता को रोकना है। जेलेन्स्की ने बताया कि तुर्की ब्लैक-सी की सुरक्षा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभा सकता है। तुर्की में चल रही बैठक में यूक्रेन, फ्रांस, ब्रिटेन और तुर्की के सैन्य प्रतिनिधि इस विषय पर चर्चा कर रहे हैं। नाटो प्रमुख ने कहा, यह वार्ता इस बात का संकेत है कि हम भविष्य की सुरक्षा तैयारियों की दिशा में गंभीर हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेरिकी नागरिकता के लिए इंटरव्यू देने गया फिलिस्तीनी छात्र गिरफ्तार



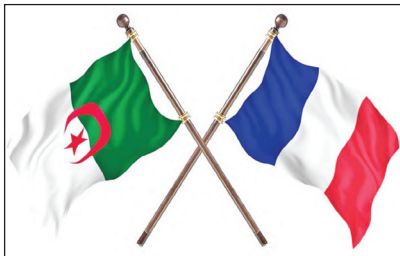
वाशिंगटन। अमेरिका की नागरिकता लेने के लिए इंटरव्यू देने पहुंचे फिलिस्तीनी छात्र को महंगा पड़ गया। उसे अमेरिका की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। छात्र पर आरोप है कि गाजा युद्ध के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में छात्र ने सक्रिय भूमिका निभाई थी। फिलिस्तीनी छात्र मोहसिन महदावी पिछले करीब दस साल से अमेरिका में रह रहा है। वह 2015 से वहां का ग्रीन कार्ड धारक भी है। वह मंगलवार को अमेरिकी नागरिकता के लिए यूएस स्टेट वर्मोट के इमिग्रेशन दफ्तर में पहुंचा था। जब वह नागरिकता के लिए इंटरव्यू देने अंदर आफिस में गया तो उसे पहले हिरासत में लिया गया। उसके बाद लंबी पुछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। छात्र अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर चुका है। अब वह मास्टर डिग्री करना चाहता है। छात्र गिरफ्तार किए गए छात्र महदावी के वकील लुना ड्रेबी ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन ने छात्र को फिलिस्तीनियों के समर्थन में आवाज उठाने के कारण गिरफ्तार किया है। यह पूरी तरह से असंवेधानिक है।

रूस अगव यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त करता है तो अमेरिका उसे बड़ी सौगात देगा



वॉशिंगटन। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को रोकने के तमाम प्रयास सफल नहीं हो पाए हैं। ऐसे में अमेरिका ने रूस को बड़ा ऑफर देते हुए कहा है कि यदि रूस इस युद्ध को रोकने की पहल करता है तो अमेरिका उसे बड़ी सौगात देगा। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने कहा कि अमेरिका, रूस के साथ आर्थिक साझेदारी भी कर सकता है। हालांकि उन्होंने कहा कि पहले रूस को युद्धविराम करना होगा। व्हाइट हाउस ने यह बात ऐसे वक्त कही है, जब हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकोफ ने मांस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। व्हाइट हाउस ने कहा कि दोनों के बीच अच्छी बातचीत हुई और हमारा मानना है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी युद्ध समाप्त करना चाहते हैं। व्हाइट हाउस प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने कहा कि अगर रूस, यूक्रेन के साथ युद्ध को समाप्त करता है तो रूस को बड़ी सौगात मिल सकती है। हो सकता है कि अमेरिका और रूस के बीच आर्थिक साझेदारी हो जाए, लेकिन पहले हम चाहते हैं कि युद्धविराम हो और राष्ट्रपति के प्रतिनिधि विटकोफ ने राष्ट्रपति पुतिन को यह बात स्पष्ट रूप से बता दी है। अमेरिका के विदेश विभाग ने कहा है कि अमेरिका रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम के लिए कोशिश करता रहेगा।

अल्जीरिया और फ्रांस में बढ़ा तनाव, फ्रांस के 12 अधिकारियों को देश छोड़ने को कहा



अलजीरियस। अल्जीरिया ने फ्रांस के 12 अधिकारियों को 48 घंटे में देश छोड़ने को कह दिया है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। अल्जीरियाई विदेश मंत्रालय ने कहा कि फ्रांस में एक अल्जीरियाई काउंसलर की गिरफ्तारी के बाद यह फैसला लिया गया है। इसके लिए फ्रांस के गृह मंत्री ब्रूनो रितेलो जिम्मेदार हैं। दोनों देशों के बीच हालिया विवाद 11 अप्रैल को शुरू हुआ था जब फ्रांस ने तीन अल्जीरियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया था। इसमें अल्जीरियाई काउंसलर भी शामिल थे। इन पर अप्रैल 2024 में एक अल्जीरियाई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अमीर बौखोर्स का किडनेप करने का आरोप है। अमीर 2016 से फ्रांस में रह रहे हैं। साल 2023 में उन्हें वहां राजनीतिक शरण मिल गई थी। वे अल्जीरियाई सरकार की आलोचना के लिए जाने जाते हैं। फ्रांस की जांच में सामने आया कि अपहरण में एक अल्जीरियाई काउंसलर का भी हाथ हो सकता है। काउंसलर का फोन अमीर के घर के आसपास देखा गया था। इसके बाद फ्रांस ने तीन अल्जीरियाई लोगों को किडनेपिंग, अवैध हिरासत और आतंकी संगठन से जुड़े होने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। अल्जीरिया ने फ्रांस की इस कार्रवाई को गलत बताया और कहा कि उनके काउंसलर को बिना किसी डिप्लोमैटिक सूचना के सार्वजनिक जगह से गिरफ्तार किया गया, जो उनके अधिकारों का उल्लंघन है।

यूनूस सरकार ने भारत से धागा लेना किया बंद : बांग्लादेश के लिए घातक होगा ये कदम

ढाका,16 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्ते सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। बांग्लादेश ने अब भारत से धागा लेना बंद कर दिया है। इससे माना जाने लगा है कि बांग्लादेश आत्मघाती कदम उठा रहा है। बांग्लादेशी नेशनल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू (एनबीआर) ने भारत से धागे (सूत) के आयात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। इस निर्णय के तहत बेनापोल, भोमरा, सोनामस्जिद, बंगलाबंहा और बुरिमारी जैसे प्रमुख भूमि बंदरगाहों के जरिए सूत आयात की अनुमति अब नहीं होगी। यह कदम बांग्लादेश टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन (बीटीएमए) की शिकायतों के बाद उठाया गया है, जिसमें दावा किया गया कि भारत से सस्ते सूत के आयात से स्थानीय टेक्सटाइल उद्योग को भारी नुकसान हो रहा है। बांग्लादेश की गारमेंट इंडस्ट्री देश की अर्थव्यवस्था का रीढ़ है। यह भारत से लगभग 95 प्रतिशत सूत आयात पर निर्भर है। 2024 में बांग्लादेश ने 1.25 मिलियन मीट्रिक टन सूत आयात किया, जो 2023 की तुलना में 31.5 प्रतिशत अधिक है।

हालांकि, बांग्लादेश के गारमेंट निर्यातकों ने इस निर्णय को आत्मघाती करार दिया है। बांग्लादेश निटवेयर मैनुफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन (बीकेएमईए) के अध्यक्ष मोहम्मद हातेम ने कहा कि यह कदम तैयार परिधान निर्यातकों के लिए लागत बढ़ाएगा और छोटे-मध्यम उद्यमों (एसएमबी) के लिए बाजार में प्रतिस्पर्धा को और कठिन कर देगा। 2023-24 में भारत ने बांग्लादेश को 11 बिलियन डॉलर का निर्यात किया, जिसमें सूत, कपास, इंजीनियरिंग सामान और पेट्रोलियम उत्पाद शामिल थे। वहीं, बांग्लादेश से भारत का आयात 1.8 बिलियन डॉलर रहा। हाल के महीनों में बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता और डॉलर की कमी के कारण भारतीय निर्यातकों को भुगतान में देरी का सामना करना पड़ा है।

सबसे सस्ता सूत देता है भारत - बीटीएमए का कहना है कि भारत से जमीन मार्ग के जरिए आयातित सूत की कीमत समुद्री मार्ग से आने वाले सूत की तुलना में काफी कम है, जिससे स्थानीय मिलों को प्रतिस्पर्धा में नुकसान उठाना पड़ रहा है। उदाहरण के लिए, बांग्लादेश में 30 सिंगल सूत की कीमत 3.40 डॉलर प्रति किलोग्राम है, जबकि भारत में यह 2.90 डॉलर और



अफगानिस्तान में आए भूकंप से हिल गई दिल्ली और एनसीआर

काबुल। सुबह सुबह अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में 5.6 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके भारत की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) सहित उत्तरी भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि भूकंप सुबह लगभग 4:44 बजे (भारतीय समयानुसार) आया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस भूकंप से अफगानिस्तान या भारत में किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में लोगों ने हल्के से मध्यम झटकों का अनुभव किया। यूरोपियन-मॉडिरेनियन सिस्मोलॉजिकल सेंटर (ईएमएससी) के अनुसार, भूकंप की गहराई 121 किलोमीटर थी और इसका केंद्र बवालान शहर से 164 किलोमीटर पूर्व में था। भूकंप विशेषज्ञों के अनुसार, दिल्ली और उत्तरी भारत हिमालयी क्षेत्र के करीब होने के कारण भूकंपीय रूप से संवेदनशील है। भारत के भूकंपीय जोन मानचित्र के अनुसार, दिल्ली जोन-4 में आता है, जो मध्यम से उच्च जोखिम वाला क्षेत्र है।

वियतनाम में 2.96 डॉलर प्रति किलोग्राम है।

भारत-बांग्लादेश संबंधों में हालिया तनाव - यह निर्णय भारत-बांग्लादेश व्यापार संबंधों में हाल के तनावों की कड़ी में नवीनतम कदम है। हाल ही में, भारत ने बांग्लादेश को तीसरे देशों में माल निर्यात के लिए अपने भूमि सीमा शुल्क स्टेशनों के माध्यम से ट्रांसशिपमेंट सुविधा को रद्द कर दिया था। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस सुविधा के कारण भारतीय हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर भीड़भाड़ बढ़ रही थी, जिससे भारत के

अपने निर्यात में देरी और लागत में वृद्धि हो रही थी। इसके अलावा, बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मुहम्मद यूनूस के हालिया बयान ने दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव को बढ़ा दिया। यूनूस ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को जमीन से घिरा क्षेत्र बताया और चीन को क्षेत्र में आर्थिक उपस्थिति बढ़ाने के लिए आमंत्रित किया था। भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापारिक संबंध दक्षिण एशिया में सबसे मजबूत रहे हैं, लेकिन हाल की घटनाओं ने इस रिश्ते को प्रभावित किया है।

यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस और स्वीडन में तनाव



रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर यूरोपीय देशों ने रूस पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। इसकी शुरुआत स्वीडन ने कर दी है। हाल ही में यूक्रेन मिसाइल हमले करने पर स्वीडन ने रूस के राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब किया है। स्वीडिश विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक इंटरनेशनल मानवीय नियमों के मुताबिक लोगों के बुनियादी ढांचों की सुरक्षा करना रूस का कर्तव्य और जिम्मेदारी है। इस मामले में स्वीडन ने रूस के राजदूत से अपने देश का रुख भी स्पष्ट करने को कहा है। इस तरह राजदूत को तलब करना यह दिखाता है कि स्वीडन यूक्रेन पर हमलों को लेकर रूस के प्रति खासा नाराज है। गौरतलब है कि रविवार को रूस ने यूक्रेन के सुमी शहर पर मिसाइल से हमला किया था। इस हमले में 35 लोग मारे गए थे।

शेख हसीना और उनके बेटे सहित 17 लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

ढाका,16 अप्रैल (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश की एक अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनके बेटे सजीब वाजेद जाँय और 16 अन्य लोगों के खिलाफ सरकारी भूखंडों के आवंटन में भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। अदालत ने यह आदेश एंटी करप्शन कमीशन (एसीसी) द्वारा दायर छह मामलों में से दो में आरोप स्वीकार करने के बाद दिया। अदालत ने ढाका समेत कई जिलों के पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे 29 अप्रैल तक वारंट की तामील की रिपोर्ट अदालत में पेश करें।

एसीसी ने अप्रैल 10 और 13 को पूर्वोच्चल भूखंड घोटाले से जुड़े चार अन्य मामलों में भी गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। इन सभी मामलों में अब शेख हसीना को एक सामान्य आरोपी के तौर पर नामित किया गया है। इस घटनाक्रम के बाद बांग्लादेश की राजनीति में हलचल मच गई है। जहां एक ओर विपक्षी दलों ने इस कार्रवाई का स्वागत किया है, वहीं सत्तारूढ़ दल आवामी लीग के समर्थकों ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया है।



एसीसी दस्तावेजों के अनुसार, शेख हसीना पर आरोप है कि उन्होंने शीर्ष अधिकारियों के साथ मिलकर ढाका के सेक्टर-27 स्थित पूर्वोच्चल न्यू टाउन परियोजना में 10 कट्टा आकार के छह भूखंडों का अवैध आवंटन अपने और अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर करवाया। आरोपितों में उनके बेटे सजीब वाजेद जाँय, बेटे सायमा वाजेद पुतुल, बहन शेख रिहाना, रिहाना के बच्चे रवाना मुजीब

सिद्दीकी बाँबी, अजमीना सिद्दीकी और ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीकी के नाम शामिल हैं। सभी को इन मामलों में फगर घोषित किया गया है। इन आरोपों से अलग, एसीसी ने ब्रिटेन की सांसद ट्यूलिप सिद्दीकी के खिलाफ एक और केस दर्ज किया है, जिसमें कहा गया है कि उन्होंने ढाका के गुलशन इलाके में एक रियल एस्टेट कंपनी से अवैध रूप से लगजरी फ्लैट प्राप्त किया।

सिंगापुर में लगी आग में फंसे बच्चों के लिए देवदूत बने भारतीयों को मिला जीवनरक्षक पुरस्कार

सिंगापुर,16 अप्रैल (एजेंसियां) ।

सिंगापुर में बीते सप्ताह लगी आग में फंसे बच्चों और लोगों को 18 भारतीयों ने देवदूत बनकर बचाया। अब इन देवदूतों की सराहना चौतरफा हो रही है। सिंगापुर सरकार के सिंगापुर नागरिक सुरक्षा बल (एससीडीएफ) ने सभी भारतीयों को सामुदायिक जीवनरक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया है। भारतीय श्रमिकों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए बच्चों को सुरक्षित आग से बाहर निकाला।

आठ अप्रैल की सुबह भारतीयों ने पास की इमारत से बच्चों की चोखें सुनीं और धुआँ निकलते देखा, तो वे तुरंत हरकत में आ गए। उन्होंने अपने निर्माण स्थल से मचान और सीढ़ी उठाई और सामने की इमारत में फंसे बच्चों को बचाने पहुंच गए। एससीडीएफ डिब्बीजन के कमांडर कर्नेल ताई जी वेई ने कहा कि सभी आग की घटनाओं के लिए समय महत्वपूर्ण है। इसलिए, हम वास्तव में जनता के रूसों को जान बचाई। एससीडीएफ अग्निशमन दल के पहुंचने से पहले 18 लोगों ने छह



एससीडीएफ के आने से पहले ही प्रतिक्रिया दी। उनकी बहादुरी, उनकी त्वरित कार्रवाई और उनके सामूहिक कार्य ने वास्तव में उस दिन लोगों की लड़की की बाद में एक अस्पताल में मौत हो गई थी। बच्चों को बचाने वालों

से 10 वर्ष की आयु के बच्चों और 23 से 55 वर्ष की आयु के छह वयस्कों को बचाया और उनकी देखभाल की। आग से बचाई गई 10 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई लड़की की बाद में एक अस्पताल में मौत हो गई थी। बच्चों को बचाने वालों

में चिन्नाप्पा कनन्दासन, हसन इमामुल, शकील मोहम्मद, दास तपोश, हसन राजीब, रवि कुमार, वरुवेल क्रिस्टोफर, गोविंदराज एलंगेश्वरन, मुथुकुमार मुगेश, इंद्रजीत सिंह, सिवासामी विजयराज, नागराजन अनबरसुल, सुब्रमण्यम सरनराज, इस्लाम शफीकुल, सुब्रमण्यम रमेशकुमार, बेन्सन लो, शेख अमीरुद्दीन बिन कमालुद्दीन और डॉ. लौरा बिफिन शामिल हैं।

बच्चे कूदना चाहते थे

बच्चों को बचाने में मदद करने वाले निजी-किराए के ड्राइवर बेन्सन लो ने कहा कि इमारत के किनारे पर मौजूद बच्चे कांप रहे थे और किनारे से कूदना चाहते थे। भारतीयों श्रमिकों ने उन्हें रुकने के लिए चिल्लाया। निर्माण श्रमिक शकील मोहम्मद, 35, साथी निर्माण श्रमिकों हसन इमामुल, 20, और चिन्नाप्पा कनन्दासन, 32 के साथ सबसे आगे थे। उन्होंने बच्चों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए मानव श्रृंखला बनाई।

हमास दे रहा धमकी कहा- ऐसा ही रहा तो इजराइल के सभी बंधक ताबूतों में ही लौटेंगे

गाजा। इजराइल ने हाल ही में मिस्र और कतर के मध्यस्थों को 45 दिन के अस्थायी युद्धविराम का प्रस्ताव दिया है, जिसमें बदले में 11 इजराइली बंधकों की रिहाई और हमास के हथियार डालने की मांग रखी गई है। हालांकि, हमास ने स्पष्ट किया है कि वह किसी भी तरह के निरस्त्रीकरण को स्वीकार नहीं करेगा। इसी बीच कसाम ब्रिगेड्स ने एक और वीडियो जारी कर बंधकों के परिवारों को चेताया कि यदि इजराइली हमले जारी रहे, तो उनके बच्चे ताबूतों में लौटेंगे, शरीर टुकड़ों में बिखरे होंगे। उधर, व्हाइट हाउस के विशेष दूत स्टीव विटकोफ ने कहा है कि एडन एलेक्जेंडर की रिहाई ट्रप प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता है। इसी विषय पर पिछले महीने हमास और अमेरिकी प्रतिनिधियों के बीच वार्ता भी हुई थी। संयुक्त राष्ट्र ने गाजा में मानवीय हालात को अब तक के सबसे खराब स्तर पर बताया है। इजराइल की ओर से लगातार बमबारी और जनवरी 2024 के बाद से फिर से लगाए गए पूर्ण प्रतिबंधों ने भोजन, ईंधन और दवा जैसी जरूरी चीजों की आपूर्ति को लगभग असंभव बना दिया है। जानबूझकर बमबारी करने का आरोप इजराइल के हमलों के बीच हमास के सशस्त्र विंग कसाम ब्रिगेड्स ने दावा किया है कि इजराइली सेना ने जानबूझकर उस स्थान पर बमबारी की है, जहां अमेरिकी मूल के नागरिक एडन एलेक्जेंडर को कैद में रखा गया था। संगठन के मुताबिक, इस हमले के बाद से उनका बंधक और उसे कैद करने वाले समूह से संपर्क टूट गया है। हमास का आरोप है कि इजराइल, बंधकों की हत्या कर उन्हें छुड़ाने के लिए बने अंतरराष्ट्रीय दबाव से बचना चाहता है। जिंदा देखा गया था अमेरिकी बंधक शनिवा को हमास ने एक वीडियो जारी किया था, जिसमें 21 वर्षीय एलेक्जेंडर को जिंदा दिखाया गया।



यूएफा चैंपियंस लीग 2024-25 : गुइरासी की हैट्रिक रही बेकार, बार्सिलोना से हारकर डॉर्टमंड टूर्नामेंट से बाहर

डॉर्टमंड, 16 अप्रैल (एजेंसियां) । यूएफा चैंपियंस लीग 2024-25 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सहरो गुइरासी ने शानदार हैट्रिक लगाई, लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम बोरुसिया डॉर्टमंड प्रतियोगिता से बाहर हो गई। डॉर्टमंड ने दूसरे चरण में बार्सिलोना को 3-1 से हराया, लेकिन पहले चरण में 4-0 की करारी हार के कारण कुल 5-3 के अंतर से पराजित होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। वहीं, बार्सिलोना ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। पहले चरण की बड़ी हार के बाद डॉर्टमंड ने किया जोरदार हमला – पहले चरण में 4-0 की हार झेलने के बाद डॉर्टमंड के पास खोने के लिए कुछ नहीं था। टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और बार्सिलोना को बैकफुट पर धकेल दिया। गुइरासी ने पहले चरण में कई अवसर गंवाए थे, लेकिन इस बार उन्होंने 11वें मिनट में पेनल्टी पर कोई गलती नहीं की और अपनी टीम को बढ़त दिलाई। गुइरासी की हैट्रिक, लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया दूसरे हाफ में गुइरासी ने 49वें मिनट में हेड से दूसरा गोल किया। इसके बाद 76वें मिनट में नजदीक से तीसरा गोल कर हैट्रिक पूरी की। इसी के साथ वे इस सत्र में यूएफा चैंपियंस लीग के सर्वोच्च गोल स्कोरर बन गए, उनके नाम अब 13 गोल हो गए हैं। हालांकि, इस बीच रामी बेन्सेबाइनी का आत्मघाती गोल डॉर्टमंड के लिए भारी पड़ गया और उनकी वापसी की उम्मीदों को झटका लगा। बार्सिलोना ने बचाई बहुत, सेमीफाइनल में पहुंची डॉर्टमंड ने अंत तक बराबरी की कोशिश की, लेकिन बार्सिलोना ने अपनी बढ़त को कायम रखा और सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अब बार्सिलोना का सामना इंटर मिलान या बायर्न म्यूनिख से होगा।

मैच का कुल स्कोर:
पहला चरण: बार्सिलोना 4-0 डॉर्टमंड
दूसरा चरण: डॉर्टमंड 3-1 बार्सिलोना
कुल स्कोर: बार्सिलोना 5-3 डॉर्टमंड।

न्यूज़ ब्रीफ

सुदीरमन कप के लिए भारतीय टीम घोषित सात्विकसाईंराज और चिराम शामिल

नई दिल्ली। चीन के जियामेन में 27 अप्रैल से 4 मई तक होने वाले बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप बैडमिंटन फाइनल 2025 के लिए 14 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी गयी है। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) ने इस टूर्नामेंट के लिए सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी और चिराम शेड्डी की पुरुष युगल जोड़ी को भी शामिल किया है। टीम में ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु, के अलावा लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय को भी शामिल किया गया है। सुदीरमन कप एक द्विवार्षिक टूर्नामेंट है, वे विश्व मिश्रित टीम चैंपियनशिप के नाम से भी जाना जाता है। इसमें 16 टीमों हिस्सा लेंगी। ड्रॉ के दौरान चार वरीयता प्राप्त टीमों को अलग-अलग समूहों में रखा गया था, जिसमें गत चैंपियन और मेजबान चीन ग्रुप ए में शीर्ष वरीयता प्राप्त है। भारतीय बैडमिंटन टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2011 और 2017 में आया था, जब वे क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। पिछले संस्करण में, भारत मलेशिया और चीनी ताइपे से हारने के बाद ग्रुप चरण में ही बाहर हो गया था। भारत ने अपनी विश्व रैंकिंग के आधार पर इस मिश्रित टीम चैंपियनशिप के लिए प्रवेश हासिल किया है। इसमें पूर्व चैंपियन इंडोनेशिया, दो बार के उपविजेता डेनमार्क और इंग्लैंड की टीम भी शामिल है। इसमें सभी पांच श्रेणियों में सबसे बेहतर संयोजन रखा गया गया है। बीएआई के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, हम अब टाई जीतने के लिए एक या दो मुकाबलों पर निर्भर नहीं हैं और यह हमें किसी भी टीम इवेंट में एक बड़ी ताकत बनाता है। हमें भरोसा है कि टीम न केवल ग्रुप चरणों में प्रभावित करेगी बल्कि पदक जीतकर एक उपलब्धि हासिल करेगी। हाल ही में हुई बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन से भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। सिंधु, लक्ष्य और प्रणय के होने से टीम में अप्रत्यक्ष अनुभव आयेगा। वहीं सात्विक और चिराम के आने से टीम की ताकत बढ़ेगी। अनुभवा उपाध्याय सिंधु के बाद टीम में दूसरी महिला एकल खिलाड़ी होगी। इसके अलावा, प्रिया कौनजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की युवा जोड़ी भी शामिल है। सुदीरमन कप में प्रत्येक मुकाबले में पांच मैच होते हैं। इसमें ड्रॉ के दौरान चार वरीयता प्राप्त टीमों को अलग-अलग समूहों में रखा गया था, जिसमें गत चैंपियन और मेजबान चीन ग्रुप ए में शीर्ष वरीयता प्राप्त है।

कांबली की सहायता के लिए आगे आये गावसकर

मुम्बई। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर विनोद कांबली की सहायता के लिए सामने आये हैं। गावस्कर ने इससे पहले एक समारोह में वादा किया था कि वह आर्थिक तंगी से जुड़ा रहे कांबली की सहायता करेंगे। जिसे अब वह पूरा करने जा रहे हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार गावस्कर अपने चैम्प्स फाउंडेशन के जरिए कांबली की मदद के लिए आगे आए हैं। यह संगठन उन पूर्व अंतरराष्ट्रीय खेल हस्तियों की मदद करता है, जिन्हें वित्तीय सहायता की जरूरत होती है। इससे अब हर माह कांबली को 30,000 रुपये की सहायता मिलेगी। इसके अलावा उन्हें सालाना 30,000 रुपये की चिकित्सा सहायता भी मिलेगी। गावस्कर ने कहा था कि वह और 1983 विश्व कप विजेता टीम युवा खिलाड़ियों को लेकर बहुत सजग है, जिनमें से कुछ उनके बेटे और पोते जैसे हैं। इसके बाद उन्होंने वादा किया कि वे कांबली का ख्याल रखना चाहते हैं और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने में सहायता चाहते हैं। हम भविष्य में वया करेंगे, यह हम देखेंगे।

केकेआर में बने रहने मैंने 9 से 10 करोड़ रुपये के प्रस्ताव टुकराये : रमनदीप

नई दिल्ली। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे युरे ऑलराउंडर रमनदीप सिंह ने कहा है कि मेगा नीलामी से पहले उन्हें दूसरी टीमों से 9 से 10 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव आया था पर उन्होंने केकेआर को नहीं छोड़ा। रमनदीप की पिछले साल केकेआर की खिताबी जीत में अहम भूमिका रही थी। इसी कारण उन्हें कई टीम शामिल करने के लिए तैयार थी। 2024 में उन्होंने केकेआर के लिए कई अच्छी पारियां खेली थी। यही कारण था कि केकेआर ने उन्हें चार करोड़ रुपये में टीम में बनाये रखा। रमनदीप ने कहा, नीलामी से पहले कई टीम ने मुझसे संपर्क किया था। इसमें मुझसे कहा गया था कि टीम में बने मत रहना, हम आपको नीलामी में 9 से 10 करोड़ रुपये दे सकते हैं पर मेरे लिए ईमानदारी मायने रखती है क्योंकि जब मुझे जरूरत थी तब केकेआर ने मुझे मंच दिया था। वहीं इस बार जब रिटर्नशन का फैसला होना था, तब वेंडी सर ने फोन करके कहा, 'आह हमारी रिटर्नशन योजनाओं में शामिल हैं, आप क्या सोच रहे हैं।'।

2022 के बाद पहली बार आईपीएल में सुपर ओवर से निकला नतीजा, राजस्थान को हराकर शीर्ष पर पहुंची दिल्ली

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां) । आईपीएल 2025 में लगातार सांस थामने वाले मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। लेकिन अभी तक एक भी सुपर ओवर नहीं हुआ था। दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच अरुण जेटली स्टेडियम पर हुए मुकाबले का नतीजा सुपर ओवर में निकला। पहले बैटिंग करते हुए दिल्ली ने 5 विकेट पर 188 रन बनाए। जवाब में राजस्थान भी 20 ओवर में 4 विकेट पर 188 रन ही बना पाई। सुपर ओवर में पहले खेलेत हुए राजस्थान ने मिचेल स्टार्क के खिलाफ 11 रन ठोके।

दिल्ली ने चार गेंदों पर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। ट्रिस्टन स्टब्स ने छक्के के साथ मैच फिनिश किया। इस जीत ने दिल्ली को टेबल में टॉप पर पहुंचा दिया है।स्टार्क ने 9 रन नहीं बनाने दिए। आखिरी ओवर में राजस्थान को जीत के लिए 9 रन चाहिए थे। हेटमायर के साथ ध्रुव जुरेल क्रीज पर थे। मिचेल स्टार्क ने ओवर में सिर्फ 8 रन दिए। पहली दो गेंदों पर 1-1 रन बनाए। इसके बाद तीसरी ओवर चौथी गेंद पर 2-2 रन बने। आखिरी दो गेंद पर राजस्थान को जीत के लिए तीन रन चाहिए थे।

स्टार्क ने सिर्फ दो रन दिए और इस तरह मुकाबला सुपर ओवर में पहुंच गया।सुपर ओवर में क्या क्या हुआ? सुपर ओवर में राजस्थान ने शिमरोन हेटमायर के साथ रियान परगो को भेजा। शुरुआत चार गेंदों पर दोनों ने दो चौके मारे। लेकिन फिर फ्री हिट पर रियान परगो रन में यशस्वी जायसवाल को आसान कैच दे बैठे। करुण नायर खाता खोले बिना रन आउट हो गए। पोरेल ने दूसरे ओवर में तुषार देशपांडे को निशाना बनाते हुए 23 रन बटोरे। गेंद के थोड़ा पुराना होने के बाद बल्लेबाजों को रन बनाने में थोड़ी

आईटीटीएफ महिला विश्वकप

मकोओ में आईटीटीएफ महिला विश्वकप में खेलती हुई लिंडा बरगेस्ट्रोम।

आईएसएसएफ विश्व कप : सुरुचि इंदर सिंह ने स्वर्ण, मनु भाकर ने रजत पर किया कब्ज़ा, सौरभ चौधरी को कांस्य

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां) । पेरू के लीमा में चल रहे अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप में भारतीय निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सुरुचि इंदर सिंह ने स्वर्ण और मनु भाकर ने रजत पदक अपने नाम किया। वहीं, पुरुष वर्ग में सौरभ चौधरी ने कांस्य पदक जीतकर लंबे समय बाद वापसी की।

18 वर्षीय सुरुचि ने मनु को 1.3 अंकों से हराया

सुरुचि इंदर सिंह ने चयन दौर (क्वालिफिकेशन राउंड) में 582 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि मनु भाकर ने 578 अंकों के साथ अंतिम आठ (फाइनल-8) में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में सुरुचि

ने बेहतरीन निशानेबाजी करते हुए 243.6 अंक अर्जित किए और अपनी अनुभवी साथी निशानेबाज मनु भाकर (242.3) को 1.3 अंकों से पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया। सौरभ चौधरी ने 2022 के बाद जीता पहला व्यक्तिगत पदक

पुरुषों की 10 मीटर एयर

ने 241.0 अंक बनाकर रजत पदक हासिल किया। सौरभ ने 219.1 अंक बनाकर कांस्य पदक प्राप्त किया।

वरुण तोमर और अन्य भारतीय निशानेबाजों का प्रदर्शन

अंतिम आठ में पहुंचे एक अन्य भारतीय वरुण तोमर ने 198.1 अंकों के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया। चयन दौर में आकाश भारद्वाज ने तीसरे सर्वश्रेष्ठ 583 अंक बनाए, लेकिन वह रैंकिंग अंक हेतु (आरपीओ) के अंतर्गत खेल रहे थे, इसलिए पदक स्पर्धा में भाग नहीं ले सके। रविंदर सिंह (574) और अमित शर्मा (573) ने क्रमशः 12वें और 16वें स्थान पर स्थान प्राप्त किया।

ओलंपिक 2028: क्रिकेट के आयोजन स्थल की घोषणा, अमेरिका के पोमोना में बनेगा खास अस्थायी स्टेडियम

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां) । ओलंपिक खेलों में 124 साल बाद क्रिकेट की वापसी होने जा रही है और इसके लिए अमेरिका के साउदर्न कैलिफोर्निया के पोमोना शहर में खास अस्थायी स्टेडियम बनाया जाएगा। जो इस खेल का आयोजन स्थल होगा। एलए 28 ओलंपिक आयोजक समिति ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। यह आयोजन स्थल फेयरप्लेक्स कहलाता है, जो 500 एकड़ में फैला हुआ है और 1922 से लॉस एंजेलिस कार्डेटी फेयर को मेजबानी कर रहा है। 14 जुलाई से 30 जुलाई तक होंगे ओलंपिक 2028 – लॉस एंजेलिस में 14 जुलाई से 30 जुलाई 2028 तक होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट 1900 के बाद पहली बार शामिल होगा। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच दो दिवसीय मुकाबला खेला गया था। अब क्रिकेट का आयोजन तेज-तर्रार और रोमांचक झू20 फॉर्मेट में होगा, जिससे दुनियाभर के नए दर्शकों को जोड़ने की कोशिश होगी।

पुरुष और महिला वर्ग में 6-6 टीमों लेंगी हिस्सा – एलए 28 ओलंपिक में पुरुष और महिला वर्ग में कुल 6-6 टीमों खेलेंगी। इसके लिए क्रिकेट को 90 एथलीट कोटा मिला है, यानी हर टीम में 15

खिलाड़ियों का स्काड होगा। हालांकि क्वालिफाइंग रास्ता और कट-ऑफ्स का ऐलान अभी नहीं हुआ है। आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने दी

करुण नायर की पत्नी सनाया भी सोशल मीडिया पर है काफी सक्रिय
मुम्बई। आईपीएल के इस सत्र में करुण नायर ने तीन साल बाद वापसी करते हुए पहले ही मैच में इम्पेक्ट फेयर के तौर पर धमाकेदार पारी खेलकर सबको हेरान कर दिया। करुण को इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स ने शामिल किया था। करुण ने अपने पहले ही मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 40 गेंदों पर ही 89 रन बनाये। इस मैच के दौरान सोशल मीडिया पर करुण नायर की पत्नी सनाया भी जमकर ट्रेंड हुई। सनाया और करुण ने प्रेम विवाह किया था। वह सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रही हैं। सनाया ने करुण की आईपीएल में वापसी के जश्न की तस्वीरें भी सोशल मीडिया में जारी की थीं। सनाया एक मीडिया पेशेवर और खेल और मनोरंजन सलाहकार हैं। इस जोड़े ने जून 2019 में गोवा में सगाई की और जनवरी 2020 में उदयपुर में शादी की, जिसमें पारसी और मलयाली दोनों परंपराओं को दर्शाया गया है। उनके मित्रों और परिवारों के अलावा, नायर के सहकर्मी और टीम के साथी खिलाड़ी अजिंक्य रहाणे, शार्दूल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, वरुण पर्सौन और श्रेयस अय्यर उनके विवाह समारोह में शामिल हुए थे। सनाया सोशल मीडिया में आमनीत पर अपने पारिवारिक जीवन के पलों को साझा करती हैं और अपने पति के क्रिकेट करियर में सहयोग के पलों की तस्वीरें साझा करती रही हैं।

प्रतिक्रिया – आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा, हम क्रिकेट के लिए ओलंपिक में वेन्यू की घोषणा का स्वागत करते हैं। यह हमारे खेल की ओलंपिक में वापसी की तैयारी को दिशा में अहम

कदम है। क्रिकेट वैसे तो एक बेहद लोकप्रिय खेल है, लेकिन ओलंपिक जैसे मंच पर टी 20 फॉर्मेट में खेलना नई ऑडियंस तक पहुंचने का शानदार अवसर होगा।

इंडसइंड बैंक के पोर्टफोलियो में लेखा चूक से करीब 2 हजार करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां) ।
इंडसइंड बैंक ने बताया कि वायदा-विकल्प पोर्टफोलियो में लेखा चूक होने से बैंक को करीब 2 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, जिसका खुलासा बाहरी एजेंसी की जांच के बाद पता चला है।

पिछले महीने बैंक में हुई इस हलचल की खबरें बाहर आने के बाद इंडसइंड के शेयरों में भी बड़ी गिरावट देखी गई थी अब बैंक ने अपने एफएंडओ सौदों से संबंधित

विसंगतियों के कारण दिसंबर, 2024 तक अपनी कुल संपत्ति पर 2.27 फीसदी के प्रतिकूल प्रभाव का आकलन किया है।

निजी क्षेत्र के इस बैंक ने कहा था कि वायदा-विकल्प पोर्टफोलियो में लेखा संबंधी चूक से दिसंबर, 2024 तक बैंक की कुल संपत्ति पर करीब 2.35 फीसदी का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का अनुमान है। इसके बाद बैंक ने अपने बही-खातों पर हुए प्रभाव और कई स्तर पर खामियों का पता लगाने व सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देने के लिए बाहरी एजेंसी पौडब्ल्यूसी को नियुक्त किया है।

इंडसइंड बैंक ने अपने बही खातों में हुई

चूक की जांच के लिए बाहरी एजेंसी पौडब्ल्यूसी को नियुक्त किया है, जिसने मामले का खुलासा किया है। इंडसइंड बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में 30 जून, 2024 तक बही खाते में हुई चूक के नकारात्मक प्रभाव को 1,979 करोड़ रुपए आंका है। बैंक ने बताया कि उसके 2024–25 की फाइनेंशियल डिटेल में इसके प्रभाव को उचित रूप से दर्शाया जाएगा और एफएंडओ को लेकर भविष्य में ज्यादा सतर्कता बरती जाएगी।

इंडसइंड बैंक के बोर्ड ने लेखा खामियों के फॉरेंसिक ऑडिट के लिए ग्लोबल एजेंसी ग्रांट थॉर्नटन को भी नियुक्त किया है। ग्रांट

थॉर्नटन बैंक में आई विसंगतियों के मूल कारण की पहचान करने और प्रचलित लेखा मानकों के संबंध में वायदा-विकल्प अनुबंधों की व्यापक जांच करेगा। इसके अलावा फर्म लेखांकन में विसंगतियों के लिए जवाबदेही तय करेगी। इंडसइंड बैंक में इस चूक की खबर सामने आने के बाद मार्च में बैंक के शेयरों में लगातार गिरावट देखी गई है। इससे बैंक का स्टॉक 52 सप्ताह के निचले स्तर पर चला गया था। 12 मार्च को बैंक के शेयरों का भाव 606 रुपए तक चला गया था। बाद में इसमें तेजी से सुधार आया और 15 अप्रैल को बैंक के शेयर 735.50 रुपए के भाव पर बंद हुए थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राष्ट्र–प्रथम...

उसकी सुनवाई गुरुवार 25 अप्रैल को होगी।
यंग इंडिया लिमिटेड नामक कंपनी नेशनल हेराल्ड को संचालित करती है। इस कंपनी में 76 प्रतिशत शेयर सोनिया गांधी और राहुल गांधी के हैं। दोनों मां–बेटे के इसमें 38–38 प्रतिशत शेयर हैं। पहले नेशनल हेराल्ड का स्वामित्व एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड के पास था, लेकिन यंग इंडिया लिमिटेड ने इसका अधिग्रहण कर लिया। 11 फरवरी को ईडी ने इस मामले से जुड़ी 661 करोड़ रुपए की सम्पत्ति जब्त करने की कार्रवाई शुरू की थी। ये सम्पत्तियां दिल्ली, मुंबई और लखनऊ जैसे बड़े शहरों में थी। इसमें दिल्ली में बहादुरशाह जफर मार्ग स्थित हेराल्ड हाउस भी शामिल है। यंग इंडिया लिमिटेड के बचे हुए 24 प्रतिशत शेयर कांग्रेस नेताओं मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडिस के नाम था। दोनों अब मरहूम हो चुके हैं। उनके निधन के बाद उनके शेयरों पर किसी ने दावा नहीं ठोका। ईडी का कहना है कि ये शेयर भी सोनिया और राहुल के पास ही चले गए, यानी दोनों मां–बेटे 100 प्रतिशत शेयरों के मालिक बन गए। यंग इंडिया लिमिटेड का गठन 23 नवंबर, 2010 को हुआ था। कांग्रेस ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड को 90 करोड़ रुपए का ऋण दे रखा था, जिसे मात्र 50 लाख रुपए में सेटल करते हुए यंग इंडिया लिमिटेड ने संस्था के 2000 करोड़ रुपए की सम्पत्तियों पर नियंत्रण स्थापित कर लिया।

मनी लॉन्ड्रिंग के लिए फर्जी डोनेशन और फर्जी रेंट एग्रीमेंट्स का जुगाड़ किया गया। करोड़ों रुपए की हेराफेरी हुई। 2012 में सुब्रमण्यन स्वामी द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर इस मामले की जांच शुरू की गई थी। 2022 में राहुल गांधी इस मामले में पूछताछ के लिए 5 बार ईडी के समक्ष हाजिर हुए थे। सीबीआई भी इस मामले की जांच कर रही है, इसका मनी लॉन्ड्रिंग वाला हिस्सा ईडी के पास है। पूरा मामला आपराधिक साजिश का भी बताया गया है। भोपाल के प्रेस कॉम्प्लेक्स में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड को 1981 में 1.14 एकड़ जमीन महज 1 लाख रुपए में 30 साल के लिए लीज पर आवंटित की गई थी। एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड ने उस समय अंग्रेजी दैनिक नेशनल हेराल्ड, हिंदी दैनिक नवजीवन और उर्दू दैनिक कौमी आवाज प्रकाशित की थी। 2011 में लीज समाप्त होने के बाद भोपाल विकास प्राधिकरण यहां मालिकाना हक लेने पहुंचा तो पाया कि इसका इस्तेमाल समाचार पत्रों के प्रकाशन के बजाय व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा था।समाचार पत्रों का प्रकाशन तो 1992 में ही बंद हो चुका था और उसके बाद से इसका कॉमर्शियल इस्तेमाल हो रहा था। प्रेस को दिए गए प्लॉट पर व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स बनने का पता चलने के बाद भोपाल विकास प्राधिकरण ने इसे अपने कब्जे में लेने की कार्रवाई शुरू की लेकिन इसी बीच कई खरीददार सामने आ गए और मामला अदालत पहुंच गया। इस वजह से कार्रवाई बीच में ही अटक गई। हालांकि, 2012 में भोपाल विकास प्राधिकरण ने इस प्लॉट की लीज को रद्द कर दिया था लेकिन तब से लेकर अब तक इस प्लॉट के अलग–अलग खरीददार और भोपाल विकास प्राधिकरण के बीच मालिकाना हक को लेकर मामला कोर्ट में विचाराधीन है।हरियाणा के गुरुग्राम के एक जमीन घोटाले के मामले में सोनिया गांधी के दामाद और राहुल गांधी के बहनोई रॉबर्ट वाड्रा से भी प्रवर्तन निदेशालय ने पूछताछ की है। रॉबर्ट वाड्रा की पत्नी प्रियंका गांधी केरल के वायनाड से सांसद हैं, ये सीट उनके भाई राहुल गांधी ने उनके लिए छोड़ दी थी। उनसे 6 घंटे पूछताछ हुई है। इससे पहले 8 अप्रैल को उन्हें समन भेजा गया था लेकिन वो पेश नहीं हुए थे। दूसरे समन के बाद वो पेश हुए। उन्हें बुधवार को फिर से पूछताछ के लिए बुलाया गया था। वर्ष 2008 में गुरुग्राम के शिकोहपुर रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काइलाइट हॉस्पिटैलिटी ने जमीन खरीदी थी। 7.5 करोड़ में करीब 3 एकड़ की जमीन ली गई। हरियाणा की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने कोलौनी बनाने की अनुमति दी। इसके बाद ये जमीन रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी ने डीलएलएफ को 58 करोड़ रुपए में बेच दी।नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की जांच, पटयाला हाउस कोर्ट में 26.06.2014 के आदेश के आधार पर शुरू की गई। 2013 में सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मोतीलाल वोरा, ऑस्कर फर्नांडिस, सुमन दुबे, सैम पिनोदा और मेसर्स यंग इंडियन के खिलाफ धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडिस का निधन हो चुका है इसलिए उनका नाम चार्जशीट में शामिल नहीं है। ईडी की जांच को आरोपियों ने दिल्ली उच्च न्यायालय और फिर सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। हालांकि दोनों अदालतों ने मुकदमे की प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने से इन्कार कर दिया।वर्ष 2010 में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल), यंग इंडियन (वाईआई) के प्रमुख अधिकारियों और कांग्रेस के पदाधिकारियों ने मिल कर एजेएल की 2,000 करोड़ रुपए की सम्पत्तियां हड़पने के लिए 99 प्रतिशत शेयर यंग इंडियन नामक एक निजी कंपनी को सिर्फ 50 लाख रुपए में स्थानांतरित कर दिए। यंग इंडिया में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के पास कुल मिलाकर 76 प्रतिशत शेयर थे। ईडी का कहना है कि आरोपियों ने एआईसीसी द्वारा एजेएल को दिए गए 90.21 करोड़ रुपए के बकाया कर्ज को 9.02 करोड़ इकिटी शेयरों में बदल दिया और इन सभी शेयरों को यंग इंडियन के पक्ष में सिर्फ 50 लाख रुपए में ट्रांसफर कर दिया। इस तरह से एजेएल की हजारों करोड़ रुपए की सम्पत्तियों को सोनिया गांधी और राहुल गांधी को ट्रांसफर कर दिया गया। यंग इंडिया पर राहुल गांधी और सोनिया गांधी का नियंत्रण था क्योंकि इनके पास 76 प्रतिशत शेयर थे। बाकी 24 प्रतिशत शेयर दिवंगत मोतीलाल वोरा और दिवंगत ऑस्कर फर्नांडीस के पास थे, जो सोनिया गांधी और राहुल गांधी के करीबी माने जाते थे। चार्जशीट में कहा गया है कि प्रवर्तन निदेशालय ने 20.11.2023 को अंतरिम कुर्की आदेश जारी करके एजेएल की 752 करोड़ रुपए की सम्पत्तियां कुर्क की। एजेंसी का कहना है कि पीएमएलए के तहत ईडी ने जो जांच में पाया है वो 27.12.2017 के आयकर विभाग के मूल्यांकन की तरह ही है। आयकर विभाग ने इस मामले में 414 करोड़ रुपए टैक्स में धोखाधड़ी पाया था।ईडी ने इस मामले में कमाई के रूप में 988 करोड़ रुपए और सम्पत्तियों की मौजूदा कीमत 5000 रुपए बताया है। ईडी के मुताबिक यंग इंडिया को 23.11.2010 को एसपीवी के रूप में शामिल किया गया था। एजेएल ने 2008 में अपनी प्रकाशन गतिविधि बंद कर दी। ईडी का कहना है कि आरोपियों ने यंग इंडिया के मालिकों सोनिया गांधी और राहुल गांधी को एजेएल की सैकड़ों करोड़ रुपए की सम्पत्तियों का नियंत्रण देने के लिए एक आपराधिक साजिश रची थी। वाईआई यानी यंग इंडिया ने एजेएल से एआईसीसी द्वारा उसे सौंपे गए 90.21 करोड़ रुपए के ऋण को चुकाने या इस ऋण को इकिटी में बदलने के लिए कहा। एजेएल, वाईआई और एआईसीसी में एक ही लोगों की नियुक्ति हुई। जांच एजेंसी का कहना है कि इन तीनों संस्थाओं में पदों पर

बैठे लोगों के एक ही समूह द्वारा प्रस्ताव पारित करके वाईआई को 50 लाख रुपए की मामूली राशि के लिए 90.21 करोड़ रुपए का ऋण सौंपा गया था। ईडी का आरोप है कि यंग इंडियन को एजेएल के 9.021 करोड़ शेयर आवंटित किए गए। यंग इंडिया कथित तौर पर एजेएल की होल्डिंग कंपनी बन गई, जिसके पास 99 प्रतिशत शेयर थे और अन्य शेयरधारकों की इकिटी घटकर 1 प्रतिशत रह गई। जांच में मिले कई दस्तावेज, अभियुक्तों और गवाहों के बयान की रिकॉर्डिंग के आधार पर ईडी ने 5,000 करोड़ रुपए से अधिक के मौजूदा बाजार मूल्य के आधार पर आरोप पत्र तय किया गया।नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को विरोध करने का अधिकार है, लेकिन उसे सरकारी सम्पत्तियों का दुरुपयोग करने और इसे नेशनल हेराल्ड को देने का अधिकार नहीं है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि सभी को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी जमानत पर बाहर हैं। कांग्रेस को सरकारी सम्पत्तियों का दुरुपयोग करने का कोई अधिकार नहीं है।नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राहुल गांधी, सोनिया गांधी और अन्य के खिलाफ ईडी की शिकायत पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को विरोध करने का अधिकार है, लेकिन उसे सरकारी सम्पत्तियों का दुरुपयोग करने और इसे नेशनल हेराल्ड को देने का अधिकार नहीं है। इस पूरी सम्पत्ति को परिवार के हाथों में पहुंचाने के लिए बहुत ही दिलचस्प तरीके से साजिश रची गई। ये सम्पत्तियां दिल्ली में बहादुर शाह जफर मार्ग पर एक सम्पत्ति, मुंबई, लखनऊ, भोपाल और पटना में सम्पत्तियां हैं। उन्होंने कहा कि यंग इंडिया लिमिटेड को एक धर्माश्र संगठन माना जाता था, लेकिन अब तक यह पता नहीं चला है कि इसने क्या दान किया? 50 लाख रुपए में 90 करोड़ रुपए लिखकर हजारों करोड़ रुपए की सम्पत्ति हासिल कर ली। एक बात ध्यान में रखनी चाहिए कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने मामले को खत्म करने के लिए हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली।भाजपा सांसद ने कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी को जवाब देना चाहिए कि कानून को अपना काम करने देना चाहिए या नहीं? नरेंद्र मोदी की सरकार कानून को अपना काम करने देगी। सरदार पटेल ने कहा था कि नेशनल हेराल्ड को पैसे देने वाले लोग अच्छे लोग नहीं हैं। फिर भी एक अखबार जिसे कांग्रेस पार्टी का पूरा संरक्षण प्राप्त था, वह क्यों नहीं पणप सका? क्योंकि यह अखबार केवल विज्ञापन इकट्ठा करने और सरकारी सहयोग से सम्पत्ति बनाने का साधन था। जिस अखबार से आजादी के लिए लड़ रहे लोगों की आवाज को मजबूत करने की उम्मीद थी, उन्होंने उस अखबार को निजी व्यवसाय, एटीएम बना दिया।

अमेरिका भारत...

जबकि 2023–24 में यह 42.2 अरब डॉलर था। अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष पिछले वित्त वर्ष में 41.18 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया है, जो 2023–24 में 35.32 बिलियन अमरीकी डॉलर था।2024 में, अमेरिका भारत ने जिन प्रमुख चीजों का निर्यात किया उनमें औषधि निर्माण और जैविक (8.1 अरब डॉलर), दूसरंगत उपकरण (6.5 अरब डॉलर), कीमती और अर्ध–कीमती पत्थर (5.3 अरब डॉलर), पेट्रोलियम उत्पाद (4.1 अरब डॉलर), सोना और अन्य कीमती धातु के आभूषण (3.2 अरब डॉलर), सहायक उपकरण सहित सूती रेशम वस्त्र (2.8 अरब डॉलर), और लोहा और इस्पात के उत्पाद (2.7 अरब डॉलर) शामिल हैं। आयात के प्रमुख उत्पादों में कच्चा तेल (4.5 अरब डॉलर), पेट्रोलियम उत्पाद (3.6 अरब डॉलर), कोयला, कोक (3.4 अरब डॉलर), कटे और पॉलिश किए हुए हीरे (2.6 अरब डॉलर), इलेक्ट्रिक मशीनरी (1.4 अरब डॉलर), विमान, अंतरिक्ष यान और उसके पुर्जें (1.3 अरब डॉलर) और सोना (1.3 अरब डॉलर) शामिल हैं।आने वाले वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार में तेजी आने की उम्मीद है क्योंकि दोनों देश एक कारोबारी समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। इसका मकसद 2030 तक वस्तुओं और सेवाओं में दो तरफा वाणिज्य को वर्तमान 191 अरब डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करना है।दुनियाभर में छिड़े टैरिफ युद्ध का भारत और अमेरिका की व्यापारिक साझेदारी पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। यह ग्राफ लगातार बढ़ ही रहा है। इसे देखर बौखलाए चीन ने भारत के साथ अपने संबंध सुधारने की पहल तेज कर दी है। पिछले दिनों चीन ने टैरिफ–युद्ध का मुकाबला करने के लिए भारत से भी सहयोग मांगा था। इसे और प्रगाढ़ करते हुए चीन ने भारतीयों को वीजा देने का सिलसिला भी तेज कर दिया है। भारत स्थित चीन के दूतावास ने इस साल 9 अप्रैल तक 85 हजार भारतीय नागरिकों को वीजा दिया है। दोनों देशों के बीच लोगों के लोगों से संबंधों को बेहतर करने की दिशा में यह अहम कदम है। भारत में चीन के राजदूत शू फेहोंग ने बताया कि इस साल 9 अप्रैल 2025 तक चीनी दूतावास ने भारतीय नागरिकों को 85 हजार से ज्यादा वीजा जारी किए हैं। चीन में और भारतीय दोस्तों का स्वागत करेंगे ताकि वे चीन में खुले, सुरक्षित, वाइब्रेंट और मित्रवत माहौल का अनुभव कर सकें।गौरतलब है कि चीन की सरकार ने भारतीय नागरिकों के लिए कई छूट शुरू की हैं, जिनके तहत भारतीय आवेदक बिना किसी पूर्व ऑनलाइन अपॉइंटमेंट के कार्य दिवसों में सीधे वीजा केंद्र पर आवेदन जमा कर सकते हैं। साथ ही थोड़े समय के लिए चीन की यात्रा करने वाले नागरिकों को बायोमेट्रिक डेटा देने से भी छूट दी गई है। चीन ने वीजा शुल्क भी कम कर दिया है और काफी कम दर पर चीन का वीजा प्राप्त किया जा सकता है। इससे भारतीयों के लिए चीन की यात्रा किफायती भी हो गई है। चीन भारतीय पर्यटकों को भी लुभाने की कोशिश कर रहा है और अपने प्रमुख त्योहारों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का खूब प्रचार कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के कई देशों पर भारी–भरकम टैरिफ लगाए हैं, लेकिन उनकी चीन पर खासी टेढ़ी नजर है। यही वजह है कि ट्रंप ने चीन पर 150 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इससे चीन के उत्पाद, अमेरिका में दोगुने महंगे हो गए हैं। ऐसे में चीन अब भारत के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को बढ़ाने पर जोर दे रहा है। चीनी दूतावास के प्रवक्ता यू जिंग ने कहा है कि भारत और चीन के व्यापारिक संबंध पूरकता और पारस्परिक लाभ पर आधारित हैं। अमेरिका के टैरिफ के दुरुपयोग का सामना करने के लिए दो विकासशील देशों को साथ खड़ा होना चाहिए।हालांकि भारत और चीन के कूटनीतिक संबंध चुनौतियों से भरे हुए हैं। खासकर वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चल रहे सैन्य गतिधरो से दोनों देशों के रिश्तों में तनाव है, लेकिन अब लग रहा है कि चीन को भी भारत की अहमियत का अंदाजा हो गया है। तभी चीन की सरकार भारत के साथ अपने संबंधों को बेहतर करने की कवायद कर रही है। इसके लिए लोगों के लोगों से रिश्ते मजबूत करने की कोशिश हो रही है।

वक्फ के विरोध...

सिब्वल ने दलील दी कि कलेक्टर वह अधिकारी होता है जो यह तय करता है कि कोई सम्पत्ति वक्फ है या नहीं। अगर कोई विवाद है तो वह सरकार का हिस्सा होता है और इस तरह वह अपने मामले में न्यायाधीश होता है। यह अपने आप में असंवैधानिक है। इसमें यह भी कहा गया है कि जब तक अधिकारी ऐसा फैसला नहीं करता, तब तक सम्पत्ति वक्फ नहीं होगी। उन्होंने आगे कहा कि पहले केवल मुसलमान ही वक्फ परिषद और बोर्ड का हिस्सा होते थे, लेकिन संशोधन के बाद अब हिंदू भी इसका हिस्सा हो सकते हैं। यह संसदीय अधिनियम द्वारा मौलिक अधिकारों का सीधा हनन है। कपिल सिब्वल ने जामा मस्जिद का मुद्दा भी उठाया। सीजेआई ने कहा कि जामा मस्जिद समेत सभी प्राचीन स्मारक संरक्षित रहेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे कितने मामले हैं? इस बारे में कानून आपके पक्ष में है। सभी पुराने स्मारक, जामा मस्जिद भी संरक्षित ही रहेंगे।सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार से पूछा कि क्या वह मुसलमानों को हिंदू धार्मिक ट्रस्टों का हिस्सा बनने की अनुमति देने को तैयार है। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ बाई यूजर के प्रावधान पर भी सवाल उठाए। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि 14वीं और 16वीं शताब्दी की मस्जिदें हैं। उनके पास रजिस्ट्रेशन सेल डीड नहीं होगी। ऐसी सम्पत्तियों को कैसे पंजीकृत करेंगे। उनके पास क्या दस्तावेज होंगे? ऐसे वक्फ को खारिज कर देने पर विवाद ज्यादा लंबा चलेगा। हम यह जानते हैं कि पुराने कानून का कुछ गलत इस्तेमाल हुआ, लेकिन कुछ वक्फ ऐसे भी हैं, जिनकी वक्फ सम्पत्ति के तौर पर पहचान हुई। वक्फ बाई यूजर मान्य किया गया। अगर आप इसे रद्द कर देंगे तो समस्या होगी। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने कहा कि एक उच्च न्यायालय को याचिकाओं से निपटने के लिए कहा जा सकता है। हम यह नहीं कह रहे हैं कि कानून के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करने और फैसला करने में सुप्रीम कोर्ट पर कोई रोक है। सीजेआई ने साफ किया कि वह कानून पर रोक लगाने के पहलू पर कोई दलील नहीं सुन रहे हैं।वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने कहा कि वक्फ अधिनियम का पूरे भारत में प्रभाव होगा, याचिकाओं को उच्च न्यायालय में नहीं भेजा जाना चाहिए। उन्होंने अधिनियम के खिलाफ दलील दी और अधिनियम पर रोक लगाने की मांग की। एक वादी की ओर से वरिष्ठ वकील हुसेफा अहमदी ने कहा कि उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ इस्लाम की स्थापित प्रथा है, इसे खत्म नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राजीव धवन ने कहा कि संशोधन मुसलमानों के धर्म का पालन करने के अधिकार का उल्लंघन करता है और दान इस्लाम का एक आवश्यक धार्मिक अग्र्यास है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि जब वे दिल्ली उच्च न्यायालय में थे, तो हमें बताया गया कि यह भूमि वक्फ भूमि है। हमें गलत मत समझिए। हम यह नहीं कह रहे हैं कि सभी वक्फ उपयोगकर्ता द्वारा गलत तरीके से पंजीकृत हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह एक उच्च न्यायालय को भी मामले की सुनवाई करने का निर्देश दे सकता है और इस तरह से उसे उच्च न्यायालय के फैसले का लाभ मिलेगा।केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि एक संयुक्त संसदीय समिति थी, जिसने 38 बैठकें कीं। इसने कई क्षेत्रों और शहरों का दौरा किया, परामर्श किया और लाखों सुझावों की जांच की। फिर यह दोनों सदनों में गया और फिर कानून पारित किया गया। सुनवाई से पहले मॉलवार को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरन रिजिजू ने नए वक्फ कानून को कानूनी चुनौती का जिक्र करते हुए कहा, मुझे विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट विधायी मामले में दखल नहीं देगा। रिजिजू ने कहा, संविधान में अर्थिकों का विभाजन अच्छी तरह से परिभाषित है। हमें एक–दूसरे का सम्मान करना चाहिए। अगर कल सरकार न्यायापालिका में हस्तक्षेप करती है, तो अच्छा नहीं होगा।गौरतलब है कि एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन औबैसी, आप नेता अमानतुल्ला खान, धर्म गुरु मौलाना अशुदद मन्नी, राजद नेता मनोज झा एवं ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड व जमीयन–ए–उलमा–ए–हिंद समेत कई मुस्लिम संगठनों ने शीर्ष कोर्ट में दो दर्जन याचिकाएं दाखिल की हैं। कोर्ट में 70 से ज्यादा याचिकाओं के जरिए वक्फ संशोधन कानून को चुनौती दी गई है। केंद्र और भाजपा शासित राज्य–राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व असम सरकारों की ओर से भी याचिकाएं दाखिल की गई हैं। केंद्र ने शीर्ष अदालत से कोई भी फैसला सुनाने से पहले उनके पक्ष को सुनने का आग्रह किया गया है।

घने पेड़ काटने ...

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा कि पेड़ों को गिराने की इतनी जल्दी क्या थी? न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑंग्स्टेन जॉर्ज मसीह की पीठ ने तेलंगाना की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से कहा कि 100 एकड़ भूमि पर जंगल और हरियाली को बहाल करने के लिए योजना बनाएं। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि हम पर्यावरण को हुए नुकसान से चिंतित हैं। ऐसे वीडियो देखकर आश्चर्य हुआ। जानवर आश्रय की तलाश में भाग रहे हैं। सरकार तय करे कि उन जंगली जानवरों की सुरक्षा कैसे होगी। सर्वोच्च न्यायालय ने तेलंगाना के वन्यजीव वाईदा को निर्देश दिया कि वह तेलंगाना की 100 एकड़ भूमि में वनों की कटाई से प्रभावित वन्यजीवों की जांच करें और उनकी सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाएं। पीठ ने कहा कि पर्यावरण और पारिस्थितिकी की सुरक्षा के लिए हम बसंभव प्रयास करेंगे। मामले की अगली सुनवाई 15 मई को होगी। इस हरसंभव एक भी पेड़ नहीं काटा जाएगा।हैदराबाद विवि के पास 400 एकड़ जमीन से पेड़ों को काटा जा रहा है। यह जमीन राज्य सरकार की है और सरकार ने इसे तेलंगाना इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन को आवंटित है। तेलंगाना इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन ने इस जमीन पर विकास के लिए बीती 30 मार्च से पेड़ों की कटाई शुरू की। जिसका हैदराबाद यूनिवर्सिटी के छात्रों और पर्यावरणविदों ने विरोध शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इससे वन संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन हो रहा है। हालांकि राज्य सरकार का कहना है कि यह जमीन उसकी है न कि विश्वविद्यालय प्रशासन की। सरकार कानून के उल्लंघन से भी इन्कार कर रही है। इसे लेकर हैदराबाद विश्वविद्यालय में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और इससे शैक्षणिक सत्र का नुकसान हो रहा है।सुप्रीम कोर्ट के सामने यह मामला न्यायमित्र और वरिष्ठ अधिवक्ता के परमेश्वर ने उठाया था। कोर्ट ने मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए तीन अप्रैल को निर्देश दिया था कि अगले दो सप्ताह तक राज्य या किसी भी प्राधिकारी द्वारा वहां पहले से मौजूद पेड़ों की सुरक्षा के अलावा किसी भी प्रकार की कटौत की गतिविधि नहीं की जाएगी। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति को भी संबंधित स्थल का दौरा करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा था।

दुबई में दो ...

यह घटना दुबई की एक बेकरी में शुक्रवार 11 अप्रैल को हुई। हमलावर पाकिस्तानी इन भारतीयों का सहकर्म था। मृतक प्रेमसागर के घर में दो छोटी बेटियां और पत्नी हैं। वह आखिरी बार 2 वर्ष पहले घर आए थे।

प्रेमसागर 5 वर्ष पूर्व दुबई काम करने गए थे। वह जल्द ही घर लौटने वाले भी थे। उनके परिवार का तेलंगाना में बुरा हाल है। प्रेमसागर के भाई सदीप ने बताया, मेरे भाई की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी गई क्योंकि वे हिंदू थे, मैं इस मामले में विदेश मंत्रायय से जल्द एक्शन लिए जाने की मांग करता हूं। पीड़ितों के परिवार ने बताया है कि उन्हें अभी दुबई की पुलिस या सरकारी एजेंसियों की तरफ से कोई जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने बताया है कि किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए वह अपने रिश्तेदारों पर निर्भर हैं। दोनों मृतकों के शवों के लाने के लिए प्रयास चल रहे हैं। मामले में केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार और जी किशन रेड्डी ने भी दुख जताया है। उन्होंने विदेश मंत्रालय से पूरी सहायता दिए जाने का आश्वासन दिया है।जी किशन रेड्डी ने कहा, दुबई में तेलंगाना के दो तेलुगु युवकों, निर्मल जिले के अष्टपु प्रेमसागर और निजामाबाद जिले के श्रीनिवास की नृशंस हत्या से मैं स्तब्ध हूं। मैंने इस मामले में विदेश मंत्री श्री डॉक्टर जयशंकर जी से बात की और उन्होंने शोक संतप्त परिवारों को पूर्ण सहायता और पार्थिव शरीर को तत्काल वापस भारत भेजने का आश्वासन दिया है। विदेश मंत्रालय भी इस मामले में शीघ्र न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में काम करेगा। मैं जयशंकर जी के समर्थन और सहायता के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं। मामले में अभी हत्यारे पाकिस्तानी पर क्या कार्रवाई हो रही है, इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

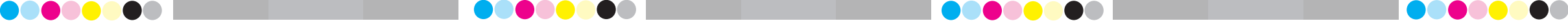
अपने ही जाल में ...

पाकिस्तान ने ही आतंकवाद को बढ़ावा दिया। इस दोहरे खेल से उन्हें जो भी लाभ मिल रहा था, वह भी अमेरिका के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद खत्म हो गया। जिस आतंकवाद को पाकिस्तान ने बढ़ावा दिया था, वही उन्हें वापस आकर नुकसान पहुंचा रहा है।

तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर उन्होंने कहा कि हम अमेरिका–भारत के बीच आतंकवाद विरोधी सहयोग की सराहना करते हैं। यह वास्तव में 26/11 हमलों के पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। जब उनसे पूछा गया कि भारत सरकार अब सार्वजनिक रूप से पाकिस्तान के बारे में शायद ही कभी चर्चा करती है, तो जयशंकर ने बताया कि उन पर कीमती समय बर्बाद करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, भारत बदल गया है। काश मैं कह सकता कि पाकिस्तान बदल गया है। दुर्भाग्य से, वे कई मायनों में अपनी बुरी आदतों को जारी रखे हुए हैं। मैं कहूंगा कि 26/11 का मुंबई आतंकवादी हमला एक महत्वपूर्ण मोड़ था। मुझे लगता है कि यही वह समय था जब भारतीय जनता, सभी राजनीतिक दलों ने कहा कि यह बहुत ज्यादा है।विदेश मंत्री ने कहा कि लोगों को लगा कि देश (भारत) अपने पड़ोसी से इस तरह का व्यवहार स्वीकार नहीं कर सकता। मुझे लगता है कि समाज में यह भावना बहुत प्रबल थी, लेकिन उस समय सरकार की तरफ से इसे पूरी तरह से नहीं समझा गया होगा, जो एक अलग मामला है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद, जब सरकार बदली, तो पाकिस्तान को यह सख्त संदेश दिया गया कि अगर आतंकवादी कृत्य किए गए तो इसके परिणाम भुगतते होंगे।वक्फ पर पाकिस्तान के प्रलाप पर भी विदेश मंत्रालय ने उसे जमकर लताड़ा और अपना घर संभालने की सलाह दी। भारत में पारित हुए वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर पाकिस्तान की आलोचनात्मक टिप्पणियों पर भारत ने कड़ा विरोध जताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान के बयानों को प्रे्रित और निराधार बताते हुए उन्हें दृढ़ता से खारिज किया है। उन्होंने साफ कहा कि पाकिस्तान को भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का कोई अधिकार नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हम भारत की संसद द्वारा पारित वक्फ संशोधन अधिनियम पर पाकिस्तान द्वारा की गई टिप्पणियों को पूरी तरह से अस्वीकार करते हैं। पाकिस्तान को दूसरों को उपदेश देने से पहले अपने ही देश में अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे व्यवहार पर आत्ममंथन करना चाहिए।

हिंदुओं पर हिंसा...

स्थानीय लोग और विपक्षी दल इस घटना को लेकर सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। बंगाल में अगले साल होने वाले चुनावों से पहले इस हिंसा ने सियासी माहौल को भी गर्मा दिया है।केंद्रीय बलों की सख्त कार्रवाई और तैनाती से स्थिति धीरे–धीरे सामान्य हो रही है। जंगपुर, धुलियान, सूती और शमशेरगंज जैसे संवेदशील इलाकों में बीएसएफ, सीआरपीएफ और रपिड एक्शन फोर्स की मौजूदगी ने शांति बहाली में अहम भूमिका निभाई है। अधिकारियों का कहना है कि पिछले 48 घंटों में कोई नई हिंसक घटना सामने नहीं आई, जिससे क्षेत्र में जनजीवन रूटरी पर लौट रहा है।दूसरी तरफ पश्चिम बंगाल में चल रहे फर्जी पासपोर्ट रैकेट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार रात घोटाले के सरगना आलोक नाथ को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी नदिया जिले के गेदे अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास की गई है। ईडी के मुताबिक, आलोक नाथ एक ऐसे रैकेट का संचालन कर रहा था जो अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को भारतीय पासपोर्ट दिलाने में मदद करता था। ईडी ने मंगलवार को कोलकाता, उत्तर 24 परगना और नदिया जिलों के कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। छापों के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल रिकॉर्ड, लैपटॉप और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं।ईडी अधिकारियों ने आलोक नाथ से करीब 13 घंटे तक पूछताछ की, जिसके बाद उसे सॉल्टलेक स्थित केंद्रीय सरकारी कार्यालय परिसर (सीजीओ कॉम्प्लेक्स) लाकर औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया। इस मामले में कोलकाता पुलिस पहले ही एक चार्जशीट दाखिल कर चुकी है, जिसमें 130 लोगों के नाम शामिल हैं। इनमें से 120 लोग बांग्लादेशी नागरिक बताए गए हैं जबकि बाकी 10 भारतीय हैं। आरोप है कि बांग्लादेशी नागरिकों ने मोटी रकम देकर फर्जी भारतीय पासपोर्ट बनवाए।चार्जशीट में यह भी बताया गया है कि जिन भारतीय नागरिकों के नाम आए हैं, उन्होंने फर्जी भारतीय पहचान पत्र और पासपोर्ट बनवाने में इन बांग्लादेशी घुसपैठियों की मदद की थी। इससे पहले कोलकाता पुलिस ने शहर के एक सेवानिवृत्त सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) अब्दुल हकीम को भी इस मामले में गिरफ्तार किया था। चार्जशीट में यह खुलासा हुआ है कि अब्दुल हकीम ने 52 मामलों में पुलिस सत्यापन के बदले मोटी रकम वसूली थी। वह मौके पर जाकर सत्यापन की जिम्मेदारी निभाने के लिए नियुक्त किया गया था, लेकिन थाने में ही बैठकर सत्यापन पूरा करता था और पैसे की वसूली कर लेता था। प्रवर्तन निदेशालय इस पूरे रैकेट की मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी कड़ियों की जांच कर रहा है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।





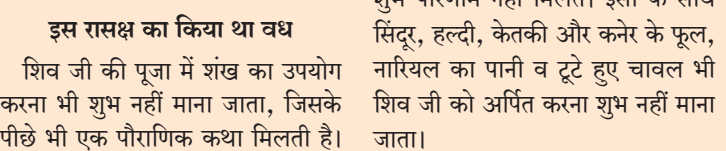
इसके लिए 11 मिट्टी के कलश या मटकों की मदद से गलंतिका लगाई गई। इन मिट्टी के कलशों पर 11 नदियों के नाम अंकित हैं, जो इस प्रकार हैं - गंगा, सिंधु, सरस्वती, यमुना, गोदावरी, नर्मदा, कावेरी, शरयु, क्षिप्रा, गण्डकी और अलखनंदा।

उत्तराखंड के रामेश्वरम महादेव, जहां श्री राम ने किया था शिव पूजन

-रमाकान्त पन्त

कबूतर देखे बिना अधूरा माना जाता है बाबा बर्फानी
के दर्शन, सदियों से चली आ रही है परंपरा

**शिवलिंग पूजा में वर्जित मानी गई हैं
ये चीजें, नहीं मिलता पूर्ण फल**



श्राज का राशिफल

मेघ – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

इच्छाशक्ति की कमी आपको भावनात्मक और मानसिक परेशानियों में फँसा सकती है। विन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है। पारिवारिक सदस्यों की मदद आपकी जरूरतों का खयाल रखेंगी। अगर आप खुले दिल से अपनी बात रखें, रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें यह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें अक़र से तलाश थी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जीवन की गाड़ी को अच्छे से चालना चाहते हैं तो आज आपको पैसे की आवाजाही पर विशेष ध्यान देना होगा। अगर आप अपने आकर्षण और हॉशियारी का इस्तेमाल करें, तो लोगों से मनचाहा व्यवहार पा सकते हैं। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड खराब हो सकता है। आज आप एक ऐसी परिचयना पूरी कर राहत की सांस लेंगे, जिसे आपके बहुत पहले शुरू किया था। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा-शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद होने की काफी संभावना है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपको काफी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। निवेश करना कई बात आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है हालात का सामना धैर्य से करना ही अच्छे परिणाम दे सकता है। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ दिल-चस्पी पैदा करेगा अचानक आज आप काम से छुट्टी लेने का प्लान बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अनचाहा कोई मेहमान आज आपके घर आ सकता है। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। जो भी बोलें, सोच-समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दूर पैदा कर सकते हैं। काम में मन लगाएं और जज्बाती बातों से बचें। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज खास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ अस-धाधरा काम करने की इमता देगा। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी उम्र आपके भावदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होंगी। भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख्यालों के प्रति उत्साही होंगे। आज घर में किसी पार्टी की वजह से आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पै,पी

दोस्तों के साथ शाम सुखद रहेगी लेकिन ज़्यादा खाने से बचें। आज आपको अपने भाई या बहुत की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। अपने बच्चों को अपने ऊपर बर्ताव का रस फायदा न उठाते हैं। अचानक हुई रोमांटिक मुलाकात आपके लिए उलझन पैदा कर सकती है। दूसरे आपसे काफी ज़्यादा समय की मांग कर सकते हैं। उनसे किसी भी तरह का वादा करने से पहले यह देख लें कि आपका काम उससे प्रभावित न हो किसी वजह से आप आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी ले सकते हैं इसका आप फायदा उठाएँ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप महसूस करेंगे कि आम-पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को खुश करने के लिए खुद को तनाव से नहीं थकाएं। अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को खुशनुमा बना देगा। इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौके मिलेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

ख़्यात दिग्दर्शकों के बावजूद आप थकान के चंगुल में फँसने से बचे रहेंगे। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। अपनी बातों पर क़ानू रखें, क्योंकि आपके चलते बड़े-बुजुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका खयाल रखते हैं। अपने प्रिय को आज निशान में नए आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,मी,भू,धा,फा,भा,भे

सकारात्मक सोच के ज़रिए इस समस्या से निजात पाएँ। वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आप आप किसी जरूरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफी मासिक दबाव पैदा कर सकती है। अपने प्रिय की बेजा मांग के आगे न झुकें। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ उन लोगों में दिक्कत पैदा करेगा, जो आप पर नज़दीकी से गौर करते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। आपका आकर्षक स्वभाव और खुशामिज़ाज व्यक्तित्व नए दोस्त बनाने में आपकी मदद करेगा और आपके सम्पर्क में इज़ाफ़ा करेगा। आप दूसरों में माहौल में बेहतरी और कामकाज के स्तर में सुधार को महसूस कर सकते हैं। घर के छोटे सदस्यों के साथ गर्व्य लगाकर आज आप अपने खाली समय का अच्छा इस्तेमाल कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरूरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारे में मददगार होगी। घर में झगडा का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मुक़ दुर्शन न करें रहें। अगर आप सोचते हैं कि यह दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप ग़लत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,अ,दे,दो,घा,घी

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नज़र बनाए रखने की जरूरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। घरेलू जिन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपनी और से सबसे अच्छा बर्ताव करने की जरूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। आप कामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक-एक करके महत्वपूर्ण कदम उठाने की जरूरत है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शास्त्र आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 17 अप्रैल 2025 , गुरुवार

विक्रम संवत : 2082

मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष

तिथि : चतुर्थी सायं 03:26 तक

नक्षत्र : ज्येष्ठा अहोरात्र

योग : वरियान रात्रि 12:48 तक

करण : बालव सायं 03:26 तक

चन्द्रराशि : वृश्चिक

सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:32 (हैदराबाद)

सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 06:32 (बंगलूर)

सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)

सूर्योदय : 05:51, सूर्यास्त 06:23 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30

चल : 10:30 से 12:00

लाभ : 12:00 से 01:30

राहुलात : दोपहर 01:30 से 03:00

शुभ : 04:30 से 06:00

दिशाशूल : दक्षिण दिशा

उपाय : तिथ्ठी खाकर यात्रा का आरंभ करें

दिन विशेष : अनुसूया जयंती, गण्डमूल चालू है

पं.चिदम्बर मिश्र (टिड्डू महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशास्त्रि, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शास्त्रि, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं

फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाणा)

9246159232, 98666165126

chidamber011@gmail.com

महत्वपूर्ण पेयजल योजनाओं को समय से करें पूरा : भजनलाल

जयपुर,16 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गर्मी के मौसम में पेयजल प्रबंधन एवं समर कंटीन्यूँसी प्लान को लेकर विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्ययोजना के तहत आमजन को निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिला कलक्टर्स की अनुशंषा पर जिलों में पेयजल से संबंधित आकस्मिक कार्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में पीएचईडी अधिकारियों को फील्ड में रहकर जलापूर्ति की व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए नवीन नलकूप एवं हैण्डपंप लगाए जाएं।



उन्होंने पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यकता के अनुसार टैंकरों के जरिए पेयजल परिवहन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने पेयजल से संबंधित पाइपलाइनों, पुराने नलकूप एवं हैंडपंप के मरम्मत कार्यों को भी समय से पूरा करने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल समस्या के निस्तारण के लिए संचालित राज्य एवं जिला स्तरीय कंट्रोल रूम के नंबरों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। साथ

ही, कंट्रोल रूम में दर्ज होने वाली शिकायतों का प्रभावी रूप से मॉनिटरिंग कर त्वरित निस्तारण भी किया जाए। उन्होंने बिजली कनेक्शन लेकर नलकूपों एवं ट्यूबवैलों को शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने नलकूपों हेतु भंडार में स्पेयर पंप-मोर्टर्स की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सुझाव देते हुए कहा कि हर ग्राम में पेयजल एवं इससे संबंधित योजनाओं के लिए ग्राम स्तर पर दो जल मित्र बनाए जाएं, ताकि

आवश्यकता पड़ने पर इनका सहयोग लिया जा सके। मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारी को निर्देशित किया कि पेयजल से संबंधित बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करें। साथ ही, बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के पेयजल से संबंधित कार्यों की वित्तीय स्वीकृति जारी करवाकर कार्य प्रारंभ किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेयजल से संबंधित वृहद् एवं लघु परियोजना को पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए।

उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में पाइपलाइन डालने के दौरान टूटी सड़कों के मरम्मत कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि तय समय सीमा में अमृत योजना के कार्यों को भी पूरा किया जाए। उन्होंने प्रदेश में संचालित जल जीवन मिशन के कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए भी विभागीय अधिकारियों को दिशा-निर्देश प्रदान किए। शर्मा ने नहरबंदी के दौरान प्रभावित जिलों में पेयजल व्यवस्था सुचारू रखने के लिए जिलेवार कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल आपूर्ति के लिए डिगियों का पूर्ण भराव रखा जाए, जिससे आवश्यकता होने पर इस जल का सदुपयोग किया जा सके। इस अवसर पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी सहित विभाग के उच्चाधिकारी मौजूद रहे तथा सभी जिलों के विभागीय अधिकारी वीसी के जरिए जुड़े।

जयपुर में ईडी दफ्तर के बाहर कांग्रेस का हल्लाबोल

लोकतंत्र की हत्या हो रही है : गहलोत

जयपुर,16 अप्रैल (एजेंसियां)।

जयपुर में बुधवार को एक लोकतांत्रिक दृश्य देखने को मिला, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अपनी आवाज बुलंद की। नेशनल हेराल्ड केस में ईडी की कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस ने राजधानी जयपुर में ईडी दफ्तर के बाहर बड़ा प्रदर्शन किया। दोपहर 12 बजे शुरू हुए इस विरोध में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने संबोधन में कहा, देश में इस तरह का माहौल बना दिया गया है जैसे कोई बहुत बड़ा घोटाला हो गया हो। जबकि प्रदर्शन किया। दोपहर 12 बजे शुरू हुए इस विरोध में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।



पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने संबोधन में कहा, देश में इस तरह का माहौल बना दिया गया है जैसे कोई बहुत बड़ा घोटाला हो गया हो। जबकि प्रदर्शन किया। दोपहर 12 बजे शुरू हुए इस विरोध में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

कोशिश है। हमारा संघर्ष सच्चाई के लिए है, लोकतंत्र के लिए है। टीकाराम जूली ने कहा कि राष्ट्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्ष को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने दो टुक कहा, यह कोई मनी लॉन्ड्रिंग केस नहीं, बल्कि एक नॉन-प्रॉफिट संस्था का मामला है।

सरकारी स्कूलों में बढ़ी छात्रों की संख्या : शिक्षा मंत्री

चंडीगढ़,16 अप्रैल (एजेंसियां)।

शिक्षा मंत्री महिपाल दांडा ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए बहुत गंभीर है। शिक्षा में सुधार के लिए हर क़दम और हर प्रयास करने को तैयार है। स्कूलों में बढ़ते दाखिले ने विपक्ष के आरोपों को दिया जबाब बैठक के बाद शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस साल अब तक कक्षा पांच में दो लाख से अधिक बच्चों का नामांकन हुआ है, कक्षा दस में 1,67,517 और कक्षा बारह में 1,61,192 बच्चों का नामांकन हुआ है। हजारों बच्चों का नामांकन अभी भी जारी है। उन्होंने कहा: ये संख्याएं खुद दिखाती हैं कि हमने कोई स्कूल बंद नहीं किया है, बल्कि सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस बार किताबों के 1414,775 सेट वितरित किए जाएंगे। इन्में से 9.20 लाख से अधिक सेट पहले ही वितरित किए जा चुके हैं; शेष को भी शीघ्र भेज दिया जाएगा। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि युवाओं को समय पर किताबें और यूनिफॉर्म मिलें, ताकि उनकी शिक्षा बाधित न हो। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार ने निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत गरीब बच्चों के

प्रवेश की गारंटी के लिए 'उज्ज्वल पोर्टल' जारी किया है। अब तक 70% स्कूलों ने अपनी सीटों की जानकारी पोर्टल पर अपलोड कर दी है। ऐसा न करने वाले स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। निजी स्कूलों के संबंध में मनमाने फैसले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। कोई भी निजी स्कूल अभिभावकों को एक निश्चित स्टोर से किताबें या यूनिफॉर्म खरीदने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। जो स्कूल पांच साल या उससे अधिक समय तक ड्रेस कोड बदलता है, उसे दंडित किया जाएगा। एक टोल-फ्री नंबर पर सरकार ने आगे जवाब दिया है, जिसमें अब तक 90 शिकायतें दर्ज की गई हैं। एक्स्पर्ट मामले में विपक्ष के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए दांडा ने कहा, कांग्रेस के लोग चांद पर प्लॉट बेचने की बात भी कर सकते हैं। हमने तो सिर्फ काम किया है, लेकिन उन्होंने सिर्फ घोषणाएं की हैं। शिक्षा मंत्री ने रॉबर्ट वाड्ज़ा को ईडी द्वारा किए गए काल के संदर्भ में कहा: ईडी एक स्वतंत्र संस्था है, जो अपने नियमों के अनुसार काम करती है। अगर किसी ने अवैध रूप से संपत्ति बनाई है, तो ईडी ने अपने स्तर पर सबूत खोजे होंगे।

राज्य अधिक आधुनिक, समावेशी और सुलभ विधायी प्रक्रिया की ओर तेजी से बढ़ रहा : सैनी



चंडीगढ़,16 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विधायी ड्राफ्टिंग तैयार करते समय केवल कानून की भाषा ही नहीं, बल्कि समाज की भावनाओं, ज़रूरतों और संभावनाओं पर भी विचार करना आवश्यक है। एक अच्छा विधायी ड्राफ्ट न केवल मौजूदा समस्याओं का समाधान करता है, बल्कि समाज को प्रगति की दिशा में भी ले जाता है। इसलिए विधायी प्रक्रियाओं में स्पष्टता, समानता और नागरिक भागीदारी को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने लगातार यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि नीति निर्माण और कानून निर्माण की प्रक्रिया समावेशी और सशक्त हो। ई-गवर्नेंस के माध्यम से राज्य ने प्रशासन में पारदर्शिता लाई है तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। अब विधायी प्रक्रिया को और अधिक आधुनिक, समावेशी और सुलभ बनाने की दिशा में लगातार अग्रसर हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज हरियाणा विधानसभा में 16 अप्रैल से 21 अप्रैल, 2025 तक आयोजित किए जा रहे 36वें अंतर्राष्ट्रीय विधायी प्रारूपण प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। यह

प्रशिक्षण कार्यक्रम लोकसभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (इंटरअक्ज़) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इस पहल में 13 देशों के कुल 28 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष श्री हरविंदर कल्याण भी उपस्थित थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत को अपनी विधायी प्रणाली पर बहुत गर्व है, जिसने सामाजिक न्याय, समावेशिता और पारदर्शिता में निरंतर मिसाल पेश की है। विधायी ड्राफ्टिंग केवल एक तकनीकी कार्य नहीं, यह एक दूरदर्शी प्रक्रिया है जो सामाजिक परिवर्तन की भावना को मूर्त रूप देती है, संवैधानिक मूल्यों को कायम रखती है और लोगों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करती है। उन्होंने कहा कि हमारे विधायी ड्राफ्टिंग एवं अनुसंधान संस्थान का आदर्श वाक्य है 'प्रारूपण ज्ञानम अभ्यासेन शोभते' अर्थात् सही ड्राफ्टिंग के लिए निरंतर अभ्यास और ज्ञान जरूरी है। आज का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम भी इसी अवधारणा पर आधारित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा विधानसभा ने इस दिशा में सदैव पहल की है। पारदर्शी

और उत्तरदायी विधायी प्रणाली के निर्माण के लिए हमने विभिन्न तकनीकी और संरचनात्मक बदलाव किए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा विधानसभा ने डिजिटल विधायिका की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इससे विधायकों की कार्य क्षमता में वृद्धि हुई है और आम जनता तक सूचनाओं की पहुंच भी आसान हुई है। विधान ड्राफ्टिंग में अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल एक औपचारिक अभ्यास मात्र नहीं है, बल्कि राष्ट्रों के बीच आपसी समझ, ज्ञान के आदान-प्रदान और विधायी पारदर्शिता की दिशा में एक सशक्त कदम है। यह मंच हमारे अनुभवों को साझा करने, एक-दूसरे की विधायी प्रणालियों को समझने और अपने-अपने लोकतांत्रिक संस्थानों को सशक्त बनाने का माध्यम है। आज जब विभिन्न देशों के प्रतिभागी एक साथ आए हैं, तो यह वैश्विक सहयोग और साझेदारी का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन भारत के वसुधैव कुटुम्बकम के शाश्वत दर्शन- दुनिया एक परिवार है, को और मजबूत करते हैं।

प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के बिल आधार कार्ड से किए जाएंगे लिंक : विज

चण्डीगढ़,16 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के बिल आधार कार्ड से लिंक किए जाएंगे। साथ ही , उन्होंने उपभोक्ताओं के गलत बिलों को एक महीने में ठीक करने के अधिकारियों को निर्देश भी दिए। ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक सर्वकल कार्यालयों में उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुनने के लिए बिजली अदालत लगाई जाए। जिसमें उपभोक्ताओं के गलत बिल, रीडिंग, खराब मीटर इत्यादि से संबंधित समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

विज ने यह भी निर्देश दिए कि बिजली कार्यालयों में उपभोक्ताओं को अच्छी जन सुविधाएं प्रदान की जाए। उनके बैठने के लिए बैंच, पीने के लिए पानी और गर्मी को देखते हुए छाया का प्रबंध भी किया जाए। उन्होंने कहा कि लोगों को बिजली के बिल भरने के लिए विभिन्न माध्यमों से अधिक से अधिक जागरूक किया जाए। ताकि लोग अपना बिजली का बिल समय पर भरें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऊर्जा विभाग में कोर्ट स्टे वाले केसों की निगरानी के लिए एक सेल बनाया जाए, जो प्रत्येक केस की निगरानी रखेगा।



कलियुग में हरी रूप है बाबा गंगाराम और उनका एकमात्र विश्वविख्यात मंदिर श्री बाबा गंगाराम धाम, श्री पंचदेव मंदिर राजस्थान के झुंझुनू में स्थित है। बाबा गंगाराम धाम, श्री पंचदेव मंदिर के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में 16 और 17 अप्रैल को स्वर्ण जयंती समारोह झुंझुनू नगर स्थित श्री पंचदेव मंदिर में धूमधाम से प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर प्रातः 7.30 बजे विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। सायं 5.30 बजे कोलकाता के सौरभ मधुकर के निर्देशन में 21 कलाकारों द्वारा भावपूर्ण नृत्यनाटिका, संगीतमय सामूहिक बाबा गंगाराम अमृतवाणी पाठ, भजन संध्या आयोजित की गई।इसी संदर्भ में दि. 17 अप्रैल को भजन सम्राट पद्मश्री अनूप जलोटा द्वारा भावातिरेक प्रस्तुति के रूप में एक शाम बाबा गंगाराम के नाम प्रस्तुत करेंगे। श्री इवेन्ट ग्रुप द्वारा गंगाल का सुप्रसिद्ध धनुचि एवं ढाक नृत्य तथा श्री रासा बैंड कोलाकाता द्वारा भजनोत्सव प्रस्तुत किया जाएगा। बनारस के पंडितों द्वारा भक्ति भावपूर्ण गंगा आरती की जाएगी। इससे पूर्व प्रातः 7.15 बजे से श्री बाबा गंगाराम भक्त शिरोमणि देवीकीर्तन एवं माता गायत्रीदेवी का मनोकामनापूर्ति चरण पादुका अभिषेक होगा।

पूर्व सांसद रामकृपाल यादव बोले—

बंगाल में अमन-चैन को बहाल करने के लिए केंद्र सरकार की कड़ी निगाह

वैशाली (एजेंसियां)।

भाजपा के पूर्व सांसद रामकृपाल यादव वैशाली जिले में हाजीपुर पहुंचे। जहां पर कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें हाजीपुर विधानसभा क्षेत्र के भारी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे। जहां पर 2025 विधानसभा चुनाव जीतने का मंत्र सांसद के द्वारा कार्यकर्ताओं को दिया गया। इस दौरान हाजीपुर विधायक अवधेश सिंह भी मौजूद रहे।

मीडिया से बात करते हुए भाजपा के पूर्व सांसद रामकृपाल यादव ने बंगाल में हो रहे हिंसक प्रदर्शन को लेकर ममता सरकार पर जमकर हमला बोला। पूर्व सांसद ने कहा, बंगाल में मौजूद ममता दीदी की सरकार की संरक्षण प्राप्त लोगों के द्वारा हिंसक



आंदोलन किया जा रहा है। केंद्र सरकार की नजर बंगाल की हालत पर बनी हुई है। लगातार इसकी मॉनिटरिंग भी केंद्र सरकार

के द्वारा किया जा रहा है। यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बंगाल में आज जो खून खराबा हो रहा है, वहां के

माननीय मुख्यमंत्री की संरक्षण में हो रहा है। टीएमसी की सरकार वहां पर जातिगत हमले करवा रही है। एक वर्ग के लोगों को टारगेट

करने की छूट दे रही है।

मुर्शिदाबाद और अगल-बगल की स्थिति काफी खराब है। वहां के लोग पलायन कर रहे हैं। वहां आज कोई सुरक्षित नहीं है। वहां की सरकार अपने दायित्व का निवारण नहीं कर रही है। मैं वहां के सरकार पर सीधा आरोप लगता हूं। केंद्रीय सरकार कड़ी निगाह रखी हुई है।

राष्ट्रपति शासन लगाने के सवाल पर पूर्व सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार कड़ी निगाह रखी हुई है। वक्त आने पर अमन शांति के लिए सभी कार्रवाई किया जाएगा। बंगाल में अमन-चैन बहाल हो जाए। जान माल की सुरक्षा संवैधानिक दायित्व का निवारण वहां की सरकार नहीं कर रही है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

भ्रष्ट अंचलाधिकारी ने दो बार अलग-अलग नाम से पास की मैट्रिक परीक्षा, एसवीयू की जांच में खुली पोल

पटना (एजेंसियां)।

बिहार पुलिस की विशेष निगरानी इकाई (एसवीयू) की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पता चला है कि टीम ने भ्रष्टाचार के आरोप जिस अंचलाधिकारी प्रिंस के खिलाफ कार्रवाई की है, उसने नौकरी में आने से पहले बड़ा खेला किया था। आरोप हैं कि अंचलाधिकारी प्रिंस राज ने प्रिंस राज ने दो बार मैट्रिक की परीक्षा दी है। 2004 में धर्मेन्द्र कुमार के नाम से और 2006 में प्रिंस राज के नाम से परीक्षा पास की है। दोनों सर्टिफिकेट एसवीयू ने जब्त कर लिए हैं। अब एसवीयू की टीम प्रिंस राज की सभी कुंडलियों को खंगालने में जुट गई है।

प्रिंस राज के ठिकानों पर स्पेशल विजिलेंस यूनिट की टीम ने छापेमारी की। टीम को अब तक उनकी आय से 28 लाख रुपए अधिक की संपत्ति मिली है। मामला आय से अधिक संपत्ति का है। इसी आधार पर एसवीयू ने केस दर्ज किया है। यह मामला



मधुबनी थाने में दर्ज हुआ है। शेखपुरा और मधुबनी जिलों में एक साथ छापेमारी चल रही है। अब तक की जांच में 90 प्रतिशत संपत्ति आय से अधिक पाई गई है। छापेमारी का नेतृत्व डीएसपी स्तर के अधिकारी कर रहे हैं। हाल ही में सरकार ने प्रिंस राज को निलंबित किया था।

एसवीयू के अनुसार, जांच में चला कि प्रिंस राज के पास उनकी आय से 90 प्रतिशत अधिक संपत्ति है। 2019 में प्रिंस राज अंचलाधिकारी बने थे। योगदान के दौरान करीब 28 लाख दो

हजार रुपये की संपत्ति नाजायज ढंग से अर्जित की। इसका कोई स्पष्टीकरण उनके पास नहीं है। इसके अलावा प्रिंस राज ने जमीन, मकान में जो निवेश किया है, उन स्थानों प्रिंस राज को 2019 में राजस्व सेवा में सीओ के पद पर बहाल किया गया था। उनकी पत्नी अंकु गुप्ता भी अंचलाधिकारी हैं। वह शेखपुरा जिले के अरियरी प्रखंड में कार्यरत हैं। शेखपुरा शहर के राजोपुरम कॉलोनी स्थित किराए के मकान में भी छापेमारी चल रही है।

नीतीश सरकार ने स्वास्थ्य विभाग में किया बड़ा फेरबदल

पटना (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने स्वास्थ्य विभाग में बड़ा फेरबदल किया है। स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के 334 डॉक्टरों का ट्रांसफर किया है। इसमें तीन जिलों के सिविल सर्जन समेत 65 चिकित्सा पदाधिकारी भी शामिल हैं।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, डॉ. विनोद कुमार चौधरी को नवादा, डॉ. दीपक कुमार को शिवहर और डॉ. राजकुमार चौधरी को किशनगंज का सिविल सर्जन बनाया गया है। दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल का उपाधीक्षक डॉ. अमित कुमार झा को बनाया गया है। यह स्थानांतरण अगले आदेश तक के लिए किया गया है।

डॉ. नीता अग्रवाल, जो पहले नवादा में असेैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी के रूप में कार्यरत थीं, उन्हें अब स्वास्थ्य विभाग, पटना में अपर निदेशक के पद पर स्थानांतरित किया गया है।



डॉ. देवदास चौधरी, जो शिवहर में असेैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी थे, अब मुंगेर में क्षेत्रीय उप निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं देंगे।

डॉ. राजेंद्र चौधरी, अधीक्षक, संक्रामक रोग अस्पताल, अगमकुआं, पटना, को स्वास्थ्य विभाग, पटना में अपर निदेशक बनाया गया है।

डॉ. राज कुमार चौधरी, सह प्राध्यापक, ई.एन.टी. विभाग, अनुग्रह नारायण मगध चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, गया, को किशनगंज में असेैनिक

शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

अधिसूचना में सभी स्थानांतरित चिकित्सकों को निर्देश दिया गया है कि वह अपने नए पदस्थापन स्थान पर तुरंत योगदान करें। सभी संबंधित असेैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी/निर्वाह पदाधिकारी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि यदि चिकित्सकों का पदस्थापन अतिरिक्त हो जाता है, तो उन्हें तत्काल मुख्यालय (स्वास्थ्य विभाग) में योगदान करने की व्यवस्था करें।

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले में भीषण अग्निकांड में चार बच्चों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मरने वालों में तीन लड़की और एक लड़का शामिल है। मृतकों में अंशिका कुमारी पांच वर्ष पिता छोटू पासवान, ब्यूटी कुमारी आठ वर्ष, सुष्टि कुमारी छह वर्ष और विपुल कुमार 10 वर्ष पिता राजन पसान शामिल हैं। इसमें तीन बच्चे एक ही परिवार के हैं।

घटना जिले के सकरा प्रखंड क्षेत्र के बरियारपुर थाना क्षेत्र के रामपुरमणि गांव की बताई गई है। बताया जा रहा है कि बिजली के शॉट सर्किट के बाद से लगी आग के बाद आग ने दूसरे घर को अपनी आगोश में ले लिया। इस दौरान घर में रखे हुए घरेलू गैस सिलेंडर में आग लग गई। उसके बाद देखते ही देखते आग ने कई घर को अपनी आगोश में ले लिया। लोग जब तक कुछ समझ पाते, तब तक कई घरों में आग लग गई। आग लगने के बाद



ग्रामीण में अफरा तफरी की स्थिति बन गई। लोग इस दौरान आसपास से पानी लाकर आग पर काबू पाए जाने के प्रयास में जुट गए। लेकिन आग की तेज लपटों से इसी दौरान में घर में कई लोग फंस गए और जान बचाकर भागने लगे।

इसी दौरान एक घर में आग लग गई, जिसके बाद आग के बीच में बच्चों के फंसे होने के बाद

वह निकल नहीं सके और अंदर ही झुलस गए और जिंदा जलकर मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची अग्निशमन विभाग की कई गाड़ी ने आग पर कड़ी मशकत के बाद काबू पाया है। इस दौरान कई घर जलकर राख हो गए और अब तक चार बच्चों का शव निकाला जा चुका है।

घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी की स्थिति बन गई और

इसमें मृतक बच्चों के परिवार में इस घटना से रो-रो कर बुरा हाल है। स्थानीय ग्रामीण ने बताया कि सभी लोग अपने खेतों में काम करने के लिए गए थे। इसी दौरान एक घर में आग लग गई और फिर देखते ही देखते कई घर जलकर राख हो गए। इस दौरान कई घर जलने लगे और इसमें कई लोग फंस गए थे और बच्चे भी जल गए हैं। अब तक इसमें चार

बच्चों की मौत हो गई है और कई अन्य फंसे हुए हैं। पुलिस टीम और अग्निशमन विभाग समय से आ जाती तो हादसे को कम किया जा सकता था।

इस पूरे मामले में जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने बताया कि सकरा प्रखंड क्षेत्र के बरियारपुर थाना क्षेत्र के रामपुरमणि गांव में आज अगलगी की घटना हुई है। इसमें अब तक चार बच्चों की जिंदा जलकर मौत हो गई है। घटना बेहद हृदय विदारक है। अंचलाधिकारी को अभिलंब घटना स्थल पर भेजा गया है। अनुमंडल पदाधिकारी पूर्वी की मौके पर कैप कर रहे हैं। परिवारों को हर संभव मदद दी जाएगी। घटना में हुई क्षति का आकलन किया जा रहा है। वहीं, आग लगने का कारण घरेलू गैस सिलेंडर फटने से हुआ है। मृतक के परिजन को चार-चार लाख रुपये मुआवजा के लिए कहा गया है। इसके साथ ही क्षति का आकलन किया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री के निर्देश पर जगे अधिकारी : वैध चालान नहीं देने पर भरने पड़ेंगे 25 गुना जुर्माना

सुपौल (एजेंसियां)।

सूबे के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने मंगलवार को सुपौल के अतिथि गृह में कृषि तथा खनन विभाग से संबंधित समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान सूबे के पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार सिंह बबलू, जिलाधिकारी कौशल कुमार, पुलिस अधीक्षक शैशव यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान डिप्टी सीएम ने जिला कृषि पदाधिकारी से फसल क्षति तथा बीज वितरण के संदर्भ में जानकारी ली। साथ ही उन्हें कृषि विभाग के सब्सिडी धारक और कर्मियों की बैठक करने तथा टास्क फॉर्स की नियमित रूप से बैठक करने का निर्देश दिया।

डिप्टी सीएम ने पौधा संरक्षण योजना की भी जानकारी ली तथा जरूरी निर्देश दिए। वहीं मिट्टी जांच प्रयोगशाला के कार्यों से संबंधित समीक्षा के क्रम में उन्होंने किसानों के बीच जागृति फैलाने को कहा। इसके अलावा उन्होंने उर्वरक के सही खपत का आंकलन कर प्रतिवेदन समर्पित



करने के निर्देश दिए। साथ ही उद्यानिक फसल जैसे- आलू, मंथा, खस, लेमन ग्रास आदि उगाने के लिए किसानों को प्रेरित करने के निर्देश दिए गए।

वही खनन विभाग की समीक्षा के दौरान डिप्टी सीएम ने सहायक निदेशक खनन को अवैध खनन और परिवहन पर पूर्ण रोकथाम लगाने के निर्देश दिए। इसके अलावा निर्माण से संबंधित सभी कार्य विभागों को अपने विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं में वैध चालान से ही खनिज आपूर्ति



करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्देश का पालन नहीं होने पर संबंधित संवेदक के विरुद्ध 25 गुना दंड वसूले जाएं। वही सहायक निदेशक खनन को कार्य विभागों में संवेदक द्वारा इस्तेमाल किए गए लघु खनिज चालान के जांच के निर्देश दिए गए।

बैठक में डिप्टी सीएम ने बताया कि साधारण मिट्टी के निजी उपयोग पर कोई रॉयल्टी नहीं वसूली जाएगी। इसका प्रचार प्रसार माइकिंग से करने का निर्देश दिया गया।

साथ ही बताया गया कि अगर रैयतों द्वारा मिट्टी की बिक्री अथवा व्यवसाय किया जाता है तो उनसे रॉयल्टी की वसूली की जाएगी। उन्होंने जिला कृषि पदाधिकारी को बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र जैसे बसंतपुर छातापुर, निर्मली, मरौना, किशनपुर और सुपौल में रैयती भूमि पर बालू, धुस मिट्टी अथवा गाद जमा होने का सर्वे करने का निर्देश दिया। बैठक में अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

प्रेम-प्रसंग में कार से कुचलकर प्रेमी को मार डाला

प्रेमिका को घर छोड़ने जा रहा था

वैशाली (एजेंसियां)।

बिहार के वैशाली जिले में प्रेम-प्रसंग में 17 वर्षीय नाबालिग की हत्या करने का मामला सामने आया है।

घटना महुआ थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर सिंघाड़ा गांव की है। मृतक की पहचान स्वर्गीय मुकेश कुमार सिंह के 17 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार बताया गया है।

स्थानीय लोगों के द्वारा बताया जा रहा है कि दीपक लड़की को देर रात घर छोड़ने जा रहा था। इस दौरान लड़की के परिजनों ने दोनों को देख लिया था और कार से पीछा कर उसके चलती बुलेट बाइक में ठोकर मार कर गिरा दिया और उसे कार से कुचल-कुचल कर मौत के घाट उतार दिया। मृतक दो भाई में बड़ा भाई था और छोटा भाई 13 साल का उज्जवल कुमार है। मृतक के पिता मुकेश कुमार सिंह की मौत तीन साल पहले गंभीर बीमारी के कारण हुई थी।

घटना को लेकर स्थानीय



अजीत कुमार सिंह ने बताया कि दो-तीन महीने से लड़का इस गांव में आया जाया करता था। इसी गांव की एक लड़की से उसका प्रेम-प्रसंग था। लड़का, लड़की को लेकर गया है और तीन बजे अर्धरात्रि में घर पहुंचाने आया है। ऐसी पहुंचाने के क्रम में लड़की के परिवार वालों ने उसे देख लिया था और उसकी कार से ठोकर मारकर गिरा दिया। उसके बाद कार से रौंद डाला, जिससे इसकी मौत हो गई है। उसने बताया कि एक और लड़का जो साथ में लड़की को छोड़ने आया था। वह पिंटू सिंह का लड़का पीयूष कुमार है, जो घायल अवस्था में है।

घटना की जानकारी मिलते ही महुआ थाने की पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है। इधर, उसके परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। घटना के बाद महुआ क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना महुआ थाने की पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही दलबल के साथ महुआ थाना अध्यक्ष राजेश शरण घटना स्थल पर पहुंच कर मामले की तहकीकात शुरू कर दी है।